वाहन और दूरसंचार शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी सेंसेक्स 609 अंक उछला-12

गंगा एक्सप्रेस-वे से उत्तर प्रदेश के बारह जिलों में आर्थिक क्रांति की नींव-12

ईरान युद्ध में खुद ही चौतरफा घिरा अमेरिका ट्रंप की बढ़ीं मुश्किलें-13

ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट पीने पर विवादों से घिरे रियान पराग-14

आज का मौसम

34.0° अधिकतम तापमान

24.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.34

सूर्यास्त 06.46

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 09:12 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2083

गुरुवार, 30 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 155, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

एक्सप्रेस-वे से भी तेज है उत्तर प्रदेश के विकास की रफ्तार: मोदी

प्रधानमंत्री ने किया गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण, योगी के नेतृत्व में विकास को सराहा

- पीएम बोले-किसानों, उद्योग व युवाओं के लिए नई लाइफलाइन, 12 जिलों में बढ़ेंगे अवसर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/हरदोई

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आज विकास की रफ्तार एक्सप्रेस-वे से भी तेज है। गंगा एक्सप्रेस-वे केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक परिवर्तन का आधार है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेस-वे प्रदेश की अर्थव्यवस्था, कनेक्टिविटी और रोजगार के लिए नई लाइफलाइन साबित होगा।

प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को हरदोई के तहसील बिलग्राम स्थित मल्लावां कट के पास गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि मां गंगा के नाम पर बना यह एक्सप्रेस-वे प्रदेश की विरासत और विकास दोनों का प्रतीक है। इससे अब लोग कम समय में संगम और काशी पहुंच सकेंगे, जिससे आस्था और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। मेरठ के स्पोर्ट्स गुड्स, हरदोई का हैंडलूम, उन्नाव का लेदर और प्रतापगढ़ का आंवला जैसे उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने का बेहतर अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक्सप्रेस-वे 12 जिलों में उद्योगों को आकर्षित करेगा और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री को प्रतीक के रूप में मां गंगा की प्रतिमा भी भेंट की।

गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण अवसर पर मंच पर उपस्थित पीएम मोदी, राज्यपाल आनंदीबेन, सीएम योगी तथा अन्य।

पांच राज्यों के चुनाव में भाजपा लगाने जा रही जीत की हैट्रिक : मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले, जब बिहार में चुनाव हुए तो भाजपा-एनडीए ने प्रचंड जीत दर्ज की थी, एक इतिहास रच दिया था। अभी कल ही गुजरात में महानगर पालिका, नगर पालिका, जिला पंचायतें, नगर पंचायतें, तहसील पंचायत... इन सब के चुनाव के नतीजे आए हैं। 80 से 85 प्रतिशत नगरपालिका और पंचायत भाजपा ने जीत ली हैं। मुझे विश्वास है कि इन पांच राज्यों के चुनाव में भी भाजपा ऐतिहासिक जीत की हैट्रिक लगाने जा रही है। 4 मई के नतीजे विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करेंगे। केंद्र की एनडीए सरकार नारी शक्ति वंदन संशोधन लेकर आई थी, अगर यह संशोधन पास हो जाता तो 2029 के चुनाव से ही महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण मिलता। सपा ने इस संशोधन के खिलाफ वोट किया। यूपी को सपा और उसके सहयोगियों से सावधान रहना है।

इंफ्रास्ट्रक्चर से बदल रही यूपी की तस्वीर

मोदी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में तेजी से काम हो रहा है। प्रदेश में 21 एयरपोर्ट विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें पांच अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हैं। ब्रह्मोस मिसाइल जैसे बड़े प्रोजेक्ट राज्य की औद्योगिक शक्ति को नई पहचान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि उप्र अब एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

विपक्ष पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में अपराध और जंगलराज का माहौल था, जिससे निवेश और विकास बाधित होता था। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है और प्रदेश निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।

चहुंमुखी विकास का आधार बनेगा गंगा एक्सप्रेस-वे : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/हरदोई

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गंगा एक्सप्रेस-वे प्रदेश के चहुंमुखी विकास का मजबूत आधार बनेगा। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों को जोड़ते हुए प्रदेश की अर्थव्यवस्था, रोजगार और आस्था-संस्कृति को नई दिशा देगा। उन्होंने इन एक लाख से अधिक किसानों को भी याद किया, जिन्होंने अपनी भूमि का योगदान किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दिसंबर 2021 में रखी गई आधारशिला आज साकार रूप में सामने है। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों को जोड़ते हुए प्रदेश की अर्थव्यवस्था, रोजगार और आस्था-संस्कृति को नई दिशा देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 जैसी वैश्विक चुनौती के दौरान भी इस परियोजना की रफ्तार नहीं रुकी। भूमि अधिग्रहण से लेकर निर्माण तक हर चरण में समयबद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई। उन्होंने हरदोई की पावन धरती को भगवान नरसिंह और भक्त प्रह्लाद से जुड़ा बताते हुए इस ऐतिहासिक अवसर को गौरवपूर्ण बताया। सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में विकास, निवेश और रोजगार की कल्पना कठिन थी, लेकिन अब एक्सप्रेसवे, हाईवे और ग्रामीण सड़कों का विशाल नेटवर्क तैयार हुआ है।

हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण पर वार्ता करते पीएम मोदी और सीएम योगी।

- एक्सप्रेसवे से किसानों, युवाओं, निवेश और सांस्कृतिक विकास को मिलेगा बढ़ावा
- 594 किमी एक्सप्रेसवे में 12 जिलों के एक लाख से अधिक किसानों का योगदान

औद्योगिक क्लस्टर खोलेंगे रोजगार के नए द्वार

मुख्यमंत्री ने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे 27 स्थानों पर इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल क्लस्टर और लॉजिस्टिक हब विकसित किए जा रहे हैं। इससे निवेश के नए अवसर पैदा होंगे और युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा।

किसानों के योगदान को किया नमन

परियोजना के लिए करीब 18,000 एकड़ भूमि किसानों से प्राप्त की गई है, जबकि औद्योगिक क्लस्टर के लिए 7,000 एकड़ अतिरिक्त भूमि ली गई है। मुख्यमंत्री ने 12 जिलों के एक लाख से अधिक किसानों का आभार जताया, जिनके सहयोग से परियोजना साकार हो सकी।

न्यूज ब्रीफ

विधानमंडल का विशेष सत्र आज हंगामे के आसार

लखनऊ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधानमंडल का एक दिवसीय विशेष सत्र गुरुवार को हंगामेदार रहने के आसार हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़े संशोधन विधेयक के लोकसभा में गिरने के मुद्दे पर योगी सरकार सदन में निंदा प्रस्ताव लाने की तैयारी में है, जबकि विपक्ष इसके खिलाफ जोरदार विरोध की रणनीति बना चुका है। सूत्रों के अनुसार, सुबह 11 बजे सत्र शुरू होने से पहले भाजपा गठबंधन के विधायकों और मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी विधायक दल की बैठकें होंगी, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी।

कम दूरी की पोत विध्वंसक मिसाइल का सफल 'साल्वो परीक्षण'

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना और डीआरडीओ ने बुधवार को ओडिशा तट के पास कम दूरी की पोत विध्वंसक मिसाइल प्रणाली का पहला 'साल्वो लॉन्च' सफलतापूर्वक पूरा किया। इस परीक्षण में नौसेना के हेलीकॉप्टर के जरिए एक ही लॉन्चर से कुछ ही सेकंड के भीतर कई मिसाइलें तेजी से दागी गईं। यह 'साल्वो' तकनीक दुश्मन की रक्षा प्रणाली को एक साथ कई सटीक हमलों से ध्वस्त करने के लिए डिजाइन की गई है।

बंगाल में मतदान का महा-रिकॉर्ड अंतिम चरण में 92.47% वोटिंग

मतदान के बड़े आंकड़े

ऐतिहासिक भागीदारी : राज्य की 294 सीटों पर औसत मतदान 92.47% रहा, जिसने 2011 के 84.72% के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

महिलाओं का वर्चस्व : महिला मतदाताओं का प्रतिशत 93.24% रहा, जबकि पुरुषों का प्रतिशत 91.74% दर्ज किया गया।

कोलकाता/नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव-2026 ने लोकतंत्र के उत्सव में एक नया इतिहास रच दिया है। राज्य में दो चरणों में हुए मतदान में आजादी के बाद से अब तक का सबसे अधिक 92.47 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। मतगणना 4 मई को होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने इस ऐतिहासिक भागीदारी के लिए जनता को बधाई देते हुए इसे पश्चिम बंगाल का गर्व बताया।

भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपना वोट डालने के बाद केंद्रीय बलों पर "अति" करने का आरोप लगाया। संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ और पर्यवेक्षक मतदाताओं को डरा-धमका रहे हैं और लोगों की पिटाई कर रहे हैं। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि सुरक्षा बल महिलाओं और बच्चों तक को नहीं छोड़ रहे हैं और बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां की गई हैं। उन्होंने इसे अदालत की अवमानना और लोकतंत्र का अपमान बताते हुए कहा कि केंद्रीय बल लोगों को इस तरह प्रताड़ित नहीं कर सकते।

विपक्ष के आरोपों के बीच, निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि चुनाव के बाद की अवधि में शांति सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की लगभग 700 कंपनियां अगले आदेश तक राज्य में तैनात रहेंगी।

मध्य कोलकाता में बुधवार को मताधिकार का प्रयोग करने के बाद मिशनरीज ऑफ चैरिटी की नन। ● अमृत विचार

बंगाल-असम में भाजपा को बढ़त, केरल-तमिलनाडु में बदलाव की लहर; पुडुचेरी में फिर खिल सकता है कमल

नई दिल्ली, अमृत विचार नेटवर्क

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न होने के बाद आए अधिकांश सर्वेक्षणों में असम और पश्चिम बंगाल में भाजपा की स्थिति मजबूत दिखाई दे रही है, जबकि दक्षिण भारत के राज्यों और पुडुचेरी में कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

पुडुचेरी: राजग की वापसी के आसार

30 सीटों वाले केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में अधिकतर सर्वेक्षण एआईएनआरसी की अगुवाई वाले एनडीए को बहुमत दे रहे हैं।

एग्जिट पोल

एक्सिस माय इंडिया: राजग को 16-20 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि कांग्रेस-द्रमुक गठबंधन 6-8 सीटों पर सिमट सकता है। यहाँ अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके को 2-4 सीटें मिलने की संभावना है।

पीपुल्स प्लस: इस सर्वे ने भी राजग को 16-18 सीटें देकर उनकी सरकार बनने का संकेत दिया है, जबकि कांग्रेस-द्रमुक गठबंधन को 10-12 सीटें दी गई हैं।

एग्जिट पोल की माने तो उत्तर-पूर्व और बंगाल में भाजपा अपनी पकड़ मजबूत कर रही है, वहीं दक्षिण में क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस गठबंधन का पलड़ा भारी है। अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के प्रदर्शन ने तमिलनाडु और पुडुचेरी के समीकरणों को रोचक बना दिया है।

असम और बंगाल: भाजपा के लिए शुभ संकेत

असम : 126 सीटों वाले इस राज्य में भाजपा गठबंधन जीत की हैट्रिक लगाता दिख रहा है। 'एक्सिस माय इंडिया' ने राजग को 88-100 और 'मैट्रिज' ने 85-95 सीटें दी हैं।

बंगाल : 294 सीटों पर 'पी-मार्क' (150-175) और 'पोल डायरी' (142-171) भाजपा की जीत देख रहे हैं, जबकि 'पीपुल्स प्लस' ने टीएमसी को 177-187 सीटों के साथ बहुमत का दावा किया है।

तमिलनाडु और केरल: सत्ता परिवर्तन की आहट

तमिलनाडु : यहां द्रमुक गठबंधन की वापसी के संकेत हैं। 'पीपुल्स प्लस' ने द्रमुक को 125-145 सीटें दी हैं। दिलचस्प बात यह है कि अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके पहली बार 10 से 12 सीटें हासिल कर खाता खोल सकती है।

केरल : यहाँ वामपंथियों की विदाई होती दिख रही है। 'एक्सिस माय इंडिया' (78-90 सीटें) और 'पीपुल्स प्लस' (75-85 सीटें) ने कांग्रेस नीत यूडीएफ को पूर्ण बहुमत मिलने का अनुमान लगाया है।

प. बंगाल सीटें 294 बहुमत 148

एजेंसी	टीएमसी+	भाजपा
मैट्रिज	125-140	146-161
पोल डायरी	99-127	142-171
चाणक्य स्ट्रैटजीज	130-140	150-160
प्रजा पोल	85-110	178-208
पीपल्स पल्स	177-187	95-110
पी- मारक्यू	118-138	150-175
जनमत पोल्स	195-205	80-90
जेवीसी	131-152	138-159

तमिलनाडु सीटें 234 बहुमत 118

एजेंसी	द्रमुक+	एनडीए	टीवीके
मैट्रिज	122-132	87-100	10-12
पीपल्स पल्स	125-145	65-80	18-24
चाणक्य स्ट्रैटजी	145-160	50-65	–
प्रजा पोल	148-168	61-81	–
पी-मारक्यू	125-145	65-85	16-26
जेवीसी	75-95	128-147	8-15
पीपल्स इन्साइट	120-140	60-70	30-40
कामाख्या	78-95	68-84	67-81

केरल सीटें 140 बहुमत 71

एजेंसी	द्रमुक+	एनडीए	टीवीके
मैट्रिज	122-132	87-100	10-12
पीपल्स पल्स	125-145	65-80	18-24
चाणक्य स्ट्रैटजी	145-160	50-65	–
प्रजा पोल	148-168	61-81	–
पी-मारक्यू	125-145	65-85	16-26
जेवीसी	75-95	128-147	8-15
पीपल्स इन्साइट	120-140	60-70	30-40
कामाख्या	78-95	68-84	67-81

यूपी में आंधी-पानी ने मचाई तबाही, 12 की मौत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अयोध्या में धूलभरी आंधी से एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा सीएम योगी का हेलिकॉप्टर
- सुल्तानपुर में सर्वाधिक छह की मौत, लखनऊ समेत 10 जिलों में जमकर ओले गिरे

अमृत विचार: यूपी में बुधवार को मौसम ने अचानक करवट ली। आंधी-बारिश से जगह-जगह पेड़, बिजली के खंभे उखड़ गए। कई कच्चे मकान ढह गए। इससे 12 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 6 मौत सुल्तानपुर में हुई। अयोध्या-अमेठी में 2-2, प्रयागराज और गाजीपुर में 1-1 की जान गई, जबकि दर्जनों घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को मौके पर जाकर बचाव एवं आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं।

यूपी में बुधवार को लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज-वाराणसी समेत 30 से ज्यादा जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। लखनऊ समेत 10 जिलों में जमकर ओले गिरे। सुल्तानपुर में 60 किमी की स्पीड से तूफान आया। इससे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बने टोल प्लाजा की छत उड़ गई। अयोध्या में धूलभरी आंधी के साथ बारिश हुई। इससे सीएम योगी का हेलिकॉप्टर एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। सुल्तानपुर में बिजली गिरने से खेत में आग लग गई। यूपी में पेड़-मकान व आकाशीय बिजली गिरने से मरने वालों में सुल्तानपुर के महेंद्र तिवारी (20) निवासी पूरे शिववंश दुबे, थाना कुड़वार, महिमा (8) - कस्बा माफियात, थाना बल्दीराय, रामबरन (58) - सिंघनी गांव, थाना बल्दीराय, रीता (35) - पूरे निधई तिवारी, मजरा डोभियारा, थाना हलियापुर, सुरेमन (8) - मुरादाबाद बरामदपुर, थाना अखंडनगर और सुषमा गुप्ता (40) - अलीगंज दाऊदपुर, थाना बंधुआकला शामिल हैं। जबकि अयोध्या की कर्मा देवी (64) - खजुरहट गणेशी गांव, बीकापुर और जमुना प्रसाद मिश्रा (40) - पूरा कलंदर क्षेत्र अमेठी से अंबिका पांडे (65) - खाखर देई गांव, थाना मुंशीगंज और मोहित गिरी (19)- शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के महिया सिंदुरिया की मौत हो गई। प्रयागराज में आकाशीय बिजली से कुसुम देवी (45) फूलपुर थाना क्षेत्र के दुल्मापुर गांव की जान चली गई, जबकि गाजीपुर में रामदरस राम निवासी बकराबाद निवासी (पेड़ गिरने से) की मौत हो गई। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से आ रही नम हवाओं की वजह से मौसम बदला है। आज पूर्वांचल, अवध, बुंदेलखंड और ब्रज क्षेत्र के 58 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है।

अगले 4 दिन कैसा रहेगा मौसम

1 मई : पश्चिमी यूपी में हल्की और पूर्वी यूपी में तेज बारिश होगी। बादलों की गड़गड़ाहट के बीच बिजली भी गिर सकती है।

2 मई : प्रदेश में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। तेज हवा चलेगी। तापमान में हल्की गिरावट आएगी।

3 मई : पूर्वी और पश्चिमी यूपी में कुछ जगहों पर गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होगी। आंधी-तूफान की संभावना नहीं है।

4 मई : आंधी-तूफान के साथ बारिश होगी। दिन वक्त बीच-बीच में धूप निकलने से उमस की स्थिति बनेगी।

प्रवेश वाही बने दिल्ली के नए मेयर, मोनिका पंत उपमहापौर बनीं

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ पार्षद प्रवेश वाही दिल्ली नगर निगम के नए महापौर (मेयर) चुन लिए गए हैं। बुधवार को हुए चुनाव में रोहिणी पूर्व से पार्षद प्रवेश वाही ने भारी मतों से जीत हासिल की। उनके साथ ही आनंद विहार से भाजपा पार्षद मोनिका पंत को उपमहापौर चुना गया है। कुल 273 वोटों वाले निर्वाचक मंडल में जीत के लिए 137 वोटों की आवश्यकता थी। प्रवेश वाही को कुल 156 वोट मिले, जिसमें इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के 14 पार्षदों का समर्थन भी शामिल रहा। उनके प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार हाजी जरफ को केवल नौ वोट मिले। उपमहापौर पद पर मोनिका पंत को भी 156 वोट हासिल हुए। विशेष बात यह रही कि आम आदमी पार्टी (आप) ने इस महापौर चुनाव की प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया।

दुधवा में पालतू हाथी का कहर, चारा कटर की पटक-पटक कर मौत

संवाददाता, पलिया कलां (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व की दक्षिण सोनारीपुर रेंज के सलूकापुर क्षेत्र में बुधवार पूर्वाह्न एक दर्दनाक हादसा हो गया। सुहेली नदी में स्नान कराते समय एक पालतू हाथी ने गुस्से में आकर अपने ही चारा कटर को पटक-पटक कर मार डाला, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

दुधवा के उपनिदेशक जगदीश आर. ने बताया कि तहसील क्षेत्र के गांव कोठिया निवासी 52 वर्षीय रामविलास पुत्र इंदल पिछले करीब 25 वर्षों से दुधवा टाइगर रिजर्व में चारा कटर के पद पर कार्यरत थे। वह पर्यटकों को घुमाने के लिए रखे गए हाथियों की देखभाल और चारा देने का काम करता था। बुधवार को भीषण गर्मी के चलते रामविलास हाथी को पास की सुहेली नदी में स्नान कराने ले गए थे। इसी दौरान किसी कारणवश हाथी आक्रामक हो गया और उसने रामविलास को पटक-पटक कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद अन्य महावतों और चारा कटरों ने किसी तरह हाथी को काबू में किया और घायल रामविलास को सीएचसी पलिया ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही दुधवा के उपनिदेशक जगदीश आर. अस्पताल पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। रामविलास के घर में कोहराम मच गया। पत्नी, तीन पुत्रों और एक पुत्री सहित अन्य परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक का बड़ा पुत्र अनंतराम भी दुधवा टाइगर रिजर्व में चारा कटर के पद पर कार्यरत है, जो पिता के शव के साथ लखीमपुर गया है।

राम विलास।

- सुहेली नदी में स्नान के दौरान हुई घटना, परिजनों में मचा कोहराम

हाथी ने चौकीदार को कुचला

हल्द्वानी : लालकुआं के शाह पठानी खत्ता क्षेत्र में बुधवार तड़के पेड़ के नीचे सो रहे करीब 75 वर्षीय खत्ता चौकीदार बंधु प्रजापति निवासी चतरा, झारखंड को जंगली हाथी ने हमला कर कुचलकर मार डाला।

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड 25 रजत जयंती वर्ष
गौरव, विकास और संकल्प का पर्व

देवभूमि उत्तराखण्ड
विकास भी, विरासत भी

चारधाम यात्रा

आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन

श्री यमुनोत्री

श्री गंगोत्री

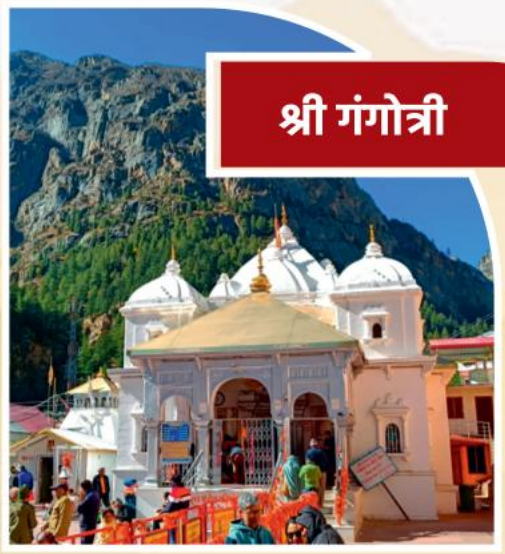

श्री केदारनाथ

श्री बदरीनाथ

चारधाम मार्ग के समीप आध्यात्मिक और प्राकृतिक रत्न

यमुनोत्री के पास

जानकी चट्टी, हनुमान चट्टी, खरसाली गांव, सप्तऋषि कुंड, लाखा मण्डल, केदारकांठा ट्रैक, राणा चट्टी

केदारनाथ के पास

भैरवनाथ मन्दिर, वासुकीताल, गौरीकुंड, त्रियुगीनारायण मन्दिर, चोपता तुंगनाथ चंद्रशिला, गुप्तकाशी, देवरियाताल

गंगोत्री के पास

गौमुख ट्रैक, भोजबासा, तपोवन, सूर्यकुंड व गौरीकुंड, हर्षिल वैली, मुखीमठ (मुखबा), दयारा बुग्याल ट्रैक, गर्तांग गली, काशी विश्वनाथ मन्दिर, नचिकेताताल, डौडीताल

बदरीनाथ के पास

माणा गांव, व्यास गुफा और गणेश गुफा, भीमशिला, औली, फूलों की घाटी, वसुधारा जलप्रपात, चरणपादुका, तप्तकुंड, नारदकुंड, ज्योतिर्मठ (जोशीमठ), सतोपंथ झील, पाण्डुकेश्वर, आदिबदरी मन्दिर, हेमकुंट साहिब

त्रियुगी नारायण मन्दिर

फूलों की घाटी

औली

देवप्रयाग

गर्तांग गली

ऋषिकेश

हर्षिल वैली

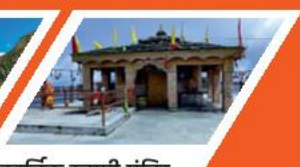

कार्तिक स्वामी मंदिर

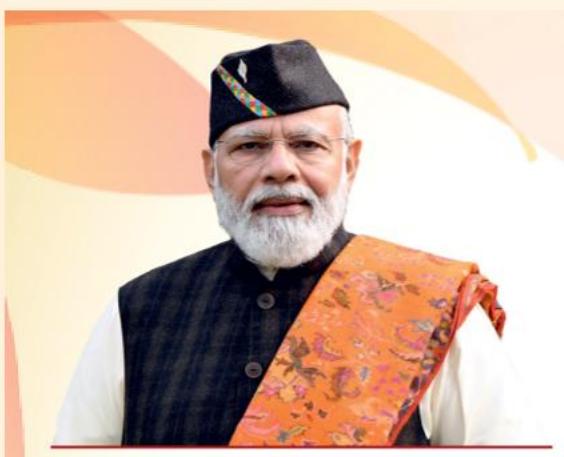

मेरे प्यारे देशवासियों,

देवभूमि उत्तराखण्ड की पावन धरती पर चारधाम यात्रा का शुभारंभ हो गया है। बाबा केदार के दर्शन सहित चारो धामों की यह पावन यात्रा भारत की सनातन सांस्कृतिक चेतना का एक भव्य उत्सव है। जगदगुरु आदि शंकराचार्य ने बदरीनाथ और केदारनाथ की यात्राओं से भारतीय संस्कृति को एक नई दिशा दी थी। जगदगुरु रामानुजाचार्य और जगदगुरु मध्वाचार्य ने भी अपने धर्मविचारों को समृद्ध करने के लिए बदरीनाथ की यात्रा की थी।

आज भी हिमालय की गोद में विराजमान ये चारो धाम हमारी शाश्वत आस्था और विश्वास के दिव्य केंद्र हैं। हर वर्ष विविध भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों के लोग यहां पहुंचते हैं और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के भाव को और अधिक सशक्त करते हैं। इस वर्ष की यात्रा भी इसी परंपरा का विस्तार है।

हमारे शास्त्रों में कहा गया है,

अग्निष्टोमादिभिर्यज्ञैरिष्ट्वा विपुलदक्षिणैः।
न तत्फलमवाप्नोति तीर्थाभिगमनेन यत्॥

भाव ये है कि बड़े-बड़े यज्ञों और दान आदि से हमें अपार पुण्य प्राप्त होते हैं। और इन अनुष्ठानों से भी कहीं अधिक पुण्य, हमें तीर्थ यात्राओं से प्राप्त होता है।

विकसित भारत के संकल्प में विकसित उत्तराखण्ड की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कुछ वर्ष पहले, बाबा केदार के द्वार पर मैंने कहा था कि ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। आज उत्तराखण्ड की प्रगति इस विश्वास को साकार कर रही है। उत्तराखण्ड आज पर्यटन, आध्यात्मिकता और आर्थिक प्रगति, तीनों क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

पिछले कुछ वर्षों से उत्तराखण्ड में विकास का जो महायज्ञ चल रहा है, उसने चारधाम यात्रा को पहले से अधिक सुगम, सुरक्षित और दिव्य बनाया है। इससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं, संतजनों और पर्यटकों को बहुत सुविधा हो रही है। इन सारे कामों में उत्तराखण्ड की प्राकृतिक सुंदरता का ध्यान रखने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।

मैं उत्तराखण्ड आने वाले हर अतिथि से भी कहूंगा कि वो इस नए अनुभव का आनंद जरुर लें। सभी यात्रीगण अपनी यात्रा के दौरान डिजिटल उपवास रखने और उत्तराखण्ड की प्राकृतिक सुंदरता को जीने का प्रयास भी करें। इससे आपको एक अलग संतुष्टि भी मिलेगी।

चारधाम की हर यात्रा में हम एक संकल्प लेकर अपने मूल स्थान से देवभूमि के लिए आते रहे हैं। इसी क्रम में, मैं भी आपसे पांच संकल्पों का आग्रह करना चाहता हूं:

पहला संकल्प - स्वच्छता सर्वोपरि : धाम और उसके आस पास स्वच्छता बनाए रखें। नदियों को साफ रखने के लिए अपना योगदान दें। सिंगल यूज़ प्लास्टिक से मुक्त यात्रा का संकल्प लें और इस पावन धरा की गरिमा को बनाए रखें।

दूसरा संकल्प - प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता : हिमालय की इस दिव्य धरा के प्रति संवेदनशील रहें। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखते हुए, 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे प्रयासों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें।

तीसरा संकल्प - सेवा, सहयोग और एकता पर बल : पुरातन काल से हमारी तीर्थ यात्राएं सर्वजन की सेवा और सामाजिक समरसता को स्थापित करने का माध्यम रही हैं। आज भी लोग इसी सेवा भाव से तीर्थयात्रियों की सेवा करते हैं। मैं चारधाम आने वाले हर तीर्थयात्री से भी आग्रह करता हूं कि वो अपनी यात्रा के हर दिन, किसी ना किसी रुप में, लोगों की सेवा का एक काम अवश्य करें।

सहयात्रियों की सहायता करें और देश की विभिन्न जगहों से आए लोगों से जुड़ें। उनकी परंपराओं का सहभागी बनकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को इस यात्रा के माध्यम से सशक्त करें।

चौथा संकल्प - वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा : अपने मूल स्थान से चलकर यात्रा से घर लौटने तक अपने कुल खर्च का पांच प्रतिशत हिस्सा लोकल उत्पादों को खरीदने पर जरुर खर्च करें। अगर किसी स्थानीय चीज की जरुरत इस मौसम में नहीं भी है, तो भी उसे भविष्य के इस्तेमाल के भाव से ही खरीदने का प्रयास करें।

पांचवां संकल्प - अनुशासन, सुरक्षा और मर्यादा का पालन : यात्रा के नियमों और यातायात निर्देशों का पालन करें। एक जिम्मेदार और सजग नागरिक के रुप में इस तीर्थ यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाएं। हम ये प्रयास करें कि हमारी यात्रा से, इस यात्रा के आयोजन और प्रबंधन में जितने भी लोग लगे हुए हैं, उन्हें कोई असुविधा ना हो।

हाल के वर्षों में बड़ी संख्या में हमारे क्रिएटर्स, इंफ्लूएंसर्स चारधाम दर्शन के लिए जाने लगे हैं। मैं सभी से ये आग्रह करूंगा कि वो उत्तराखण्ड की स्थानीय कहानियों और यहां की छोटी-छोटी परंपराओं को भी जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करें।

बाबा केदार के साथ ही चारो धामों का आशीर्वाद आपके जीवन में नई ऊर्जा, नई प्रेरणा और नए संकल्पों का संचार करे। मेरी यही कामना है।

आप सभी को एक सफल, सुरक्षित, दिव्य और आत्मीय यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

आपका

नरेन्द्र मोदी

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।"

पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

महत्वपूर्ण सूचना

- यात्रा से पूर्व पंजीकरण अनिवार्य है।
- रजिस्ट्रेशन में सही मोबाईल नम्बर दर्ज करें।
- अपने साथ पर्याप्त ऊनी कपड़े, छतरी, रेनकोट आदि अवश्य रखें।
- पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान सटीक स्वास्थ्य जानकारी प्रदान करें।
- वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच करवाने की सलाह दी जाती है।
- यदि आप कोर्ड दवा लेते हैं तो प्रचुर मात्रा में स्टॉक साथ रखे।
- यात्रा मार्ग पर विभिन्न पड़ावों पर विश्राम करते हुए प्रस्थान करें, जिससे जलवायु अनुकूल हो सकें।
- यदि आप अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं तो यात्रा ना करें।
- धामों पर दर्शन कराने का दावा करने वाले अनधिकृत व्यक्तियों से बचें।
- यात्रा मार्गों पर गंदगी न फैलाकर, उन्हें स्वच्छ रखने में हमारा सहयोग करें।
- कृपया वाहनों की गति नियंत्रित रखें एवं वाहनों को उचित स्थलों पर ही पार्क करें।
- सिंगल यूज़ प्लास्टिक का प्रयोग न करें।

रजिस्ट्रेशन के माध्यम

वेबसाइट पर जाएं या QR कोड स्कैन करें:
registrationandtouristcare.uk.gov.in

ऐप डाउनलोड करें
touristcareuttarakhand
Google Play | App Store

अधिक जानकारी के लिए हमारे
टोल फ्री नंबर (24x7) पर संपर्क करें
0135-3520100
विस्तृत जानकारी हेतु फोन नंबर
0135-2552627
0135-2559898
पर संपर्क करें
ई-मेल :
touristcare.uttarakhand@gmail.com

#ExploreUttarakhand
@DIPR_UK

पंच केदार	पंच प्रयाग	पंच बद्री
1. केदारनाथ	1. देवप्रयाग	1. विशाल बद्री
2. तुंगनाथ	2. रुद्रप्रयाग	2. योगदर्शन बद्री
3. रुद्रनाथ	3. कर्णप्रयाग	3. भव्य बद्री
4. मदमहेश्वर	4. नन्दप्रयाग	4. वृद्धा बद्री
5. कल्पेश्वर	5. विष्णुप्रयाग	5. आदि बद्री

केवल आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से हेलीकॉप्टर बुकिंग करें धोखाधड़ी से सुरक्षित रहें।
www.heliyatra.irctc.co.in

चारधाम यात्रा पर आप पंच केदार, पंच प्रयाग एवं पंच बद्री के भी दर्शन कर सकते हैं। पंच बद्री में अलग-अलग रूपों में भगवान विष्णु की पूजा की जाती है।

न्यूज ब्रीफ

दंपती के साथ मारपीट एफआईआर दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : दंपती से मारपीट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की। मोहल्ला दुर्गाप्रसाद निवासी अवंतिका पत्नी नरेश उर्फ रवि कश्यप ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 27 अप्रैल की शाम साढ़े चार बजे प्रशांत पुत्र हरिओम, सास नत्थो देवी, ननद मीरा कुमारी, भांजा मोहित आए और उनसे मारपीट की। बचाने आए पति को भी पीटा। जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

किशोरी और युवती को ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 14 वर्षीय पुत्री को ग्राम दियोहा निवासी गगन 28 अप्रैल को दोपहर एक बजे फुसलाकर ले गया। पुत्री घर में रखे जेवरात और 40 हजार रुपये ले गई। न्यूरिया पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। इधर, थाना सुनगढी क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 20 वर्षीय पुत्री को 28 अप्रैल की सुबह बरेली के बीसलपुर चौराहा निवासी आकाश पुत्र अनिल फुसलाकर ले गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रास्ते में रोककर युवक के साथ मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के मोहल्ला काला मंदिर निवासी जतिन कुमार पुत्र चमन लाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताय कि मोहल्ला थानसिंह निवासी रंजीत ने अपने साथी सचिन के साथ 27 अप्रैल की रात मिला और गाली गलौज की। विरोध करने पर मारपीट की। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

विवाहिता से मारपीट की एफआईआर दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : दियोरिया कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा चतुराहा निवासी पूनम देवी ने न्यूरिया थाने में दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 22 फरवरी 2023 को न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम कैम निवासी गौरव पुत्र नेमचंद से हुई थी। पति गौरव, सास मंजू देवी, ससुर नेमचंद, देवर प्रमोद, नितेश व नंद प्रीति देवी ने अतिरिक्त दहेज में दो लाख रुपये और बाइक की मांग पूरी न होने पर प्रताड़ित किया। 21 अप्रैल को मारपीट कर कमरे में बंद कर दिया। 22 अप्रैल को उसके पिता पुलिस को लेकर ससुराल आए और बंधनमुक्त कराया। तब से मायके में रह रही है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

प्रेसवार्ता में 2025 की एक रिपोर्ट का हवाला देकर कांग्रेस नेता ने उठाए सवाल, जिम्मेदारों पर लापरवाही का आरोप

बाढ़ प्रभावित जनपदों में नहीं जिले का नाम, देवहा का भी जिक्र नहीं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : एक तरफ आगामी दिनों में संभावित बाढ़ की तैयारियों में प्रशासन जुटा हुआ है। बीते दिनों डीएम ने इसे लेकर बैठक की और विभागवार कार्यों की जिम्मेदारी भी तय की गई है। इन सबके बीच कांग्रेस नेता कुमुद गंगवार ने एक बड़ा सवाल उठा दिया है।

पिछले साल की एक रिपोर्ट का हवाला दिया है, जिसमें बाढ़ प्रभावित जिलों की तीन श्रेणियों में पीलीभीत का नाम ही नहीं है, जबकि जिले में देवहा और शारदा नदी उफनाने के बाद आने वाली बाढ़ भारी तबाही हर साल मचाती है। जनप्रतिनिधि और अधिकारियों की लापरवाही करार देते हुए कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री

प्रेसवार्ता करते कांग्रेस नेता कुमुद गंगवार।

समेत स्थानीय जनप्रतिनिधियों को पत्र भेजे हैं। जिसमें आगामी दिनों में बाढ़ को देखते हुए उचित कदम उठाने व जिले को संवेदनशील सूची में शामिल कराने की मांग की है।

शहर के एक होटल में बुधवार को कांग्रेस नेता कुमुद गंगवार ने प्रेसवार्ता की।

- **सीएम को लिखा पत्र, आगामी दिनों को लेकर लिया जाए संज्ञान संवेदनशील श्रेणी में शामिल हो नाम**

उन्होंने कहा कि पीलीभीत जिला हर साल भयंकर बाढ़ की त्रासदी का सामना करता है। उत्तर प्रदेश स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के फ्लड मॉक एक्सरसाइज रिपोर्ट 2025 स्टेट लेवल मॉक एक्सरसाइज ऑन फ्लड इंटेन्स रेन डिजास्टर्स रिपोर्ट में प्रदेश की बाढ़ संबंधी तैयारियों और तत्संबंधी राहत कार्यों का विस्तृत वर्णन शामिल है। इस रिपोर्ट में प्रदेश के बाढ़ प्रभावित 44 जिलों को वरीयता के आधार पर तीन वर्गों में विभाजित किया गया है। उनका कहना है कि अफसोस की बात है कि बाढ़ प्रभावित जिलों में पीलीभीत का नाम ही संबंधित रिपोर्ट में शामिल नहीं है। गोमती रिवर बेसिन के पीलीभीत में होने का उल्लेख है।

शारदा, घाघरा नदी के जिले से गुजरने का भी जिक्र है। मगर देवहा नदी जोकि उत्तराखंड में नंदा और शाहजहांपुर में गर्रा के नाम से जानी जाती है और फर्रुखाबाद में गंगा नदी में समाहित होती है। उस देवहा नदी का कोई जिक्र ही नहीं है। कहा कि संबंधित रिपोर्ट में बाढ़ ग्रसित क्षेत्र की सूची में पीलीभीत शामिल नहीं है।

जबकि जिले का अमरिया, ललौरीखेड़ा, बरखेड़ा और बीसलपुर ब्लॉक क्षेत्र में देवहा नदी उफनाने के बाद आने वाली बाढ़ की तबाही किसी से नहीं छिपी है। शारदा, घाघरा नदी पूरनपुर ब्लॉक को भारी नुकसान पहुंचती है। लंबे इतिहास के बावजूद पीलीभीत को संवेदनशील जिलों की सूची से पूरी तरह बाहर रखना, तैयारियों, ज्ञान और संवेदनशीलता पर ज्वलंत प्रश्न खड़े करता है। किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए पीलीभीत को भी संवेदनशील जिलों की सूची में शामिल करने की मांग की।

सांसद-विधायकों को भी लिखे पत्र

कांग्रेस नेता कुमुद गंगवार ने कहा कि जिले में हर साल बाढ़ की तबाही से कोई अनजान नहीं है। आलम ये है कि कई-कई फीट पानी शहर के भीतर मुख्य सड़कों से लेकर ऑफिसर्स कॉलोनी तक भरता है। जिम्मेदारों को खुद होटल या अन्य जगह शरण लेनी पड़ती है। इसके बाद भी सूची में नाम न होना जिम्मेदारों पर सवाल है। मुख्यमंत्री के अलावा उन्होंने अपनी ओर से केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद, सदर विधायक/राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा और बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद को भी पत्र लिखा है। ये पत्र 23 अप्रैल को लिखे गए थे। इसमें जनप्रतिनिधियों की संवेदनशीलता पर सवाल उठाए और आग्रह किया है कि वह क्षेत्र की जनता के हितों को देखते हुए अपने स्तर पर प्रयास करें और पीलीभीत को भी संवेदनशील श्रेणी में शामिल कराएं।

सिंगल यूज प्लास्टिक का किया बहिष्कार

पीलीभीत, अमृत विचार : भारत विकास परिषद टाइगर शाखा का अधिष्ठापन समारोह कृषि स्मार्ट भवन राजकीय इंटर कॉलेज में हुआ। मुख्य अतिथि प्रांतीय महासचिव डॉ. अनिल सक्सेना रहे। संरक्षक ज्ञानेंद्र अग्रवाल ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कराई गई। रामावतार, डॉ. विनय, जिला प्रभारी डॉ. एसपीएस संधू को सम्मानित किया गया। टीम वर्क की भावना से कार्य करने का संदेश दिया। क्विज प्रतियोगिता में कुमकुम अग्रवाल ने बाजी मारी। शाखा सचिव मनोज मित्तल ने कार्य योजना प्रस्तुत की। शाखा अध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा, डॉ. आरपी गंगवार ने आभार व्यक्त किया। सिंगल यूज प्लास्टिक का पूर्णतः बहिष्कार किया गया।

नहर की झाल में उतराता मिला मादा तेंदुआ का शव, सुरक्षा पर सवाल

पीलीभीत रेंज के अंतर्गत बीसलपुर ब्रांच नहर में बुधवार सुबह देखा गया था शव

- **सूचना पर पहुंची टीम ने शव को कब्जे में लेकर कराया पोस्टमार्टम**

संवाददाता, पीलीभीत/बरखेड़ा

अमृत विचार : जनपद में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर किए जाने वाले दावों पर एक बार फिर सवालिया निशान लगा। बुधवार सुबह बरखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत बीसलपुर ब्रांच नहर की झाल में एक मादा तेंदुआ का शव उतराता मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। तमाम ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। सूचना पर टीम के साथ मौके पर पहुंचे डिप्टी रेंजर ने शव को नहर से बाहर निकलवाया। तीन सदस्यीय पैनल द्वारा तेंदुआ का शव का पोस्टमार्टम किया गया। मगर, पोस्टमार्टम के बाद भी तेंदुआ की मौत की वजह पता नहीं चल सकी।

घटना पीलीभीत रेंज के अंतर्गत बरखेड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह की है। गांव जार कल्लिया से नरायनठेर जाने वाले मार्ग पर बीसलपुर ब्रांच नहर की पुलिया के पास ग्रामीणों ने पानी में एक भारी-भरकम शव तैरते देखा। इस पर ग्रामीणों ने नजदीक जाकर देखा तो वह तेंदुआ का शव निकला। तेंदुआ का शव मिलने की जानकारी आसपास गांवों तक जा पहुंचे। देखते ही देखते कुछ देर में ही घटना स्थल के आसपास

बीसलपुर ब्रांच नहर में उतराता मादा तेंदुआ का शव। ● अमृत विचार

पोस्टमार्टम में भी मौत का कारण स्पष्ट नहीं

उच्चाधिकारियों के निर्देश पर तीन सदस्यीय पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा तेंदुआ के शव का पोस्टमार्टम किया गया। पैनल में पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पशु चिकित्साधिकारी डॉ. दक्ष गंगवार के अलावा दो अन्य पशु चिकित्सक शामिल रहे। फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद भी तेंदुआ की मौत कैसे हुई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। सामाजिक वानिकी प्रशासन की ओर से बिसरा सैंपल आईवीआरआई बरेली भेजा गया है। जहां विशेषज्ञों द्वारा सैंपल की जांच की जाएगी। संभवता जांच के बाद मौत की वजह पता चल सकेगी। वन अफसरों द्वारा मादा तेंदुआ की उम्र करीब 19 माह बताई गई है।

> बीसलपुर रेंज के अंतर्गत तेंदुआ का शव मिला है। तीन सदस्यीय पैनल द्वारा तेंदुआ के शव का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम में तेंदुआ की मौत का कारण पता नहीं चल सका है। बिसरा सैंपल जांच के लिए आईवीआरआई बरेली भेजा गया है। सैंपल जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।
>
> – भरत कुमार डीके, डीएफओ, सामाजिक वानिकी प्रभाग

ग्रामीणों की भीड़ जमा होने लगी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही सामाजिक वानिकी रेंज पीलीभीत के डिप्टी रेंजर शेर सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। इसके बाद वन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद तेंदुआ के शव को नहर के पानी से बाहर निकलवाया। तेंदुआ काफी समय से पानी में होने के कारण फूला हुआ प्रतीत हो रहा था। टीम शव को लेकर जिला मुख्यालय ले आई।

सड़क हादसों में दो लोग गंभीर घायल

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव कोकिला निवासी धर्मपाल पुत्र कालीचरन के घर पंपिंग सेट सही करने के लिए गांव कटकवारा निवासी मिस्त्री मंगलवार को आया था। शाम को वह मिस्त्री को छोड़ने जा रहे थे। इस बीच गांव टिकरी माफी से वापस घर आते वक्त एक पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही अज्ञात वाहन की टक्कर से धर्मपाल घायल हो गए।

घायल को सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। वहीं, जनपद बरेली के थाना भुता क्षेत्र के गांव बहोन नगरा निवासी लालाराम पुत्र रामपाल ने बताया कि उनकी पुत्री की शादी 13 मई को है। इसकी दावत देने के लिए छोटे भाई अनोखेलाल के साथ उनकी ससुराल पूरनपुर गए थे। मंगलवार रात वहां से बाइक से घर आ रहे थे। ग्राम अरसियाबोझ के पास पहुचते ही बारिश होने लगी। इस पर बाइक रोक सड़क किनारे खड़े हो गए। इस दौरान चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें भाई अनोखेलाल घायल हो गए। उन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया।

- **टिकरी माफी व अरसियाबोझ गांव के पास हुए हादसे**

पीलीभीत व टनकपुर रूट की ट्रेनें 12 तक प्रभावित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **बरेली सिटी यार्ड में एलएचएस निर्माण के चलते शार्ट टर्मिनेट होकर चलेगी ट्रेनें**

अमृत विचार : इज्जतनगर मंडल के बरेली सिटी यार्ड में एलएचएस (लिमिटेड हाइट सब-वे) निर्माण का कार्य शुरू किया जा रहा है। इसके चलते बरेली सिटी, पीलीभीत और टनकपुर रूट पर चलने वाली ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया गया है। रेलवे प्रशासन के मुताबिक 12 मई तक पीलीभीत, टनकपुर की ओर जाने वाली ट्रेनें शॉर्ट टर्मिनेट और शॉर्ट ओरिजिनल होकर चलेंगी।

इज्जतनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा के मुताबिक कासगंज-बरेली सिटी सवारी गाड़ी (55329) 01 से 11 मई तक बरेली जंक्शन पर ही यात्रा समाप्त करेगी। वहीं पीलीभीत और टनकपुर से आने वाली अधिकांश ट्रेनें इज्जतनगर स्टेशन तक ही आएंगी। वहीं वापसी में बरेली सिटी से चलने वाली ट्रेनें भी इज्जत नगर और बरेली जंक्शन से अपनी यात्रा शुरू करेंगी। उन्होंने बताया कि पीलीभीत-बरेली सिटी (55316/55318), टनकपुर-बरेली सिटी (75302), पीलीभीत-बरेली सिटी डेमू ट्रेन (75304) 08 मई तक इज्जतनगर में ही अपनी यात्रा समाप्त करेंगी। यह ट्रेने इज्जतनगर एवं बरेली सिटी के बीच निरस्त रहेगी। इसके अलावा टनकपुर-बरेली जंक्शन मेला स्पेशल ट्रेन (05307) 07, 09 एवं 11 मई को इज्जतनगर में यात्रा समाप्त करेगी। बरेली सिटी-पीलीभीत (55315) और बरेली सिटी-पीलीभीत डेमू ट्रेन (75303) 08 मई तक इज्जतनगर से चलेगी। बरेली सिटी-पीलीभीत डेमू ट्रेन (75301) 30 अप्रैल से 09 मई तक इज्जतनगर से चलेगी। वहीं बरेली जंक्शन-टनकपुर मेला स्पेशल ट्रेन (05308) 08, 09 एवं 12 मई तक इज्जतनगर से चलेगी।

कार्यकाल विस्तार की मांग को लेकर लामबंद हुए ग्राम प्रधान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **ग्राम प्रधानों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम न्यायिक को सौंपा**

अमृत विचार : ग्राम प्रधानों ने पंचायत चुनाव में देरी की संभावनाओं के बीच कार्यकाल को बढ़ाने की मांग तेज कर दी है। अखिल भारतीय प्रधान संगठन के बैनर तले ग्राम प्रधानों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम न्यायिक को सौंपा। ज्ञापन में प्रशासक नियुक्त करने के स्थान पर वर्तमान ग्राम प्रधानों का कार्यकाल आगामी चुनाव संपन्न होने तक बढ़ाने की मांग की गई।

जनपद की ग्राम पंचायतों की कमान संभाल रहे ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को समाप्त होने जा रहा है। इधर, पंचायत चुनाव में देरी की संभावना पर वर्तमान ग्राम प्रधानों ने कार्यकाल बढ़ाने की मांग शुरू कर दी है। इसी क्रम में बुधवार को अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष नरेश पाल सिंह के नेतृत्व में तमाम ग्राम प्रधान कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां ग्राम प्रधानों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम न्यायिक पवन कुमार को सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि ग्राम पंचायतों का कार्यकाल आगामी 26 मई को समाप्त होने जा रहा है। संभावना जताई जा रही है कि किन्हीं कारणों से पंचायत चुनाव नियत समय पर संपन्न नहीं हो पाएंगे और चुनाव करीब एक वर्ष तक आगे बढ़ सकते हैं। शासन द्वारा कार्यकाल समाप्ति के बाद गांवों में विकास कार्यों के संचालन के लिए प्रशासकों की नियुक्ति की तैयारी की जा रही है, जो गांव स्तर पर विका कार्यों की गति को प्रभावित कर सकती है। कहा गया कि प्रशासकीय व्यवस्था में कार्यों का क्रियान्वयन उतना प्रभावी नहीं रहता और जनता को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए कार्यकाल विस्तार ही एकमात्र विकल्प है। ज्ञापन में आगामी चुनाव होने तक वर्तमान प्रधानों को ही कार्य करने की अनुमति देने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में मान सिंह, राममूर्ति, अंजुम बानो, रेशम देवी, कामता प्रसाद, श्रीपाल, पूजा देवी, पूनम वर्मा, नंदलाल, छोटेलाल, प्रतिभा गंगवार, द्रोपदी आदि ग्राम प्रधान शामिल रहे।

एफआईआर के बाद कराए बयान, नहीं हुई गिरफ्तारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **दिल्ली की तलाकशुदा महिला से दुष्कर्म करने का मामला**

अमृत विचार : दिल्ली की रहने वाली तलाकशुदा महिला से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में एसपी से हुई शिकायत के बाद पुलिस विवेचना कर रही है। बताते हैं कि पीड़िता के बयान दर्ज किए गए हैं। उसी आधार पर आगे कार्रवाई तय की जाएगी। फिलहाल तीन दिन बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

एसपी के आदेश पर कोतवाली में दिल्ली की रहने वाली तलाकशुदा महिला की ओर से दुष्कर्म, धोखाधड़ी आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। जिसमें पीड़िता ने शहर के रहने वाले राजदीप शर्मा को आरोपी बनाया था। पीड़िता के अनुसार, ढाई साल पहले उसकी आरोपी से मुलाकात गोवा में हुई थी। इसके बाद शादी का झांसा देकर उसने कई बार शारीरिक संबंध बनाए। कई बार जरूरत बताकर रुपये भी लिए गए थे। इसके बाद 24 अप्रैल को आरोपी ने दूसरी जगह शादी कर ली थी। दूसरे दिन जब जानकारी हुई तो पीड़िता पीलीभीत पहुंची और एसपी से शिकायत की थी। पुलिस मामले में विवेचना कर रही है। महिला के बयान दर्ज कराए गए हैं। आरोपी की गिरफ्तारी अभी नहीं हो सकी है। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि विवेचना कराई जा रही है। बयान के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

दबंगों ने मिट्टी डालकर पाट दी नाली

पीलीभीत, अमृत विचार : मिट्टी से पाटकर कुछ लोगों ने नाली बंद कर दी। कई बार शिकायत के बाद टीम पहुंची और तथ्यहीन रिपोर्ट लगाकर कर्तव्यों से इतिश्री कर ली गई। अब डीएम से मामले की शिकायत की गई है।

पूरनपुर के ग्राम बख्तापुर की रहने वाली सुशीला देवी पत्नी मुन्नालाल ने डीएम से की गई शिकायत में बताया कि 27 मार्च की सुबह गांव के ही कुछ लोगों ने सरकारी नाली को मिट्टी डालकर पूर्णतः पाट दिया है। इससे जल निकासी पूर्णतः बाधित हो गई है। ऐसे में जलभराव की समस्या बनी हुई है। इसे लेकर एसडीएम, बीडीओ को प्रार्थना पत्र दिए गए लेकिन नाली को खुलवाने के लिए कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई। 28 मार्च को लेखपाल जांच करने के लिए आए थे और गलत तथ्यहीन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। आठ अप्रैल को एडीओ पंचायत हरिशचंद्र द्वारा निरीक्षण किया गया। मगर उनके द्वारा भी तथ्यहीन रिपोर्ट दी गई। आरोपी धमकी दे रहे हैं। बीमारियों के फैलने का डर सता रहा है। समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

नाली बंद होने से गांव में हो रहा जलभराव। ● अमृत विचार

- **महिला ने डीएम से की शिकायत जलभराव से बीमारी फैलने की जताई आशंका**

विधायक ने चिन्हित जमीन और नर्सरी देखी, दिए निर्देश

पीलीभीत, अमृत विचार : एक दिन पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद की मौजूदगी में एपीडा को टांडा विजेंसी में बनने वाले बासमती निर्यात विकास केंद्र के लिए सात एकड़ जमीन लीज पर हस्तांतरित की गई थी।

दूसरे दिन बुधवार को बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने प्रस्तावित बासमती विकास केंद्र के लिए दी गई भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया। मौके पर मौजूद अधिकारियों को केंद्र को शीघ्र तैयार करने और इससे अधिकतम लाभ किसानों को दिलवाने के लिए कार्ययोजना पर कार्य करने के निर्देश दिए। विधायक के साथ गन्ना राज्यमंत्री के प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल भी थे। उन्होंने कृषि विभाग की हाईटेक नर्सरी का भी मुआयना किया और वहां तैयार किए जा रहे पौधों के बारे में जानकारी की। किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने बलविंदर सिंह बरार की अगुवाई में पहुंचा और प्रोजेक्ट को लेकर केंद्रीय राज्यमंत्री

नर्सरी में पौधे के बारे में जानकारी करते विधायक।

जितिन प्रसाद व स्थानीय विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर महादेव गाइन, महेंद्र राजपूत, जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल सिंह, प्रभारी जिला उद्यान अधिकारी रामेश्वर दयाल गंगवार, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. एसएस ढाका, मनजिंदर सिंह, ललित पटेल, प्रमोद भास्कर, डालचंद्र, हुजूर सिंह, प्रतिपाल सिंह, बलविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

शारदा पार एक क्रय केंद्र, खरीद ठप

- **भाकियू अराजनैतिक ने बिजली बकाया भुगतान समेत कई मांगों पर सौंपा ज्ञापन**

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की पंचायत बुधवार को जिलाध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह की अध्यक्षता में हुई। संचालन ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार वर्मा ने किया। इसमें किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई और फिर डीएम को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार पूरनपुर अभिषेक त्रिपाठी को सौंपा गया।

जिलाध्यक्ष मंजीत सिंह ने कहा कि जिले की समस्त चीनी मिलों द्वारा गन्ना किसानों का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान नहीं किया जा रहा है, जबकि गन्ना एक्ट के अनुसार 14 दिनों में गन्ना किसानों का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान चीनी मिलों को कराना होता है। अन्यथा की स्थिति

पूरनपुर नायब तहसीलदार को ज्ञापन देते भाकियू अराजनैतिक कार्यकर्ता।

में 14 दिनों के बाद भुगतान करने पर ब्याज देने का प्रावधान है। मगर जिले में चीनी मिले गन्ना एक्ट का अनुपालन नहीं कर रही हैं। पेराई सत्र के समाप्त होने के बाद भी भुगतान नहीं हो सका है। वहीं, शारदा पार क्षेत्र में सैकड़ों गांव में जिला प्रशासन ने नाममात्र का एक गेंहूं खरीद केन्द्र स्थापित किया है। वह भी गेहूं की खरीद नहीं कर रहा है। वारदाना की समस्या बताकर खरीद ठप है। क्षेत्र के किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य से वंचित हैं। खाद न मिलने से गन्ने व मक्का की फसलों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। बिजली की कटौती भी बढ़ चुकी है। सुधार न होने पर बिजली घरों पर आन्दोलन की चेतावनी दी। इस मौके पर जिला सचिव बलजीत सिंह चीमा, तेजराम वर्मा, मनोज कुमार, रमाकांत कुशवाहा, बूटा सिंह आदि मौजूद रहे।

माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त

सिर्फ अच्छी पढ़ाई का वायदा

शानदार सफलता के लिए अवश्य प्रवेश लें

शेरवुड हायर सेकेण्डरी स्कूल

कक्षा NC से 8 तक इंग्लिश मीडियम | कक्षा 1 से 10 तक हिन्दी मीडियम

1 अप्रैल से प्रवेश प्रारम्भ

डॉ. नरेन्द्र गंगवार
प्रबन्धक

विशेषताएं :
1. उच्च शिक्षित एवं अनुभवी शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य। 2. छोटे-छोटे बच्चों को लाने तथा ले जाने के लिए वाहन की व्यवस्था 3. सी.सी.टी.वी. कैमरे से मॉनीटरिंग की व्यवस्था 4. सुंदर व हवादार कमरों की उचित व्यवस्था 5. आधुनिक कम्प्यूटर प्रयोगशाला की व्यवस्था 6. स्वच्छ व शांत वातावरण 7. विद्यालय का निजी शानदार भवन 8. प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों को शिक्षा 9 छात्र- छात्राओं के बैठने के लिए बेंचों की सुविधा 10. बोर्ड परीक्षार्थियों को छात्रवृत्ति की सुविधा 11. 100 प्रतिशत विद्यालय में आने पर उपहार में 1 साईकिल 12. सामान्य अध्ययन की भी पढाई कराई जायेगी।

नन्दराम
प्रधानाध्यापक
9761712928

सरकारी अस्पताल के आगे पिपरा रोड बरखेड़ा कलां, पीलीभीत

सम्पर्क सूत्र : 8899163053, 9536121024, 9759723097

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 30 अप्रैल 2026

पीलीभीत

निजी अस्पतालों की खंगाली जाएगी कुंडली, पांच बेड वाले होंगे बाहर

तीन माह की बैंक डिटेल के साथ कर्मचारियों की भी देनी होगी पूरी जानकारी

आयुष्मान योजना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीबों को बेहतर और मुफ्त इलाज देने के उद्देश्य से बनाई गई व्यवस्था पर सवाल उठ गए हैं। सूचीबद्ध अस्पतालों में मानकों से समझौते की शिकायतों के बीच शासन ने सख्त रुख अपनाया है। 10 बेड से कम या अधूरे डाटा वाले अस्पतालों की जांच के आदेश दिए हैं। अब सत्यापन कराया जाएगा।

बता दें कि आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा दी जा रही है। इसी क्रम में जनपद में इस योजना के अंतर्गत 2,13,123 पात्र परिवारों के कुल 9,98,041 लाभार्थी पंजीकृत हैं। मरीजों को इलाज उपलब्ध कराने

सीएमओ कार्यालय का भवन।

- जिले में 22 सूचीबद्ध, कई पांच बेड तक के अस्पताल शामिल

के लिए 29 सरकारी अस्पतालों के साथ करीब 22 निजी अस्पतालों को भी योजना से जोड़ा गया है। जांच में सामने आया है कि कई निजी अस्पताल ऐसे भी हैं, जिनमें 10 से कम बेड हैं या फिर बेड की जानकारी ही पोर्टल पर दर्ज नहीं है। अधिकतर अस्पतालों में नेत्र अस्पताल शामिल हैं। जिन्होंने पांच बेड पर अपना पंजीकरण आयुष्मान योजना में शामिल करा लिया है। आए दिन शिकायतें भी सामने आ रही है। कुछ दिन पूर्व एक हॉस्पिटल की शिकायत सामने आई थी। इसमें आयुष्मान योजना में फर्जीबाड़े का आरोप लगा था। आयुष्मान योजना की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा की ओर से डीएम व सीएमओ को पत्राचार किया है। जिसमें कहा है कि ऐसे सभी अस्पतालों का विस्तृत सत्यापन कराया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि अस्पतालों में आवश्यक अवसंरचना, प्रशिक्षित मानव संसाधन और जरूरी उपकरण उपलब्ध हों, ताकि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। अगर कोई अस्पताल 10 बेड से कम पर योजना में शामिल है, तो उसे डी-पैनल करते हुए संबंधित अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए डेटा संशोधन कर सूची से हटाने की संस्तुति की जाए। इसके लिए दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश

> शासन ने पांच बेड वाले अस्पतालों को डी-पैनल करने के लिए निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे अस्पतालों की जांच कराकर सूचीबद्ध करते हुए रिपोर्ट मांगी है। जिसकी सूची शासन को भेजी जाएगी।
>
> - ज्ञानेंद्र सिंह, डीएम

दिए हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना में सिर्फ वही अस्पताल बने रहेंगे, जो तय मानकों पर खरे उतरेंगे। अब कमेटी बनाकर जांच कराई जा रही है।

वहीं अस्पताल संचालकों को काम करने वाले पैरामेडिकल और अन्य स्टाफ का भी बयौरा देना होगा। एचईएम पोर्टल पर दर्ज स्टाफ का सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे में पंजीकृत डॉक्टर, पैरामेडिकल और अन्य कर्मचारियों के तीन माह के बैंक स्टेटमेंट प्रस्तुत करने होंगे, जिन पर संबंधित बैंक की विधिवत प्रमाणिकता भी अनिवार्य होगी।

गर्मी को देखते हुए पशु पक्षियों को लेकर एडवाइजरी जारी

पीलीभीत, अमृत विचार : इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए पशु पक्षियों को लेकर भी एडवाइजरी जारी की गई है। लू लगने से पशुओं के मुंह से झाग आने लगता है और पशु मुंह खोलकर सांस लेने लगता है। पशु बेहोश भी हो जाता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम हो जाती है।

जारी की गई एडवाइजरी के अनुसार पशुपालक/गौ आश्रय स्थल संचालकों को कुछ सावधानी बरतनी होगी। पालतू पशुओं/गोवंश और पक्षियों को लू के प्रकोप से बचाने की सलाह दी गई है। पशुओं को सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक छायादार स्थान पर आराम करने दें। पशु पक्षियों के लिए समुचित पीने के पानी की व्यवस्था की जाए। ज्वार/चरी के खेतों में सिंचाई तीन से चार दिन के अन्तराल पर की जाए। पशुओं को दिन में बाड़े में ही रखा जाए। पशुओं के लिए ऐसी व्यवस्था की जाये कि सीधे हवा पशुओं के सम्पर्क में न आए। पशुओं को नहलाने के लिए समुचित व्यवस्था हो। बिना किसी वजह से निराश्रित पशु पक्षियों को छायादार स्थानों से न भगाएं।

लू के तेवर बढ़ने पर स्कूलों का बदला समय

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- सुबह 07:30 से 01:30 बजे तक खुलेंगे माध्यमिक विद्यालय, छात्रों की छुट्टी होगी 12:30 बजे
- प्रार्थना, योग व मध्यावकाश का समय तय, स्टाफ को 01:30 बजे तक रहना अनिवार्य

अमृत विचार : भीषण गर्मी और लू के बढ़ते असर ने जनजीवन के साथ अब स्कूली दिनचर्या को भी प्रभावित कर दिया है। बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन ने निर्णय लिया है। डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह ने शिक्षा निदेशक (बेसिक) के निर्देशों के अनुपालन में माध्यमिक विद्यालयों के समय में बदलाव करते हुए सुबह की शिफ्ट लागू कर दी है, जिससे छात्र-छात्राएं तेज धूप और लू के प्रकोप से सुरक्षित रह सकें।

जिले में इन दिनों भीषण गर्मी और हीट वेव का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों का बाहर निकलना मुश्किल कर दिया है। ऐसे में स्कूली बच्चों को राहत देने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह ने माध्यमिक विद्यालयों के संचालन समय में बदलाव के आदेश जारी कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित सभी विद्यालय अब सुबह 07:30 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक संचालित किए जाएंगे। इस दौरान छात्र-छात्राएं सुबह 07:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक विद्यालय में अध्ययन करेंगे, जबकि शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी दोपहर 01:30 बजे तक विद्यालय में रहकर अपने शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों को पूरा करेंगे। नए समय के अनुसार विद्यालय की शुरुआत प्रार्थना सभा और योगाभ्यास से होगी, जो सुबह 07:30 से 07:40 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद नियमित कक्षाएं संचालित होंगी। छात्रों के लिए मध्यावकाश का समय सुबह 10:00 बजे से 10:15 बजे तक निर्धारित किया गया है, ताकि उन्हें बीच में आराम मिल सके। डीएम ने कहा कि यह निर्णय बच्चों को चिलचिलाती धूप और लू के खतरे से बचाने के उद्देश्य से लिया गया है।

मुस्कान, खुशबू और अरमान को किया सम्मानित

मझोला, अमृत विचार : नेहरू इंटर कॉलेज नगर पंचायत गुलड़िया भिंडारा में साइफर जीरो वेस्ट के सहयोग से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रधानाचार्य शोभा वर्मा, अभिनेश कुमार सिंह, अश्विनी गुप्ता आदि शामिल हुए। स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ कला के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। मुस्कान, खुशबु और अरमान क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। उनको सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्य संग पुरस्कृत की गई छात्राएं। ● अमृत विचार

स्टेडियम में 100 फीट का राष्ट्रीय ध्वज कराएं स्थापित

बीसलपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय हनुमान दल के कार्यकर्ताओं ने डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा। इसमें गांधी स्टेडियम में 100 फीट का राष्ट्रीय ध्वज स्थापित करने की मांग की गई। कहा कि नगर ऐतिहासिक धरोहरों से समृद्ध है। यहां रोहेला सरदार हाफिज रहमत खां द्वारा निर्मित जामा मस्जिद, श्रीगौरी शंकर मंदिर, प्राचीन गुरुद्वारा, गोमती उद्गम स्थल, टाइगर रिजर्व एवं चूका स्पॉट जैसे स्थल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। गांधी स्टेडियम खेल प्रेमियों की प्रतिभा को निखारने का केंद्र रहा है। मांग की गई कि गांधी स्टेडियम में सौ फीट ऊंचा तिरंगा स्थापित किया जाए। इस मौके पर अध्यक्ष अमित गुप्ता संरक्षक जगदीश सक्सेना, स्वतंत्र देवल, रामानुज, संतोष मिश्रा, राहुल गजवानी, रवि सक्सेना आदि मौजूद रहे।

डीएम को ज्ञापन देते हनुमान दल कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

जेसीबी से नाले की कराई जा रही खुदाई, शिकायत

बीसलपुर, अमृत विचार : मनरेगा के कार्यों में गोलमाल से जुड़ा एक और मामला सामने आया है। आरोप है कि रात के अंधेरे में मनरेगा श्रमिकों की बजाय जेसीबी से नाले की खुदाई कराई जा रही है। वीडियो बनाकर शिकायत डीएम से की है।

क्षेत्र के ग्राम महादेवा निवासी समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष आफताब आलम ने डीएम से शिकायत कर बताया कि उनके गांव में इकबाल के मकान से बड़े नाले का निर्माण गांव के बाहर तक जाने वाले रास्ते तक मनरेगा से कराया जा रहा है। आरोप है कि शासनादेश के तहत मनरेगा के कार्य केवल मनरेगा श्रमिकों से कराए जाने चाहिए। नाले का निर्माण जिम्मेदारों की मनमानी के चलते रात के अंधेरे में जेसीबी से खुदाई कराकर कराया जा रहा है। साक्ष्य के तौर पर इसका वीडियो भी भेजा है। आरोप लगाया कि नाला निर्माण से पूर्व आहुत की गई खुली बैठक में कोरम पूरा नहीं हुआ था। इस मामले की शिकायत करने जब बीडीओ कार्यालय गए तो सुनने की बजाय बाहर निकलवा दिया। बीडीओ पर मुख्यालय पर न रहने और शाहजहांपुर स्थित आवास से आने-जाने का आरोप लगाया। मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

स्कूलों में ऑनलाइन हाजिरी अनिवार्य

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- यूपीएमएसपी पोर्टल-एप से रोज दर्ज होगी छात्रों और स्टाफ की उपस्थिति

अमृत विचार : माध्यमिक विद्यालयों में उपस्थिति को लेकर बरती जा रही ढिलाई पर अब सख्ती शुरू हो गई है। सभी स्कूलों को छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों की हाजिरी प्रतिदिन ऑनलाइन दर्ज करनी होगी। नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

जिले में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 189 कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इसमें 35 राजकीय, 22 एडेड और 132 वित्तविहीन कॉलेज हैं। इन विद्यालयों में शिक्षकों की मनमानी को रोकने के लिए ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की जा रही है। अब विभाग बच्चों की अनुपस्थिति पर भी नकेल कसने जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने निर्देश जारी कर सभी राजकीय, सहायता प्राप्त और वित्तविहीन विद्यालयों के लिए ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य कर दी है। सत्र 2025-26 में अपेक्षित प्रदर्शन न होने पर परिषद के सचिव ने नाराजगी जताते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को पत्र भेजकर व्यवस्था के कड़ाई से अनुपालन के निर्देश दिए हैं। पत्र में कहा गया कि कई विद्यालय अब तक उपस्थिति दर्ज करने में लापरवाही बरत रहे हैं, जिसे अनुशासनहीनता माना गया है। नई व्यवस्था के तहत विद्यालयों को यूपीएमएसपी पोर्टल और मोबाइल एप के माध्यम से प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज करनी होगी। इसके लिए परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर लॉगिन आईडी के जरिए हाजिरी भरने की सुविधा दी गई है। साथ ही पोर्टल का लिंक और यूजर मैनुअल भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे प्रक्रिया को सरल बनाया जा सके। सुविधा के लिए मोबाइल एप का विकल्प भी दिया गया है, जिससे विद्यालय कहीं से भी उपस्थिति का डाटा अपलोड कर सकेंगे। डीआईओएस राजीव कुमार सिंह ने बताया कि सभी स्कूलों को शत-प्रतिशत उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज करनी होगी। किसी विद्यालय द्वारा उपस्थिति अपडेट नहीं की जाती है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कॉलेज में विद्यार्थियों को अनुशासित बनाने का दिया प्रशिक्षण

बीसलपुर, अमृत विचार : सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्यों का मंडल स्तरीय कार्ययोजना समीक्षा सम्मेलन चल रहा है। दूसरे दिन बुधवार को विद्यार्थियों को संस्कार युक्त शिक्षा देकर अनुशासित बनाने समेत कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। बरेली, आगरा और अलीगढ़ मंडल से आए प्रधानाचार्यों ने विभिन्न सत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता, अनुशासन एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों पर व्यापक चर्चा की। विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री डोमेश्वर शाहू, प्रदेश निरीक्षक यशवीर सिंह एवं संगठन मंत्री हरिशंकर ने मार्गदर्शन प्रदान करते हुए संस्कारयुक्त शिक्षा के साथ तकनीकी नवाचार को अपनाने पर जोर दिया। डॉ. रामसेवक, अशोक शर्मा, ओमप्रकाश ने शिक्षण कार्य में गुणवत्ता, अनुशासन, राष्ट्र भावना एवं संगठनात्मक समन्वय को सुदृढ़ करने की आवश्यकता को जरूरी बताया। प्रदेश संगठन मंत्री डॉ. अनिल गर्ग, प्रबंधक विष्णु कुमार गोयल, प्रधानाचार्य डॉ. रविशरण सिंह चौहान ने शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने संबंधी सुझाव दिए।

प्रशिक्षण में मौजूद प्रधानाचार्य व अन्य। ● अमृत विचार

बिजली की अघोषित कटौती जारी, लोग बेहाल

पीलीभीत, अमृत विचार : गर्मी के बीच बिजली की अघोषित कटौती की समस्या दूर नहीं हो पा रही है। बुधवार को भी कई इलाकों में बिजली की आंखमिचौली बनी रही। सुबह छह बजे से ही दिक्कत शुरू हो गई। मोहल्ला दुर्गाप्रसाद में तारों में आग लग गई। जिसके बाद सप्लाई बंद हो गई। स्थानीय लोगों को बिना बिजली परेशान होना पड़ा। एकता नगर कॉलोनी में भी लो वोल्टेज की दिक्कत रही और बिजली आती-जाती रही। निरंजनकुंज कॉलोनी, चूने वाली गली, आसफजान, लाल रोड समेत कई इलाकों में समस्या बनी रही।

नृत्य दिवस पर हुए रंगारंग कार्यक्रम, झूमे विद्यार्थी

पीलीभीत, अमृत विचार : ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल में अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के अवसर पर बुधवार को रंगारंग कार्यक्रम हुए। इसकी शुरुआत प्रधानाचार्या पूजा छाबड़ा, प्रबंधक देवेन्द्र सिंह छाबड़ा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कराई।

कक्षा तीन से आठ तक के बच्चों ने एकल नृत्य में भाग लिया। प्रतियोगिता दो वर्ग कक्षा तीन से पांच और कक्षा छह से आठ के बीच हुई। भारतीय शास्त्रीय, लोकनृत्य और आधुनिक नृत्य शैलियों में प्रस्तुतियां दीं। संचालन साक्षी गोयल और मीनू ने किया। सब-जूनियर वर्ग में कक्षा तीन के अर्पित, कक्षा पांच की अंशिका प्रथम और सीनियर वर्ग में कक्षा सात की अनिका पांडेय, कक्षा छह की आध्या अग्रवाल प्रथम रही। अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

नृत्य की प्रस्तुति देते बच्चे। ● अमृत विचार

समूह नृत्य में बच्चों ने मचाया धमाल

कार्यक्रम में नृत्य की प्रस्तुति देते बच्चे। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : बेनहर किड्स वर्ल्ड एवं बेनहर गुरुकुल में कक्षा केजी के बच्चों की समूह नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रधानाचार्या करिश्मा सैहमी, नर्सरी इंचार्ज रीना सक्सेना, मोहिनी उपाध्याय, एक्टिविटी इंचार्ज रोशनी बग्गा ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्जवलित करके शुरुआत कराई।

बच्चों ने सामूहिक नृत्य करके सभी का मन मोह लिया। प्रथम स्थान पर केजी ऑरेंज (एकता नगर कैम्पस), द्वितीय स्थान पर केजी ग्रीन (बेनहर रोड कैम्पस) और तृतीय स्थान पर केजी पर्पल (एकता नगर कैम्पस) के बच्चे रहे। संचालन शिक्षिका मनु सक्सेना ने किया। बेहनहर गुरुकुल की इंटर हाउस ग्रुप डांस प्रतियोगिता भी संपन्न हुई। संस्थापिका रंजीत सैहमी, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. परविंदर सिंह सैहमी और प्रधानाचार्या डॉ. निर्मल कौर ने शुरुआत कराई। टनकपुर रोड कैंपस में एथिक्स हाउस के प्रतिभागी प्रथम, इंटीग्रिटी हाउस के प्रतिभागी दूसरे और लीडरशिप हाउस के प्रतिभागी तीसरे स्थान पर रहे। गुरुकुल बेनहर रोड कैंपस में नॉलेज हाउस प्रथम, लीडरशिप हाउस द्वितीय रहा। संचालन शिक्षिका रेनू भट्ट और आयुषी भटनागर ने किया। इस मौके पर शिवम शर्मा, सलोनी गंगवार, गुरसेवक सिंह, आयुषि दीक्षित, जमशीदा, शिखा पांडे, आयुषी अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, जसमीत सेठी, सुनैना, साक्षी सक्सेना आदि मौजूद रहे।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
8077344353 समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

जीवनी बोन एण्ड हैल्थ क्लीनिक
डा. विनय गंगवार
एमबीबीएस (एएमयू), डी. आर्थो (एएमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीफा (स्पोर्टस मेडिसिन)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. आंचल अग्रवाल
एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई)
फीजिशियन
कूल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण, दूरबीन विधि द्वारा (Arthoscopic) घुटने का इलाज (ACL/PCL Tear) गठिया एवं समस्त जोड़ों के दर्द का इलाज, सियाटिका/कमर दर्द का इलाज, फिजियोथेरेपी, प्लास्ट एवं टूटी हड्डी (फ्रैक्चर) के समस्त ऑपरेशन
शुगर एवं ब्लड प्रेशर, खांसी, सांस में दर्द, भूख न लगना, उल्टी एवं दस्त की बीमारी, माइग्रेन का इलाज, पैरों में सूजन, पीलिया/काला पीलिया का इलाज, टीबी, गुर्दे में दिक्कत, कोलेस्ट्रॉल चेकअप, बुखार (डेंगू, टाइफाइड, मलेरिया)
ओपीडी समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक
बंसल इंटीरियर के सामने, 6-ए, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, बरेली मो. 6396640323

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

शहर में आज

- सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बीसलपुर में सम्मेलन सुबह 10 बजे से।
- मिशन शक्ति अभियान के तहत पंपलेट वितरण सुबह 09 बजे से।
- श्रीपंचमुखी हनुमान मंदिर गांधी स्टेडियम रोड पर आरती सुबह 7.30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

अधिवक्ता योगेश राठौर का निधन

पीलीभीत, अमृत विचार : मोहल्ला खकरा निवासी अधिवक्ता योगेश राठौर का बुधवार को निधन हो गया। वह सेंट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष संतराम राठौर के दामाद हैं। उनके निधन पर नगर सभासद वतनदीप मिश्रा, भाजपा नेता एडवोकेट धीरेंद्र मिश्र, ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष अशोक बाजपेई, संतराम राठौर, रामनिवास, छेदालाल राठौर आदि ने आवास पर पहुंचकर परिवार को ढांढस बंधाते हुए शोक व्यक्त किया।

योगेश राठौर।

सड़क हादसे में बाइक सवार घायल

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव नगरा ताल्लुके मूसेपुर निवासी धर्मेंद्र कुमार पुत्र लीलाधर बुधवार दोपहर शाम घर से बाइक से नगरा चौराहा जा रहे थे। चौराहे के करीब पहुंचने पर दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में वह घायल हो गए। उन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया।

युवक के साथ मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम बकैनिया निवासी नन्हीं देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गांव के ही राजू, वीरेंद्र ने पुरानी रंजिश के चलते 24 अप्रैल की शाम साढ़े छह बजे मारपीट की। बीच बचाव कराने पहुंचे पुत्र कौशल को भी पीटा। जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

छुट्टा पशुओं से परेशानी

पीलीभीत, अमृत विचार : शहर से लेकर गांव तक लोग छुट्टा पशुओं से परेशान है। इन पशुओं के कारण आए दिन हादसे हो रहे है। हाईवे के बीच या किनारे इन पशुओं का झुंड बैठ जाता है। रात में अक्सर यह पशु दिखाई नहीं देते और टकराकर बाइक सवार घायल हो जाते है।

किसानों के मुद्दों को लेकर कलेक्ट्रेट में हल्ला बोल

पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा बड़ी संख्या में ग्रामीणों संग पहुंचे, नारेबाजी कर सौंपा ज्ञापन

- **स्मार्ट मीटर, बकाया गन्ना मूल्य भुगतान समेत सात मांगें की शामिल**

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : अवैध तरीके से डीजल भंडारण के आरोप में दर्ज की गई एफआईआर को निरस्त कराने की मांग समेत किसानों की अन्य समस्याओं को लेकर पूर्व मंत्री हेमराज ने कलेक्ट्रेट में हल्ला बोल दिया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों संग पहुंचे। नारेबाजी कर प्रदर्शन किया गया। इसके बाद अपनी मांगों से जुड़ा राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर को सौंपा गया। स्मार्ट मीटर से आ रही दिक्कतों के साथ ही गन्ना मूल्य भुगतान न होने से किसानों की परेशानी का मुद्दा उठाया।

तय कार्यक्रम के तहत पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा बुधवार सुबह जुलूस के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे। उनके साथ बड़ी संख्या में विभिन्न गांवों से आए किसान मजदूर थे। नारेबाजी करते हुए डीएम कार्यालय पहुंचे। वहां सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें बताया कि पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अंडरायन के रहने वाले किसान ललित वर्मा के खिलाफ अमरिया थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन पर अवैध तरीके से डीजल का भंडारण व कालाबाजारी करने का आरोप लगाया है। इस मुकदमे को राजनीतिक दबाव में बताते हुए निराधार एवं तथ्यों के विपरीत करार दिया और निरस्त किए जाने योग्य बताया। किसान के पास से बरामद डीजल को लेकर कहा कि वह तो सिचाई एवं जुताई के लिए रखा था। ये भी कहा कि किसानों को वर्तमान में खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। जिससे ग्रीष्म कालीन फसल प्रभावित है। खाद न मिल पाने के कारण किसान पर फसल बचाने का संकट उत्पन्न हो गया हैं। किसानों को शीघ्र खाद उपलब्ध कराई जाए। जनपद की चीनी मिलों पर किसानों का 253 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य भुगतान बकाया है। इसे भी जल्द दिलवाने की मांग की। वहीं, मौसम की मार के कारण गेहूं की पैदावार कम हुई है। इससे प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलवाया जाए। सरकारी खरीद केंद्रों पर गेहूं की तौल समय पर नहीं हो रही है, जिसके कारण किसान औने-पौने दामों में बिचौलियों को फसल बेचने को मजबूर है। उसकी फसलों का उचित मूल्य दिलवाया जाए। ये भी कहा कि सरकार द्वारा पांच लाख रुपये केसीसी पर छूट दिए जाने की घोषणा वित्तीय वर्ष 2024-25 में की गयी थी मगर 2026 में भी अमल में नही लायी गई है। ऐसे में किसान आर्थिक संकट से गुजर रहा है और उसका जीवन-यापन कठिन हो गया है। जनहित में उक्त मांगों को स्वीकार कर समाधान कराने की मांग की गई है।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते पूर्व राज्यमंत्री हेमराज वर्मा। ● अमृत विचार

पूर्व मंत्री बोले- 250 रुपये की देहाड़ी, कैसे कराएगा मजदूर मीटर रिचार्ज

स्मार्ट मीटर को लेकर जिलेभर में पूर्व में विरोध दर्ज कराया जा चुका है। व्यापार मंडल भी इस मुद्दे को उठा चुके हैं। पूर्व राज्यमंत्री ने भी स्मार्ट मीटर से आ रही परेशानियों को अपनी मांगों में शामिल किया। कहा कि किसान आर्थिक संकट से जूझ रहा है, उस पर बिजली विभाग का स्मार्ट मीटर एक बड़ी समस्या बन चुका हैं। बेतहाशा बिल और लाइट कटने से भीषण गर्मी में जनता और किसान दोनों परेशान हैं। उनका कहना है कि एक श्रमिक 250 रुपये की प्रतिदिन देहाड़ी करता है। वह मोबाइल रिचार्ज कराना मुश्किल हो जाता है, ऐसे में स्मार्ट मीटर का रिचार्ज कैसे कराएगा। स्मार्ट मीटर को तत्काल वापस लिया जाए।

पूर्व मंत्री के साथ जुलूस के रूप में कलेक्ट्रेट जाते ग्रामीण। ● अमृत विचार

गन्ना सर्वे नीति के बारे में विस्तार से दी जानकारी

बरखेड़ा, अमृत विचार : बजाज हिन्दुस्थान चीनी मिल सभागार में बुधवार को गन्ना सर्वेक्षण 2026-27 के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव, चीनी मिल के युनिट हेड जितेन्द्र सिंह जादौन ने अध्यक्षता की।

गन्ना सर्वे नीति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि किसान खेतों में पहुंचकर अपना सर्वेक्षण कराएं। युनिट हेड ने बताया कि एक मई से 30 जून तक जीपीएस से मैट्रिक प्रणाली पर आधारित केवल पौधा गन्ना का सर्वेक्षण किया जाएगा। प्लाटों का केवल भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इस मौके पर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक बरखेड़ा मनोज साहू, सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति बीसलपुर राजेश कुमार, अपर महाप्रबंधक गन्ना प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

जानकारी देते जिला गन्ना अधिकारी।

नेपाली हाथियों के झुंड ने दी दस्तक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **आबादी की ओर बढ़ता देख ग्रामीणों ने पटाखा दागकर ट्रैक्टरों की मदद से खदेड़ा**
- **बराही रेंज की टीम पहुंची, पगमार्क ट्रेस के साथ ग्रामीणों से की सतर्क रहने की अपील**

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे गांवों में जंगली हाथियों की आमद ने एक बार फिर ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ा दी। मंगलवार रात नेपाल की ओर से आए करीब आधा दर्जन हाथियों का झुंड सिमरा ताल्लुके महाराजपुर गांव की सीमा तक पहुंच गया। खेतों में हाथियों की चहलकदमी देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने एकजुट होकर पटाखे दागकर और ट्रैक्टरों की मदद से हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ दिया। सूचना पर पहुंची बराही रेंज की टीम ने हाथियों की निगरानी शुरू कर दी है।

जनपद में पिछले कुछ समय से जंगली हाथियों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार देर रात बराही रेंज से सटे सिमरा ताल्लुके महाराजपुर में उस समय अफरातफरी मच गई, जब नेपाल की ओर से आए हाथियों का झुंड खेतों तक जा पहुंचा। जंगली हाथियों की आहट मिलते ही तमाम ग्रामीण लाठी-डंडे और टॉर्च लेकर घरों से बाहर निकल आए। हाथियों को गांव की ओर बढ़ता देख ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। काफी देर तक मशक्कत करने के बाद हाथियों का झुंड बढ़ता ही रहा। इस पर ग्रामीणों ने पटाखे दागकर और ट्रैक्टरों के मदद से हाथियों को खदेड़ना शुरू किया, तब कहीं जाकर हाथी वापस जंगल की गए। गनीमत रही कि इस दौरान हाथियों ने किसी घर या व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले तीन दिनों से इलाके में हाथियों की आवाजाही बनी हुई है। इधर सूचना मिलते ही बराही रेंज की टीम ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया और पगमार्क ट्रेस किए। टीम ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी।

> नेपाली हाथियों के गांव के नजदीक आने की सूचना मिली थी। टीम के साथ मौके पर जाकर मुआयना किया गया है। हाथियों का झुंड वापस जंगल की ओर चला गया है। वन कर्मियों को गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं और ग्रामीणों को भी हिदायत दी गई है कि वे रात के समय अकेले खेतों की ओर न जाएं।
>
> **- अरुण मोहन श्रीवास्तव**, क्षेत्रीय वनाधिकारी, बराही रेंज

आरसीए टीम ने परखीं व्यवस्थाएं, नालों की स्थिति भी जानी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **जल निकासी और बाढ़ प्रबंधक के लिए पहुंची टीम, डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक**

अमृत विचार : डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जल निकासी और बाढ़ प्रबन्धन के लिए रिवर सिटीज एलायंस की टीम के साथ बैठक की गई। टीम द्वारा बाढ़ प्रबन्धन के लिए नगर का सर्वेक्षण भी किया गया।

नगर क्षेत्र में जल निकासी एवं बाढ़ प्रबन्धन के लिए सर्वेक्षण एवं अध्ययन करने के लिए राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान से आई रिवर सिटीज एलायंस (आरसीए) की टीम के साथ हुई बैठक में अधिशासी अभियन्ता शारदा सागर खंड, सिंचाई बाढ़ खंड/सहायक वास्तुविद नियोजक, नगर एवं ग्राम नियोजक विभाग बरेली, नगर पालिका पीलीभीत के साथ विस्तृत चर्चा की गई। टीम को नगर पालिका क्षेत्र के नालों की संख्या और क्षमता के बारे में अवगत कराया गया। नालों से सम्बन्धित मानचित्र एवं ड्रोन वीडियो के माध्यम से बाढ़ के दौरान शहर की वास्तविक स्थिति दिखाई। टीम द्वारा एसटीपी एवं सीवर लाइन सहित अन्य बिन्दुओं पर जानकारी प्राप्त की गई। नालों एवं नदियों की वर्तमान स्थिति को मानचित्र के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिससे जल प्रवाह की दिशा अवरोधित स्थानों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों की स्पष्ट पहचान हो सके। लवलेश शर्मा ने आश्वासन दिया कि आरसीए सचिवालय इस अवलोकन दौरे के बाद एक परसेप्शन रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा, जिसके आधार पर पीलीभीत के ड्रेनेज प्रबंधन के लिए भविष्य में किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स और योजनाओं की जानकारी मिलेगी। इस मौके पर एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह, सर्वेक्षण टीम के नेशनल प्रोग्राम लीड आरसीए लवलेश शर्मा, सीनियर प्रोग्राम एसोसिएट डॉ. मौमिता कर्माकर, अर्बन डेवलमेंट स्पेशलिस्ट विभूषित सक्सेना आदि मौजूद रहे।

गांधी सभागार में हुई बैठक में मौजूद डीएम समेत अन्य अधिकारी व टीम के सदस्य।

पत्नी की हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : मिर्जापुर क्षेत्र के भौती गांव में पत्नी सोमवती की फावड़े से हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी पति क्षत्रपाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बेटी ममता की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी की ओर से आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई थी, जिसने कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया।

ममता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार दोपहर उसकी मां सोमवती घर में जमीन पर चादर बिछाकर सो रही थी, तभी पिता क्षत्रपाल ने फावड़े से प्रहार कर गला काटकर मां की हत्या कर दी। उसने बताया कि पिता का मां से अक्सर विवाद होता था और घटना वाले दिन सुबह भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। पिता को मां पर शक था, जिसे लेकर आए दिन तनाव बना रहता था। पुलिस टीम ने कलान रोड से आरोपी क्षत्रपाल को गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त फावड़ा बरामद कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि घरेलू विवाद के चलते वह आक्रोशित हो गया और उसने पत्नी की गर्दन काटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी का चालान कर उसे जेल भेज दिया है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सोनी शुक्ला, उप निरीक्षक रामपाल सिंह, यशपाल सिंह सहित पुलिस टीम शामिल रही।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

युवक ने पेड़ पर रस्सी का फंदा डालकर की आत्महत्या

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जलालाबाद क्षेत्र के मोहल्ला शास्त्रीनगर निवासी नितिन (35) ने मंगलवार की रात नौ बजे खाना खाया और कमरे में सोने चला गया। वह रात में किसी समय उठा और घर से निकल गया। बुधवार की सुबह सात बजे लोगों ने मकान के पीछे स्थित छत पर एक पेड़ से रस्सी से उसका शव लटका देखा। इस दौरान लोगों की भीड़ लग गयी। ब्रज मोहन मकान के पीछे गए और देखा कि उसके बेटे नितिन का शव लटका है। उन्होंने थाना पर सूचना दी।

प्रभारी निरीक्षक फोर्स के साथ पहुंचे और उसका शव नीचे उतार लिया। ब्रज मोहन पुलिस को बताया कि बरेली रोड पर उनकी पान की दुकान थी और परिवार का पालन पोषण करते थे। बीमार हो जाने के कारण उन्होंने दुकान बंद कर दी थी। परिवार वालों का कोई आरोप नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

खपरैल गिरी, मलबे में दबकर तीन घायल

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार : मुड़िया कुंडरी गांव में एक ग्रामीण की खपरैल अचानक गिर गई। मलबे में दबकर तीन लोग घायल हो गए। शोर पर आसपास के लोग जमा हुए और घायलों को मलबे से निकालकर अस्पताल भिजवाया गया।

हादसा बुधवार सुबह हुआ। गांव मुड़िया कुंडरी के रहने वाले सुरेश चंद्र पुत्र भगवान दास खेती करते हैं। उनके दो पुत्र संजीव कुमार व राजीव कुमार हैं। बड़ा पुत्र संजीव कुमार बाहर काम करने गया है, जबकि उसकी पत्नी द्रोपती देवी घर पर रह रही है। छोटा पुत्र राजीव कुमार भी अपनी पत्नी के साथ बाहर काम करने गया है। ग्रामीण के अनुसार, उसके बड़े भाई बिहारी लाल व दूसरे भाई भीमसेन जनपद बरेली के थाना क्योलड़िया के गांव कुंवरपुर में रहते हैं। बुधवार को बिहारी लाल गांव आए थे। खपरैल के पास परिवार वाले बैठे हुएथे। इसी बीच अचनक खपरैल गिर गई। जिसमें गांव के जगदीश पुत्र नत्थूलाल, पुत्रवधू द्रोपती देवी पत्नी संजीव कुमार और बिहारी लाल दब गए। शोर पर लोग जमा हुए और घायलों को सीएचसी लाए। इलाज के बाद सभी को घर भेज दिया गया।

खपरैल गिरने के बाद पड़ा मलबा। ● अमृत विचार

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road, Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited for Admission to Ph.D. Programmes July 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Dental Sciences (All Specialities)
- Faculty of Management

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th May, 2026

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

मोती की खेती | पहले चरण में 526 गज के तालाब में सरैंदा पट्टी के वीरपाल से हुई शुरुआत

आत्मनिर्भरता की इबारत लिख रहे तराई के किसान

सौरभ सिंह, पीलीभीत

- **दूसरे चरण में न्यूरिया के छह और किसान जुड़े, पिछले साल संगोष्ठी से मिला हुनर**
- **10 हजार सीपों से तैयार होगा उत्पादन, प्रदेशभर में सप्लाई की तैयारी**

अमृत विचार : इरादे मजबूत हों, तो सीमित जमीन भी सोना उगल सकती है। इन पक्तियों को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के तहत मिले प्रशिक्षण और प्रशासन के सहयोग के बाद तराई के किसानों ने साबित कर दिखाया है। छोटे से गांव, सीमित संसाधन और पारंपरिक खेती की बंदिशों से निकलकर वीरपाल से जिले में मोती की खेती की शुरुआत हुई। जिसके बाद दूसरे चरण में न्यूरिया हुसैनपुर के छह अन्य किसान भी मोती की खेती को अपना चुके हैं। मोती की खेती अब आय का मजबूत जरिया बनने जा रही है।

अमरिया ब्लॉक के गांव मिलक सरैंदा पट्टी निवासी वीरपाल जिले में मोती की खेती करने वाले पहले किसान हैं। वह सीमित संसाधनों के बावजूद नई तकनीक अपनाकर न केवल अपनी आय का रास्ता बदल रहे हैं, बल्कि अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गए हैं। करीब 15 वर्षों से पारंपरिक खेती कर रहे वीरपाल को पिछले वर्ष कृषि विभाग की एक संगोष्ठी ने नई दिशा दी। इस दौरान बाहर से आई कंपनी मणि एग्रो हब लखनऊ के विशेषज्ञों ने उन्हें मोती की खेती की बारीकियां समझाईं। यहीं से इस नई खेती की शुरुआत कर दी। वीरपाल ने एमए तक पढ़ाई की है। उन्होंने अपने तालाब में करीब 10 हजार सीप डाले हैं, जिनकी वह बच्चों की तरह देखभाल कर रहे हैं। एक सीप से दो मोती निकलेंगे। कंपनी द्वारा सीप की कीमत 62 रुपये तय की गई है, जबकि तैयार मोती को करीब 200 रुपये या उससे अधिक मूल्य पर वापस खरीदा जाएगा। बाजार में इन मोतियों की कीमत गुणवत्ता के अनुसार हजारों रुपये तक पहुंचती है। वीरपाल ने बताया कि 20 मीटर चौड़े और 22 मीटर लंबे तालाब में यह पूरी प्रक्रिया की जा रही है, जिसमें पानी का तापमान और गहराई बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। मोती तैयार होने में 12 से 18 माह का समय लगता है। इस दौरान नियमित देखभाल ही सफलता की कुंजी होती है। वीरपाल का मानना है कि एक बार मेहनत के बाद यह खेती किसानों के लिए स्थायी आय का मजबूत साधन बन सकती है। उन्होंने बताया कि 10 हजार सीप के लिए उनका खर्चा 6.20 लाख और कुल मिलाकर साढ़े छह लाख खर्च आया। यही मोती तैयार होने के बाद 13.80 लाख का मुनाफा देंगे।

अमरिया ब्लॉक के मिलक सरैंदा पट्टी में इस तरह तालाब में की जा रही है मोती की खेती।

किसान वीरपाल।

दूसरे चरण में न्यूरिया हुसैनपुर के छह किसान जुड़े : बता दें कि प्रथम चरण में ग्राम सरैंदा पट्टी में वीरपाल के तालाब में मोती की खेती शुरू हुई थी। इसके बाद राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के तहत कराई जा रही मोती की खेती के द्वितीय चरण में न्यूरिया हुसैनपुर के छह किसान परमिला मिस्त्री, चमेली वाछड़, नीलिमा अग्रवाल, कश्मीर कौर, कॉन्डेड जूलियन, मसूद हसन खान को खेती शुरू कराई गई। पूरे प्रोजेक्ट को लगाने एवं निर्देशित करने का कार्य निर्देशक मणि एग्रो हब लखनऊ ने किया था।

इस तरह तैयार होता है तालाब में मोती

मोती की खेती देखने में जितनी आकर्षक लगती है, उसकी प्रक्रिया उतनी ही वैज्ञानिक और सावधानीपूर्ण होती है। इसकी शुरुआत उपयुक्त स्थान और स्वच्छ पानी वाले तालाब के चयन से होती है, जिसकी गहराई सामान्यत 6 से 8 फिट और पानी का पीएच स्तर 7 से 8.5 के बीच रखा जाता है। इसके बाद 5 से 6 इंच लंबी स्वस्थ सीपियों का चयन कर उन्हें 1-2 दिन तक सादे पानी में रखकर ऑपरेशन के लिए तैयार किया जाता है। सबसे अहम चरण ग्राफ्टिंग का होता है, जिसमें सीप के भीतर हल्का चीरा लगाकर उसमें 2-4 मिमी का न्यूक्लियस (बीड) और एक अन्य सीप का टिश्यू डाला जाता है। सर्जरी के बाद सीपों को 10 से 15 घंटे तक विशेष देखभाल में रखा जाता है, ताकि वे सामान्य स्थिति में आ सकें। इसके बाद इन्हें जालों में रखकर तालाब में निश्चित गहराई पर लटका दिया जाता है। पूरे पालन के दौरान सीपों की नियमित सफाई, तालाब में प्राकृतिक भोजन (प्लवक) की उपलब्धता और मृत सीपों को हटाना जरूरी होता है। करीब 15 से 18 महीने बाद सीप को खोलकर मोती निकाला जाता है। सही देखभाल और तकनीक के साथ इस प्रक्रिया में 80 से 90 प्रतिशत तक सफलता हासिल की जा सकती है, जो इसे किसानों के लिए लाभकारी विकल्प बनाती है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 30 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

बाइक मांगने पर विवाद में मां-बेटे को पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना निघासन के गांव मदनापुर फार्म निवासी जग्गा सिंह ने बताया कि रात करीब 8 बजे वह दवा लेने जाने के लिए बाइक मांगने गए थे। इसी बात पर सर्वजीत सिंह और कश्मीर सिंह ने गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि विरोध करने पर दोनों ने लाठी-डंडों से मारपीट की। शोर सुनकर बचाने आई मां मनजीत कौर को भी पीट दिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी उसका 30,000 भी वापस नहीं कर रहे हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया है।

नेपाल सीमा पर स्मैक सहित युवक गिरफ्तार

पलिया कलां, अमृत विचार : नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी व चंदन चौकी पुलिस ने सीमा स्तंभ संख्या 735/02 के निकट सौनहा घाट से करीब आधा किलोमीटर अंदर भारतीय सीमा में थारू ग्राम बंदर भरारी, निवासी रवि कुमार को रोककर तलाशी ली तो उसके पास से 4 .66 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी का चालान भेजा है।

तमंचा-कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

भीरा, अमृत विचार : एसओ रोहित दुबे ने बताया कि वह एसआई अवनीश के साथ क्षेत्र में फरार अपराधियों की तलाश में थे। गोरिया रामालक्षना चौराहे पर एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। शक होने पर पुलिस ने घेरकर उसे पकड़ लिया। तलाशी ली तो उसके पास एक तमंचा व एक कारतूस बरामद हुआ। पकड़ा गया आरोपी राकेश गांव ढकिया कला का निवासी है। पुलिस ने उसका चालान भेजा है।

गो आश्रय स्थल पर चाक-चौबंद व्यवस्था के निर्देश

कड़ी धूप में डीएम ने किया निरीक्षण, गोशाला में अतिरिक्त शेड निर्माण कराने के भी दिए निर्देश, लापरवाही पर दी चेतावनी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कड़ी धूप के बीच बुधवार को ब्लॉक नकहा स्थित वृहद गो आश्रय स्थल भानपुर का डीएम अंजनी कुमार सिंह ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने गोवंश संरक्षण से जुड़ी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा करते हुए हर पहलू को बारीकी से परखा और स्पष्ट निर्देश दिए कि गो संरक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने गो आश्रय स्थल में संरक्षित निराश्रित गोवंश की स्थिति, भूसा संग्रहण, खान-पान एवं समग्र प्रबंधन की जानकारी ली। उन्होंने गोवंश की संख्या को देखते हुए अतिरिक्त शेड निर्माण के निर्देश देते हुए व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। डीएम ने स्पष्ट कहा कि गोवंश के भोजन, स्वास्थ्य और नियमित चिकित्सा परीक्षण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने मौके पर पंजिकाओं का भी अवलोकन किया और अभिलेखों के अद्यतन व पारदर्शी रखरखाव के निर्देश दिए। उन्होंने बीडीओ और पशु चिकित्सा अधिकारी को आपसी समन्वय बनाकर गो आश्रय स्थल को आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि शासन की मंशानुरूप गोवंश संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही डीएम ने गौशाला परिसर के निकट चारागाह भूमि पर नेपियर घास उत्पादन की प्रगति का भी जायजा लिया और इसे और अधिक प्रभावी ढंग से बढ़ाने पर जोर दिया।

निरीक्षण में भूसे का पर्याप्त भंडारण मिला, लेकिन खुले में रखे जाने पर डीएम अंजनी कुमार सिंह ने नाराजगी जताई। निर्देश दिए कि बारिश से नुकसान की आशंका को देखते हुए भूसे का तत्काल सुरक्षित व व्यवस्थित भंडारण सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान बीडीओ संगीता यादव, पशु चिकित्सा अधिकारी नकहा मौजूद रहे।

गो आश्रय स्थल पर व्यवस्थाओं का जायजा लेते डीएम अंजनी कुमार सिंह। ● अमृत विचार

● बीडीओ और पशु चिकित्सा अधिकारी को गो आश्रय स्थल को आदर्श मॉडल बनाने को कहा

बच्चे स्कूल नहीं आ रहे तो उनके घर जाकर पता करें

लखीमपुर खीरी। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा के दौरान मंगलवार की देर शाम डीएम अंजनी कुमार सिंह ने जरूरी निर्देश दिए। बैठक का संचालन सीडीओ अभिषेक कुमार ने किया। डीएम ने कहा कि विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता, मिड-डे-मील सहित अन्य व्यवस्थाओं का भी जायज़ा लें। सभी बीईओ पंजीकृत छात्रों की शतप्रतिशत उपस्थिति के साथ इस बात को भी सुनिश्चित करें कि सभी छात्र प्रापर ड्रेस, जूता, मोज़ा व स्वेटर पहन कर विद्यालयों में आएं। उन्होंने दो टूक कहा कि विद्यालयों की शैक्षिक और भौतिक गुणवत्ता में किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा, और लापरवाही मिलने पर जवाबदेही तय होगी। बैठक में बीएसए प्रवीण तिवारी ने कहा कि आज की बैठक में जो भी निर्देश दिए गए हैं उनका उनके स्तर से या उनकी टीम द्वारा पूर्णतया अनुपालन किया जाएगा। बैठक में सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता, डाइट प्राचार्य सीमा शुक्ला, सभी खंड शिक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने बच्चों को 29 का वर्गमूल समझाया

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: ब्लॉक नकहा क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पनगीकला में बुधवार को उस समय पढ़ाई का माहौल बदल गया] जब डीएम अंजनी कुमार सिंह औचक निरीक्षण पर पहुंच गए। डीएम ने न सिर्फ व्यवस्थाओं की पड़ताल की, बल्कि कक्षाओं में पहुंचकर छात्राओं के शैक्षिक स्तर की भी बारीकी से समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान डीएम कक्षा छह में पहुंचे और बालिकाओं से संवाद किया। विज्ञान विषय के अंतर्गत हमारे प्राकृतिक संसाधन पाठ के दौरान उन्होंने छात्राओं से प्रश्न पूछे। सन्नी और नेहा ने पर्यावरण की परिभाषा सहित प्रश्नों के सटीक उत्तर देकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। डीएम ने उनकी सराहना करते हुए उत्साहवर्धन किया। इसी क्रम में डीएम ने कक्षा में ही परिमेय संख्याओं का कॉन्सेप्ट समझाते हुए बच्चों को सरल तरीके से गणित के मूल सिद्धांतों से अवगत कराया। बच्चों ने भी पूरे मनोयोग से पाठ को समझा। इसके बाद डीएम कक्षा 10 में पहुंचे और छात्राओं के अधिगम स्तर का आकलन किया। उन्होंने 25 के बाद 29 का वर्गमूल पूछा, जिस पर कुछ छात्राएं उत्तर देने में असमर्थ रहीं। डीएम ने स्वयं बोर्ड पर विधिवत हल करते हुए वर्गमूल निकालने की प्रक्रिया समझाई और बच्चों को सरल तकनीक से परिचित कराया।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने कहा कि बुनियादी गणित और विज्ञान की समझ मजबूत होना आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को निरंतर अभ्यास और मन लगाकर अध्ययन करने की सलाह दी और ऑल द बेस्ट कहकर उनका उत्साह बढ़ाया। डीएम ने विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं, पठन-पाठन व्यवस्था और बालिकाओं को दी जा रही सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार और व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। इस दौरान बीएसए प्रवीण तिवारी सहित विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

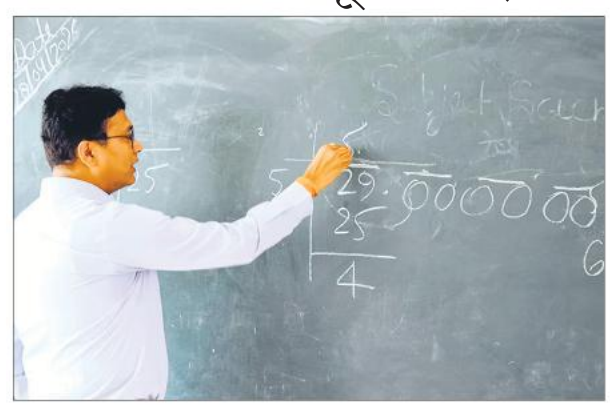

श्यामपट पर चॉक से वर्गमूल समझाते डीएम अंजनी कुमार सिंह। ● अमृत विचार

कक्षा में छात्रा से सवाल पूछते डीएम। ● अमृत विचार

● बोर्ड पर खुद हल करके किया मोटिवेट

चीनी मिल में हुआ संयुक्त गन्ना सर्वे का प्रशिक्षण

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: बजाज चीनी मिल एवं गन्ना विकास परिषद के गन्ना पर्यवेक्षकों के संयुक्त सर्वे प्रशिक्षण में कर्मचारियों को जीपीएस से सर्वे की बारीकियां समझायी गईं। चीनी मिल सभागार में हुए प्रशिक्षण में बताया कि गन्ना सर्वे कार्य 1 मई से 30 जून तक जीपीएस से मैट्रिक प्रणाली पर आधारित केवल पौधा गन्ना का सर्वेक्षण किया जाएगा। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक आशुतोष मधुकर ने गन्ना सुपरवाइजरों को सर्वे सट्टा नीति के बारे में जानकारी दी। सैंपल सर्वे गांवों का सर्वे ध्यान पूर्वक करें। प्रोग्राम के अनुसार सर्वे करें, रकबा अनबॉउंडेड में सर्वे न करें। चीनी मिल के वरिष्ठ महा प्रबंधक गन्ना पीएस चतुर्वेदी ने बताया कि सर्वे के लिए गांव में प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि सभी कृषकों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके। कर्मचारी पूरी तन्मयता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि न हो। गन्ना पर्यवेक्षकों को बताया गया कि अपने-अपने क्षेत्र के किसानों से संपर्क कर गन्ना रकबा संबंधी घोषणा पत्र आनलाइन भरवा दें, जिससे सीजन के दौरान सट्टा संचालित होने में असुविधा न हो। कृषकों के मोबाइल नंबर भी अपडेट कर लें ताकि कृषकों को उनके सट्टा, गन्ना रकबा व पर्ची के एसएमएस प्राप्त होने में असुविधा न हो। गन्ना विकास समिति के सचिव बलवंत चौधरी ने बताया कि सर्वे नीति का अक्षरसः पालन करें। प्रशिक्षण में यूनिट हेड राकेश यादव, गन्ना प्रबंधक, गन्ना पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

शॉर्ट सर्किट से दुकान में लगी आग

संवाददाता, मझगई

अमृत विचार: निघासन कोतवाली क्षेत्र के खैरहनी गांव में मंगलवार की रात शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने एक परचून की दुकान को चंद मिनटों में राख कर दिया। हादसे में लाखों रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया, जिससे पीड़ित परिवार पर आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

गांव खैरहनी निवासी अरविंद कुमार गुप्ता की दुकान में मंगलवार रात करीब ढाई बजे अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और दुकान को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। आग में दुकान में रखा राशन, अन्य सामान, करीब दो हजार रुपये की नकदी, इनवर्टर और बैटरी सहित पूरा सामान जलकर राख हो गया।

● गांव खैरहनी में लाखों का सामान जलकर राख

घटना के समय अरविंद अपनी पत्नी के साथ जसनगर स्थित ससुराल गए हुए थे।

घर पर मौजूद बच्चों ने फोन कर आग लगने की जानकारी दी। सूचना मिलते ही वे तुरंत घर पहुंचे, लेकिन तब तक सब कुछ जल चुका था।

पीड़ित अरविंद ने बताया कि उनका पूरा परिवार इसी दुकान पर निर्भर था। दुकान से होने वाली आय से ही घर का खर्च और बच्चों की पढ़ाई चलती थी। अब आग के बाद परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

दुकान में जला पड़ा सामान। ● अमृत विचार

छह के खिलाफ की गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: पुलिस ने गोवंशीय पशुओं के वध, मांस बिक्री में संलिप्त छह के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। कोतवाल अंबर सिंह ने बताया कि 29 अप्रैल को छह आरोपियों को पकड़ा गया। अंसार, मुख्तार अली, जाकिर अली, असफाक अली, मोनू उर्फ मोनिस, बाबू निवासी गांव ताजपुर गैंग के सदस्य के साथ आर्थिक एवं भौतिक लाभ के लिए गैंग बनाकर गोवंशीय पशुओं का वध कर मांस बिक्री कर जघन्य अपराध करने के आदी व अभ्यस्त अपराधी है। आरोपियों की आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम 1986 के तहत यूपी गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही की गई।

सेतु निर्माण का विधायक ने किया भूमि पूजन

संवाददाता, पलिया

अमृत विचार: पलिया विधानसभा क्षेत्र के चंबरबोझ (मकनपुर) में सुहेली नदी पर बनने वाले बहुप्रतीक्षित पुल का विधिवत भूमि पूजन कर विधायक रोमी साहनी ने निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। करीब 24.35 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह सेतु क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

स्थानीय ग्रामीण लंबे समय से सुहेली नदी पर पुल निर्माण की मांग कर रहे थे। बरसात के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता था, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब इस सेतु के निर्माण से इस समस्या का स्थायी समाधान मिलेगा। पुल बनने के बाद क्षेत्र के कई गांवों का सीधा संपर्क मुख्य मार्गों से जुड़ जाएगा। इससे लोगों को नाव या लंबा रास्ता तय करने की मजबूरी से छुटकारा मिलेगा और यात्रा अधिक सुरक्षित व आसान हो जाएगी।

● सुहेली नदी पर 24.35 करोड़ से बनेगा पुल किसानों व हजारों ग्रामीणों को मिलेगा लाभ

सेतु बनने से किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सहूलियत होगी। अब उन्हें खराब रास्तों या नदी पार करने के जोखिम का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे समय और लागत दोनों की बचत होगी। बरसात के समय स्कूली बच्चों को स्कूल पहुंचने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कई बार पानी ज्यादा होने पर बच्चों को पढ़ाई छोड़नी पड़ती थी। पुल बनने के बाद बच्चों को सुरक्षित और आसान रास्ता मिलेगा, जिससे उनकी पढ़ाई नियमित रूप से जारी रह सकेगी।

विधायक रोमी साहनी ने कहा कि यह पुल केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास का आधार है। इससे व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवागमन सभी क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव आएगा। उन्होंने निर्माण कार्य को तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य कराया जाएगा। इस दौरान अभिनव मिश्रा, रिंटू शर्मा, धनेंद्र शुक्ला, टिंकल शर्मा सहित क्षेत्र के तमाम ग्राम प्रधान, भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

चंबरबोझ में सुहेली सेतु निर्माण के लिए भूमि पूजन करते विधायक रोमी साहनी।

गंगाबेहड़ में दुर्गा माता की मूर्ति का अनावरण

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: ग्राम पंचायत गंगाबेहड़ में दुर्गा माता की मूर्ति का अनावरण कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। शाम करीब पांच बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दुर्गा माता की मूर्ति का विधिवत अनावरण किया गया, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मूर्ति को गुलरीपुरवा, सिंगाही, निघासन और दुबहा क्षेत्र के मंदिरों में भ्रमण कराने के बाद पुनः गंगाबेहड़ मंदिर में स्थापित किया गया। पूरे गांव में आयोजन को लेकर उत्सव जैसा माहौल रहा। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के तहत गुरुवार को गांव के सभी लोगों के लिए भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस दौरान राम लखन, अनूप अवस्थी, संदीप अवस्थी, शिवकुमार, श्याम प्रकाश अवस्थी, राजेंद्र राज सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

अनावरण के बाद मां दुर्गा माता की मूर्ति।

● श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ कार्यक्रम

जंगल से भटक कर दौलतपुर गांव पहुंचा हिरण

बांकेगंज, अमृत विचार: जंगल से भटक कर दौलतपुर गांव के एक घर में हिरण घुस आया, जिसे वन विभाग के कर्मचारियों ने रेस्क्यू कर जंगल में ले जाकर छोड़ दिया है। मंगलवार देर शाम हिरण जंगल से भटककर बांकेगंज के दौलतपुर गांव में आ गया। ग्रामीण उसे भागने के लिए शोर मचाने लगे। ग्रामीणों को देखकर हिरण रामसहाय के घर में एक कमरे में घुस गया। ग्रामीणों ने कमरे को बाहर से बंद कर दिया ताकि वह सुरक्षित रह सके और वन विभाग को इसकी सूचना दी। मैलानी रेंज की महुरेना बीट के फॉरेस्टर सागर कुशवाहा सहित वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की मदद से हिरण का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया। हिरण देखने वाले लोगों का तांता लगा रहा।

डीएम ने छोटी काशी कॉरिडोर के निर्माण की परखी रफ्तार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ शिव मंदिर कॉरिडोर को लेकर प्रशासन एक्शन मोड में है। बुधवार शाम डीएम अंजनी कुमार सिंह ने अफसरों के साथ छोटी काशी पहुंचे और निर्माण कार्यों की हकीकत परखी। उन्होंने दू टूक कहा कि आस्था से जुड़े इस प्रोजेक्ट में ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी।

डीएम ने कॉरिडोर से जुड़े विभिन्न कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। कहा कि यह प्रोजेक्ट सीधे जनआस्था से जुड़ा है, इसलिए श्रद्धालुओं की सुविधाएं सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखी जाएं। अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि कॉरिडोर तैयार होने के बाद गोला गोकर्णनाथ आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर और सुगम व्यवस्था मिलनी चाहिए। उन्होंने कार्यस्थल पर मौजूद अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट भी ली और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण से पहले डीएम अंजनी कुमार सिंह शिव मंदिर पहुंचे। उन्होंने पूरे विधि-विधान, मंत्रोच्चार और श्रद्धा के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। उन्होंने बाबा भोलेनाथ के समक्ष जनपद की सुख-समृद्धि, शांति और निरंतर विकास की कामना की। मंदिर परिसर में कुछ समय रुक कर उन्होंने व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया।

शिव मंदिर कॉरिडोर का निरीक्षण करते डीएम अंजनी कुमार सिंह। ● अमृत विचार

● शिव मंदिर में पूजन कर मांगा जनपद की समृद्धि का आशीर्वाद

रोडवेज बस की टक्कर से बिजली पोल क्षतिग्रस्त

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: बुधवार सुबह रोडवेज बस की टक्कर से क्षतिग्रस्त हुए बिजली के पोल, लाइन बाधित होने पर विद्युत विभाग के अवर अभियंता ने पुलिस में तहरीर देकर बस के अज्ञात चालक के खिलाफ जुर्माना लगाए जाने, वैधानिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

अवर अभियंता धर्मेंद्र सिंह ने पुलिस में तहरीर देकर कहा है कि लखीमपुर गोला मार्ग पर रोडवेज बस के अज्ञात चालक ने रजागंज में विद्युत पोल में टक्कर मार दी, जिससे 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र गोला टाउन के 11 केवी पोषक अलीगंज पर ट्रिपिंग आई, जिससे 33 केवी की लाइन ट्रिप हो गई। लाइन पर ट्रिपिंग आने के कारण पैट्रोलिंग कराए जाने पर पता चला कि गांव रजागंज में गोला डिपो की रोडवेज बस नं यूपी 31 टी/8055 ने बुधवार 29 अप्रैल की सुबह 4.40 बजे एलटी लाइन में लगे एसटीपी एवं पीसीसी पोल में टक्कर मार कर विद्युत लाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया।

लोगों ने बताया कि बस यात्रियों से भरी थी। गनीमत रही की फीडर ट्रिप हो गया अन्यथा बड़ी दुर्घटना घट सकती थी। विद्युत विभाग को 99362 रूपए की वित्तीय क्षति हुई एवं लाइन क्षतिग्रस्त होने से विद्युत आपूर्ति भी बाधित हुई। अवर अभियंता धर्मेंद्र सिंह ने पुलिस में तहरीर देकर बस के अज्ञात चालक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

● जेई ने बस के अज्ञात चालक के खिलाफ पुलिस में दी तहरीर

युवराजदत्त महाविद्यालय में सम सेमेस्टर की परीक्षाएं जारी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: युवराजदत्त महाविद्यालय में चल रही लखनऊ विश्वविद्यालय की सम सेमेस्टर परीक्षाओं के तहत बुधवार को प्रथम पाली में 207 में से 188 और द्वितीय पाली में 769 में से 748 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि कुल 40 छात्र अनुपस्थित पाए गए। कड़ी निगरानी और सख्त व्यवस्थाओं के बीच परीक्षा शांतिपूर्ण व व्यवस्थित माहौल में संपन्न हुई। महाविद्यालय प्रशासन की सतर्कता के चलते पूरे दिन परीक्षा केंद्र पर अनुशासन बना रहा और सभी प्रक्रियाएं समयबद्ध ढंग से पूरी कराई गईं।

बुधवार को आयोजित परीक्षाओं में अनुशासन और व्यवस्थाओं का खासा असर देखने को मिला। दोनों पालियों को मिलाकर कुल 976 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 936 ने परीक्षा दी, जबकि 40 छात्र अनुपस्थित रहे, जिससे उपस्थिति संतोषजनक रही। प्रथम पाली में बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर (दर्शनशास्त्र) की परीक्षा में 207 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 188 ने भाग लिया, जबकि 19 छात्र अनुपस्थित रहे। इसी तरह द्वितीय पाली में बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर (इतिहास) और बी.कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाओं में कुल 769 पंजीकृत छात्रों में से 748 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 21 छात्र गैरहाजिर रहे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हेमंत पाल ने बताया कि परीक्षा कक्षों में निगरानी के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और प्रत्येक कक्ष में परीक्षार्थियों पर नजर रखने के लिए पर्याप्त स्टाफ की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा कि नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है, जिससे परीक्षा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो रही है। छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। स्वच्छ वातावरण, समय पर प्रश्नपत्र उपलब्धता और सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए गए हैं, जिससे परीक्षा प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के जारी है। वहीं महाविद्यालय प्रशासन ने परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचे और प्रवेश पत्र सहित आवश्यक सामग्री साथ रखें, ताकि परीक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

प्रवेश के लिए कतार में लगे छात्र-छात्राएं, निरीक्षण करते प्राचार्य प्रो. हेमंत पाल।

● बुधवार को 976 में 936 परीक्षार्थी रहे उपस्थित, 40 रहे अनुपस्थित

न्यूज ब्रीफ

घर में घुसकर परिवार पर हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : मूल रूप से धौरहरा क्षेत्र के ग्राम गुदरिया निवासी जगदीश ने बताया कि वह वर्तमान में सदर कोतवाली क्षेत्र के आनंदनगर सलेमपुर कोन में परिवार के साथ रहते हैं। मोहल्ले के दीपक, नंदनू और आकाश आए दिन परिवार पर छींटाकशी करते थे। आरोप है कि विरोध करने पर सभी आरोपी एकजुट होकर घर में घुस आए और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस में जगदीश, उनकी पत्नी संगीता देवी और बेटी रमावती घायल हो गईं। हमलावरों ने जातिसूचक गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी। पत्नी का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है।

मंडी गेट से घर जा रहे युवक पर हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला नौरंगाबाद निवासी चिन्मय वर्मा ने बताया कि मंगलवार को वह मंडी गेट से घर जा रहे थे। दोपहर करीब 12:30 बजे रास्ते में शिवम वर्मा और उसके तीन-चार साथियों ने घेर लिया। आरोप है कि हमलावरों ने ईंट व डंडों से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई संचित यादव को सौंपी है।

गुरुवार को दिन भर बाधित रहेगी बिजली

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : विद्युत वितरण उप खण्ड प्रथम के उप खण्ड अधिकारी अजय कुमार यादव ने बताया कि अलीगंज मार्ग का चौड़ीकरण और लाइन निर्माण कार्य प्रस्तावित होने के कारण 11 केवी फीडर नंबर 5 और 7 एवं फीडर शहर की बिजली सप्लाई सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक बाधित रहेगी।

शराब दुकान से चोरी में एक आरोपी गिरफ्तार

सिंगाही, अमृत विचार : लखीमपुर के मोहल्ला सुंदरपुरम निवासी दिनेश कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उनकी बेलरायां डांगा रोड पर शराब की दुकान में सेल्समैन विमल जायसवाल निवासी अमन नगर (सीतापुर) ने अपने ससुर ईश्वरदीन उर्फ नन्हे निवासी गड़रिया तहसील मितौली के साथ करीब 2 लाख रुपये चोरी कर लिए। दुकान के दस्तावेज भी गायब कर दिए हैं। घटना का खुलासा तब हुआ जब 31 जुलाई 2025 को सुबह करीब 11 बजे विपिन कुमार निवासी कुल्हौरी कोतवाली तिकुनिया जांच करने पहुंचे। जांच के दौरान पैसे गायब मिलने पर मामले की जानकारी दी गई। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। प्रभारी निरीक्षक दिलीप कुमार चौबे ने बताया कि पुलिस ने आरोपी सेल्समैन विमल कुमार को गिरफ्तार कर चालान भेजा है।

भीषण अग्निकांड में 15 घर जलकर राख

गृहस्थी के सामान समेत लाखों रुपये का नुकसान, खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर पीड़ित

संवाददाता, निघासन

धू-धू कर जल रहे घर। ● अमृत विचार

अग्नि पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित करते भाजपा नेता अंशुल दीक्षित। ● अमृत विचार

अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के गांव बंगलहा राज में मंगलवार दोपहर अचानक लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचा दी। देखते ही देखते आग ने 15 घरों को अपनी चपेट में ले लिया और सभी घर जलकर राख हो गए। इस हादसे में लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

दोपहर में अधिकतर ग्रामीण खेतों में काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि आग की शुरुआत चंद्रभाल के घर से हुई। तेज हवा के चलते आग तेजी से फैल गई। धुआं उठने और गांव में चीख पुकार मचने पर लोग खेतों से गांव की तरफ दौड़ पड़े। इसी बीच चली तेज हवा से आग ने विकराल रूप ले लिया। देखते ही देखते लपटें आसपास के छोटे लाल, गुड्डू, मेवालाल, जमुना, रामपाल, सदाराम, सुमित, जुद्धी और आसाराम के घरों तक पहुंच गई। इससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोग अपने घरों का सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में लग गए तो तमाम ग्रामीण बढ़ रही आग को रोकने और उसे बुझाने की कवायद में जुट गए।

हैंडपंप और बाल्टियों की मदद से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि जब तक ग्रामीण आग पर काबू पाते। इससे पहले ही 15 घर जलकर राख के ढेर में तब्दील हो गए। अग्निकांड में घरों में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन, चारपाई और अन्य घरेलू सामान पूरी तरह जल गया। चंद्रभाल का पानी का इंजन, सोने-चांदी के जेवर और नगदी भी आग की भेंट चढ़ गए। कई क्विंटल अनाज जलने से परिवारों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया है। इस हादसे के बाद सभी पीड़ित परिवार बेघर हो गए हैं और खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। उनके पास न खाने को अनाज बचा है और न ही पहनने को कपड़े।

घटना की सूचना मिलते ही भाजपा युवा नेता सीए अंशुल दीक्षित मौके पर पहुंचे और सभी 15 प्रभावित परिवारों को राहत किट वितरित की। राहत सामग्री में आटा, चावल, दाल, तेल, मसाले और दैनिक उपयोग की वस्तुएं शामिल थीं। सूचना पर निघासन तहसील की राजस्व टीम भी मौके पर पहुंची। लेखपाल द्वारा नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। अधिकारियों ने पीड़ितों को हर संभव सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया है।

जली गृहस्थी देख विलख रहीं महिलाएं

गांव बंगलहाराज में लगी भीषण आग से चपेट में आए घरों की महिलाएं और बच्चों के पास सिर्फ तन पर पहने ही कपड़े बचे हैं। इसके अलावा सुबकुछ उनका आग में जलकर नष्ट हो गया। अग्निपीड़ित परिवार जले घरों को देखकर फफक पड़ते हैं। बुधवार को पूरे दिन लोग अपने घरों में जला सामान बटोर कर किनारे करते रहे। इस दौरान उनकी आंखों में बेबसी के आंसू छलक रहे थे। अग्निपीड़ित परिवार जमीन पर सोकर खुले आसमान के नीचे अब रात बिताने को मजबूर है।

आग से हुए नुकसान का आकलन कराया गया है। जल्द ही पीड़ितों को दैवीय आपदा राहत कोष से आर्थिक मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

-राजीव निगम, एसडीएम निघासन।

माध्यमिक विद्यालयों में नई व्यवस्था लागू

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- एसटीएम शिक्षा को बढ़ावा
- डिजिटल प्लेटफॉर्म से भी पढ़ेंगे छात्र

अमृत विचार: माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाई का तरीका बदलने जा रहा है। गणित और विज्ञान जैसे विषयों को आसान और रोचक बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने (एस.टी.एम) साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमेटिक्स आधारित कार्यक्रम लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। अब कक्षा 9 से 12 तक के छात्र डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए पढ़ाई करेंगे, जिससे उनकी समझ और प्रदर्शन दोनों बेहतर हो सके।

डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि इस शैक्षिक सत्र में जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों में खान एकेडमी के माध्यम से गणित और विज्ञान की पढ़ाई को नई दिशा दी जाएगी। इसके लिए अप्रैल -मई में विशेष शैक्षणिक गतिविधियां संचालित कर छात्रों को नई व्यवस्था से जोड़ने पर जोर दिया है। सभी प्रधानाचार्य और शिक्षक पहले स्वयं खान एकेडमी प्लेटफॉर्म पर अपना पंजीकरण करेंगे और फिर विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित कराएंगे। जिन छात्रों का अब तक पंजीकरण नहीं हुआ है उनका डेटा तत्काल अपडेट करते हुए उन्हें लॉगिन आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराया जाएगा और नियमित ऑनलाइन अध्ययन के लिए प्रेरित किया जाएगा। विद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि वे साप्ताहिक समय-सारणी तैयार करें, जिसमें कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए गणित और विज्ञान की कम से कम दो कक्षाएं खान एकेडमी के माध्यम से संचालित की जाएं।

इस दौरान छात्र वीडियो लेक्चर, क्विज और प्रैक्टिस मॉड्यूल के जरिए विषय को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे, जबकि शिक्षक उनकी प्रगति पर नजर रखते हुए आवश्यक मार्गदर्शन देंगे। इसके अलावा, तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए हेल्पलाइन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, ताकि किसी भी स्तर पर पढ़ाई बाधित न हो। डीआईओएस ने सभी विद्यालयों को निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के साथ अधिक से अधिक छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा है, जिससे गणित और विज्ञान शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके।

बरसाए ईंट-पत्थर दरवाजा-खिड़की तोड़ डाले

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना खीरी के गांव सोठपुर मजरा बांसताली निवासी अनुज उर्फ दीपक वर्मा ने बताया कि घटना मंगलवार को हुई। गांव के ही अंकुश पुत्र प्रदीप ने बिना किसी कारण उसके मकान पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इससे वह, उसका परिवार दहशत में आ गया। घर के आसपास अफरा-तफरी मची रही। पथराव से घर का दरवाजा और खिड़की क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित के अनुसार जब उसने इस हरकत का विरोध किया तो आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच एसआई अजय कुमार सिंह को सौंपी गई है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

घर के अंदर कमरे में बिस्तर पर पड़ा मिला महिला का शव

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोला की अर्जुननगर कॉलोनी में घर के बाहर लगी भीड़। ● अमृत विचार

मृतका ऊषा शुक्ला।

- घर में बाहर से लगा था ताला दुर्गंध आने पर पड़ोसियों को हुआ था शक
- मायके पक्ष ने जताई हत्या की आशंका, फॉरेंसिक, सर्विलॉस टीम ने जुटाए साक्ष्य

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र की अर्जुन नगर कॉलोनी द्वितीय में बाहर से ताला लगे घर के अंदर कमरे में बिस्तर पर संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला का सड़ा गला शव मिला है। मायके पक्ष के लोगों ने हत्या का संदेह व्यक्त किया है। दुर्गंध आने पर आसपास के लोगों को शक हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। फॉरेंसिक, सर्विलेंस टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस पड़ोसी घर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

ग्राम पंचायत गोला देहात की अर्जुन नगर कॉलोनी निवासी ऊषा शुक्ला (55) पत्नी स्व. मुनेश शुक्ला हैदराबाद थाना क्षेत्र के बांसगांव के मूल निवासी हैं। काफी दिनों से वह गोला में ही रह रहे हैं। बुधवार 29 अप्रैल को ऊषा शुक्ला का शव घर के अंदर कमरे में बिस्तर पर सड़ा गला मिला है। घर के मुख्य दरवाजे पर बाहर से ताला लगा था। पुलिस घटना को संदिग्ध बता रही है। मृतका के भाई विनीत कुमार मिश्रा ने बताया कि 24 अप्रैल को उनकी बहन अपने मायके लौकिहा गांव थाना फूलबेहड़ से अपने घर गोला आईं थीं। ऊषा शुक्ला निःसंतान थीं। उनके पति ने दूसरी शादी की थी। दूसरी पत्नी से तीन बेटियां हैं। दूसरी पत्नी भी अपने मायके गांव बितौनी (शाहजहांपुर) गई थीं। जब सुमन शुक्ला बुध वार को घर वापस आईं तो उनकी बेटी ने ताला तोड़ा और अंदर गई तो बिस्तर पर संदिग्ध परिस्थितियों में शव पड़ा मिला। घर के अन्य कमरे खुले मिले केवल घर का मेन गेट में बाहर से ताला बंद था। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर दलबल के साथ पहुंचे कोतवाल अंबर सिंह, एसएसआई देवेंद्र सिंह, नानक पुलिस चौकी इंचार्ज योगेश कुमार, उपनिरीक्षक युवराज बालियान ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भिजवाया। घटना स्थल पर पहुंचकर फॉरेंसिक, सर्विलांस टीम ने आवश्यक साक्ष्य संकलन किया। पुलिस मोहल्ले के एक घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज तलाश रही है। शव मिलने से आसपास सनसनी फैल गई।

अर्जुननगर कालोनी में घर के अंदर कई दिन पुराना अधेड़ महिला का शव मिला है। परिवार के लोग कोई जानकारी नहीं दे पा रहे हैं और न ही तहरीर मिली है। शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर विधिक कार्रवाई की जायेगी।

-अंबर सिंह कोतवाली, निरीक्षक गोला।

साथ-साथ रहती थीं ऊषा और सुमन

हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव बांसगांव निवासी मुनेश शुक्ला बजाज चीनी मिल में कांटा क्लर्क थे। पहली पत्नी ऊषा शुक्ला से कोई संतान न होने की चलते सुमन शुक्ला से दूसरी शादी की थी। दूसरी पत्नी से तीन बेटियां हैं, जिसमें एक का विवाह हो चुका है। अप्रैल 2011 में मुनेश शुक्ला का निधन हो गया। उनकी दोनों पत्नियां एक साथ एक घर में रहती थीं। मायके में मांगलिक कार्य में शामिल होने वह 19 अप्रैल को लौकिया गांव गई थीं। मायके पक्ष के लोगों ने बताया कि वहां से 24 अप्रैल को घर वापस आईं। इस दौरान सुमन शुक्ला भी मायके गई थी, जब वह 29 अप्रैल को आई और ताला तोड़कर अंदर गई तब उन्हें घटना की जानकारी हुई। आसपास के लोगों ने बताया कि ऊषा को सुमन शुक्ला की बेटियों से बहुत लगाव था। वह रोजाना शिव मंदिर पैदल जातीं थीं

दुकानदार का लोहे की रॉड से सिर फोड़ा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: कोतवाली सदर क्षेत्र के गांव ग्राम मुड़ियाखेड़ा निवासी रमेश कुमार ने बताया कि उन्होंने जल निगम चौराहे पर एक दुकान से पशुओं का दाना खरीदा था, जिसमें 50 रुपये बाकी रह गए थे। अगले दिन जब वह वहां पहुंचे तो दुकानदार ने विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि दुकानदार ने अपने साथियों के साथ मिलकर गाली-गलौज करते हुए उसके सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे उनका सिर फट गया और काफी खून बहा। जब उसकी पत्नी और बच्चे मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें भी धमकाया और बेटी को उठाने तक की धमकी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

संवाददाता, पलिया कलां

दुर्घटना स्थल पर मौजूद पुलिस।

- दुधवा-गौरीफंटा मार्ग पर जंगल में हुआ हादसा

अमृत विचार: दुधवा-गौरीफंटा मार्ग पर जंगल के बीच बुधवार शाम अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

पलिया कोतवाली क्षेत्र के गांव बेहनन पुरवा निवासी नूरुल हसन (30) बुधवार को किसी काम से गौरीफंटा की ओर गए थे। वापस लौटते समय दुधवा-बनकटी के बीच जंगल में एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नूरुल हसन खून से लथपथ होकर दूर जा गिरे और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही गौरीफंटा पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जानकारी परिवार वालों को दी। मौत की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फुंका ट्रांसफार्मर न बदलने से उपभोक्ताओं में रोष

मझगई, अमृत विचार: पावर हाउस निघासन क्षेत्र के पृथ्वीपुरवा चौराहे पर पिछले छह दिनों से ट्रांसफार्मर फुंका पड़ा है, जिससे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। भीषण गर्मी के बीच बिजली न होने से व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली न होने के कारण पंखे और कूलर बंद पड़े हैं, जिससे लोग उमस और गर्मी से बेहाल हैं। दिन-रात बिजली गुल रहने से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। बिजली संकट के चलते दुकानों का कामकाज भी ठप पड़ गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बिजली विभाग ने नया ट्रांसफार्मर लगाया था, लेकिन अधिक लोड के चलते वह भी कुछ ही देर में फुंक गया, जिससे समस्या और बढ़ गई। बिजली विभाग के अधिकारी सुभाष कश्यप ने बताया कि समस्या की जानकारी मिलते ही कर्मचारियों को निर्देशित कर दिया गया है।

वैवाहिक समारोह में हर्ष फायरिंग से मची अफरा-तफरी, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, मोहम्मदी

- फर्श पर लगी गोली, टाइल्स के टुकड़ों से 6 घायल
- पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार: कोतवाली मोहम्मदी क्षेत्र के पिपरिया धनी स्थित एक मैरिज लॉन ने शादी समारोह के दौरान की गई हर्ष फायरिंग से अफरा-तफरी मच गई। गोली फर्श पर लगे टाइल्स में लगी, जिससे उछले टुकड़ों से पांच लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस चौकी अमीर नगर के गांव मूड़ा खालसा निवासी वीरपाल सिंह की बेटी की मंगलवार को शादी थी। वैवाहिक कार्यक्रम पिपरिया धनी स्थित एक मैरिज लॉन में आयोजित किया गया था। बारात शाहजहांपुर के थाना सिंधौली के गांव उल्लिया से आई थी। कार्यक्रम में गांव मूड़ा निवासी आलोक सिंह यादव लाइसेंसी राइफल के साथ आया था। रात करीब 11 बजे कार्यक्रम चल रहा था। सभी लोग कार्यक्रम में व्यस्त थे। चारों तरफ खुशी का माहौल था।

इसी बीच राइफल से की गई हर्ष फायरिंग से भगदड़ मच गई। गनीमत रही गोली फर्श में लगे टाइल्स से टकरा गई। इससे टाइल्स के उछले टुकड़ों से सीतापुर जिले के महोली निवासी शैलेश (25) उनकी पांच साल की पुत्री किंजल, महोली निवासी रत्नेश (18), शोभित (19) निवासी रजवापुर मोहम्मदी, अभिषेक यादव निवासी मूड़ा खालसा और उल्लिया निवासी अभय प्रताप सिंह (18) घायल हो गए।

इससे मौके पर चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को शाहजहांपुर भेजा, जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद अभय प्रताप सिंह को छोड़कर सभी घायलों को सीएचसी मोहम्मदी भेज दिया, जहां से सभी पांच घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने इस मामले में वीरपाल सिंह की तहरीर पर आलोक यादव और शेर सिंह के खिलाफ हर्ष फायरिंग समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कन्या के पिता की तहरीर पर दो लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। छह लोग चोटिल हुए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं।

-यादवेंद्र सिंह, सीओ मितौली।

घात लगाकर युवक पर किया जानलेवा हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: कोतवाली धौरहरा पुलिस ने घात लगाकर अनुसूचित जाति के व्यक्ति पर प्राणघातक हमला करने के मामले में कोर्ट के आदेश पर चार लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। प्रकरण की जांच सीओ धौरहरा को सौंपी गई है।

गांव भौवापुर कलां निवासी दिनेश भार्गव ने बताया कि 16 मार्च 2026 की शाम करीब 5 बजे वह खरवहिया साप्ताहिक बाजार से सब्जी लेकर घर लौट रहे थे। रास्ते में ग्राम पचघरा के पास पहले से घात लगाए बैठे हनीफ, सरफुद्दीन, सहादत और आरिफ ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते सभी आरोपियों ने मिलकर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धौरहरा ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल उनका इलाज अभी भी जारी है।

पीड़ित के अनुसार घटना के दिन ही उनके पुत्र ने थाने में तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी को भी प्रार्थना पत्र भेजा गया, फिर भी सुनवाई नहीं हुई। कार्रवाई न होने से परेशान होकर पीड़ित ने अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी एक्ट की अदालत में प्रार्थना पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की थी। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर प्रकरण की जांच सीओ धौरहरा को सौंपी है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मो. शानू को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से दिनांक 29.04.2026 को बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। वह अपने कृत्यों का स्वयं जिम्मेदार होगा। **यासीन पुत्र रोशन निवासी ग्राम व पोस्ट सहोरा, थाना फतेहगंज जनपद बरेली**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पुत्री उरूज फातिमा उर्फ जूनी को परिवार के खिलाफ दिनांक 01.04.2026 को शादी करने के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल- अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **सैय्यद अजीम हुसैन पुत्र सैय्यद जमील हुसैन निवासी 403, शहदाना, पुराना शहर, थाना बारादरी जिला बरेली।**

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
सम्पर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

BIMT
BADAUN INSTITUTE OF MANAGEMENT & TECHNOLOGY
(Affiliated to M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly)
REQUIRED
Candidates for B.Ed. Course
1- Principal/HOD 01
2- Perspectives in Education 01
3- Pedagogy Subject 03
(Math, Science, Social Science, Language)
4- Health and Physical Education 01
5- Fine Art 01
6- Performing Arts (Music/Dance) 01
Qualification/Experience as per NCTE/UGC Norms.
Submit your Resume within 07 Days in the BIMT.
Campus: Kakrala road, near Mandi Samiti, Badaun (U.P.)
E-mail: bimtbudaun@gmail.com
Contact: 9897777709, 9897777797

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

लाखों के गबन में लिपिक गिरफ्तार

संवाददाता, निघासन

- फर्जी एंट्री कर निकाले थे रुपये छात्र शुल्क भी नहीं किया जमा
- राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के बैंक खातों में हेराफेरी का मामला

लिपिक ज्ञान प्रकाश।

अमृत विचार: राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के बैंक खातों में हेराफेरी कर लाखों रुपये का गबन करने के आरोपी लिपिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को पुलिस ने आरोपी का चालान कर उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया।

मामला तब सामने आया जब कॉलेज के प्रधानाचार्य के निधन के बाद मीनाक्षी रानी ने प्रभारी प्रधानाचार्य का कार्यभार संभाला। उन्होंने 05 मार्च 2025 को दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि गांव दुबहा (बम्हनपुर) निवासी ज्ञान प्रकाश सिंह कॉलेज में कंप्यूटर ऑपरेटर/लिपिक के रूप में कार्यरत था।

आरोप है कि 1 जुलाई 2023 को स्थानांतरित होकर आए वरिष्ठ सहायक आलोक वर्मा के विद्यालय कार्यों में रुचि न लेने के कारण लेखा अभिलेख, दस्तावेजी कार्य और बैंक खातों से लेनदेन का पूरा जिम्मा ज्ञान प्रकाश सिंह के पास था। इसी का फायदा उठाते हुए उसने कॉलेज के विभिन्न बैंक खातों से फर्जी एंट्री और हेराफेरी कर करीब 17 लाख रुपये से अधिक की रकम निकाल ली। इसके अलावा, छात्रों से वसूले गए लगभग 1.59 लाख रुपये शुल्क को भी संबंधित खाते में जमा नहीं किया गया।

प्रभारी प्रधानाचार्य द्वारा कार्यभार संभालने के बाद जब खातों की जांच की गई तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। जांच में यह भी सामने आया कि लेखा अभिलेखों का संचालन और बैंक लेनदेन पूरी तरह आरोपी लिपिक द्वारा ही किया जा रहा था। मामले में पुलिस ने प्रभारी प्रधानाचार्य की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। प्रभारी निरीक्षक अवध राज सिंह सेंगर ने बताया कि जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

एक मई से होगा गन्ना सर्वे कार्य

पलिया कलां, अमृत विचार: बजाज चीनी मिल पलिया में जीपीएस मशीनों से गन्ना सर्वे कार्य 1 मई से प्रारंभ होगा। मिल सभागार में गन्ना सर्वे कार्य को लेकर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सर्वे स्टाफ को जीपीएस युक्त एंड्राइड मशीनों और एसजी के सर्वर, मिल ऐप के तकनीकी संचालन का अभ्यास कराया गया। इस बार भी सर्वेक्षण के सभी आंकड़े सीधे गन्ना विकास विभाग के मुख्य सर्वर पर ऑनलाइन एक्सपोर्ट किए जाएंगे। इस सत्र में भी केवल पौधा गन्ने का विस्तृत सर्वे किया जाएगा, जबकि पिछले वर्ष के जो पौधे पेड़ी में परिवर्तित हुए हैं, उन प्लाटों का केवल भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

सीएम कृषक दुर्घटना बीमा में लापरवाही पर कार्रवाई तय

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- डीएम ने कहा, पात्रों को हर हाल में मिले योजना का लाभ

अमृत विचार: बुधवार को डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना में प्राप्त दावे की विस्तृत समीक्षा की, संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। बैठक में सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एडीएम न्यायिक बृजपाल सिंह, एसडीएम अश्विनी कुमार सिंह मौजूद रहे। वहीं, अन्य एसडीएम वर्चुअल शामिल हुए।

डीएम ने तहसीलवार दावों की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से सवाल-जवाब किए और निर्देश दिए कि लेखपालों को अपने-अपने क्षेत्रों में बैठक कर सुनिश्चित करना होगा कि जिन परिवारों की आजीविका कृषि या खेतिहर मजदूरी पर आधारित है और जिनकी दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है, उनके आश्रितों को इस योजना का लाभ हर हाल में मिले।

उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि दुर्घटना मृत्यु के मामलों में दावा समय से प्रस्तुत न होना गंभीर लापरवाही मानी जाएगी और संबंधित लेखपाल की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने तहसील से प्राप्त रिपोर्टों की भी समीक्षा की।

प्रधानमंत्री की रैली में रवाना हो गई बसें, भटकते रहे यात्री, बची बसें दौड़ीं फुल

लखीमपुर शहर के एलआरपी चौराहे कर रुपैडिया डिपो की बस देखते ही देखते भर गई। अन्य बस के इंतजार में खड़े यात्री। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः प्रधानमंत्री की रैली के लिए रोडवेज बसों का बड़ा बेड़ा हरदोई रवाना चला गया। इधर, मंगलवार और बुधवार दोनों दिन जिले की सड़कों पर यात्रियों की मुसीबत बढ़ गई। बस स्टैंड पर लंबी कतारें, चिलचिलाती गर्मी और घंटों का इंतजार, मंगलवार को लोगों के लिए सफर किसी परीक्षा से कम नहीं रहा। हालात ऐसे बने कि बस आते ही कुछ ही मिनटों में भर गईं और बाकी यात्री मायूस लौटते दिखे।

29 अप्रैल को हरदोई के मल्लावां में हुई प्रधानमंत्री की रैली के लिए रोडवेज बसों की तैनाती ने स्थानीय परिवहन व्यवस्था को हिला दिया है। गोला डिपो से 100 और लखीमपुर डिपो से 8 बसों के रवाना होते ही रोजमर्रा के रूटों पर बसों की संख्या बेहद कम हो गई। गोला डिपो में 132 बसों में से 100 भेजे जाने के बाद महज 32 बसें बचीं, जबकि करीब 30 अनुबंधित बसों के सहारे व्यवस्था संभाली जा रही है। ये अनुबंधित बसें भी मुख्यतः लखनऊ और शाहजहांपुर रूट पर सीमित हैं, जिससे दिल्ली, जयपुर और हरिद्वार जैसे लंबी दूरी के यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ी। उधर, लखीमपुर डिपो की 15 में से 8 बसें हरदोई भेजे जाने से यहां केवल 7 बसें ही बचीं। 85 अनुबंधित बसों के भरोसे पूरा सिस्टम चल रहा है, लेकिन मांग के मुकाबले ये भी नाकाफी साबित हो रही हैं। बसों की कमी का असर बुधवार को भी साफ दिखा।

> प्रधानमंत्री की रैली के लिए 100 बसें हरदोई भेजी गई हैं। सीमित संसाधनों में भी यात्रियों को राहत देने की पूरी कोशिश की गई, ताकि असुविधा कम से कम हो।
> **–महेश चंद्र कमल**, एआरएम गोला डिपो।

शिविर में महिलाओं व बच्चों को लगाए टीके

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः बुधवार को रेडियो खीरी की टीम लखीमपुर ब्लॉक के गांव ढखवा पहुंची। यहां स्मार्ट एनजीओ के सहयोग से संचालित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम सेहत सही, लाभ कई के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय में चल रहे नियमित टीकाकरण शिविर में सहभागिता की। इस दौरान एएनएम अंकिता देवी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बिरला देवी और सहायिका रज्जा देवी ने उपस्थित महिलाओं का टीकाकरण किया। शिविर में 4 गर्भवती महिलाओं और 13 बच्चों का टीकाकरण किया गया। रेडियो खीरी की सहायक निदेशक अमीशा सिंह के निर्देशन में टीम सदस्य मानसी जायसवाल और रूपांशी वर्मा ने नैरो कास्टिंग के माध्यम से टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम में ग्रामवासी हेमा वर्मा, प्रेमा देवी, नीशू, आरती, सीमा, कोमल, गोल्डी, शबाना, पूनम, शुभम समेत अन्य लोग मौजूद रहे। एएनएम अंकिता देवी ने बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशन में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम सफल बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले सदर ब्लॉक के गांव पिपराकरमचंद में नैरो कास्टिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

गर्मी में नरमी पर बिजली की आंख-मिचौली से नहीं राहत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः जिले में बीते कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बाद बुधवार को मौसम में हल्की राहत जरूर देखने को मिली। जहां कुछ दिन पहले तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा था, वहीं अब यह गिरकर करीब 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बावजूद उमस भरी गर्मी का असर बना हुआ है और लोगों को पूरी तरह राहत नहीं मिल सकी है। ऊपर से बिजली की अनियमित आपूर्ति ने आमजन की परेशानियां और बढ़ा दी हैं।

शहर में दिन-रात हो रही अघोषित बिजली कटौती से लोग खासे परेशान हैं। कभी तकनीकी खराबी तो कभी बढ़ते लोड के कारण बार-बार सप्लाई बाधित हो रही है। हालात यह हैं कि थोड़ी-थोड़ी देर में बिजली आने-जाने का सिलसिला बना रहता है, जिससे घरों में कूलर और पंखे तक ठीक से नहीं चल पा रहे हैं। इससे उमस भरी गर्मी में लोगों का हाल बेहाल बना हुआ है और दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। जिले के कई इलाकों में बिजली व्यवस्था पर दबाव साफ नजर आ रहा है।

गढ़ी, कलेक्ट्रेट, नई बस्ती और छाउछ क्षेत्रों में सप्लाई प्रभावित रहने से घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ दुकानदारों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। बुधवार को गढ़ी क्षेत्र में लाइन संबंधी कार्य के चलते करीब तीन घंटे तक बिजली बंद रही, जिससे पानी की आपूर्ति भी बाधित हुई और लोगों को अतिरिक्त दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना है कि बिना पूर्व सूचना के बिजली कटौती किए जाने से परेशानी और बढ़ जाती है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को इस उमस भरे मौसम में ज्यादा दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं।

बढ़ते लोड से बिगड़ रही व्यवस्थाः गर्मी के दौरान बिजली की मांग बढ़ने से मामूली फाल्ट में भी सप्लाई बार-बार ट्रिप हो रही है। विभाग की ओर से सुधार के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर समस्या बनी हुई है। लोगों ने मांग की है कि कटौती से पहले सूचना दी जाए और बिजली आपूर्ति को सुचारु रखा जाए। वहीं, विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जहां मरम्मत या लाइन कार्य चल रहा होता है, वहां अस्थायी रूप से सप्लाई रोकी जाती है, लेकिन लगातार बढ़ते लोड के कारण दिक्कतें आ रही हैं।

सूचना

सूचित किया जाता है कि फर्म मैसर्स रूद्र इण्टर प्राइजेज गुलमर्ग कालोनी चिनौर शाहजहाँपुर यूपी 242001 (पंजीकरण सं. : SHA/0018792) फर्म में 02 साझेदार- पूजा गुप्ता व वरूण दीक्षित थे, साझेदारों की रजामन्दी से दिनांक 28.04.2026 को फर्म में एक नये साझेदार साजिद खान शामिल किये गये है। एक साझेदार बरूण दीक्षित ने अपनी स्वेच्छा से 28.04.2026 को अवकाश ग्रहण करके फर्म से अलग हो गये है। अवकाश ग्रहण साझेदार का सारा हिसाब चुकता हो गया। अब फर्म में कुल 02 साझेदार पूजा गुप्ता व साजिद खान है। फर्म में एवं साझेदारों में कोई विवाद नहीं है। एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूरी कर ली गयी है। एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूरी कर ली गयी है।

पूजा गुप्ता
साझेदार

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (वरि. प्रभाग), बरेली
मूलवाद सं. 736 सन् 2025

आसिफ हुसैन खां बनाम श्रीमती रजिया बेगम आदि प्रतिवादी सं.-3 श्रीमती शहाना सिराज पत्नी सिराज उद्दीन निवासी 13/3 स्वालेनगर, किला रामपुर रोड, बरेली।

आप प्रतिवादी सं.-3 को सूचित किया जाता है कि वादीगण उपरोक्त ने उपरोक्त न्यायालय के समक्ष आपके विरूद्ध घोषणात्मक एवं निषेधाज्ञा वाद दायर किया है। अतः आप प्रतिवादी सं.-3 उक्त वाद में अपना लिखित कथन प्रस्तुत करना चाहते हो तो अपना लिखित कथन स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20.05.2025 को प्रातः 11:00 बजे उपरोक्त न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें व सुनवाई में भाग लेने हेतु उपरोक्त न्यायालय में उपस्थित हो। अन्यथा उक्त तिथि उपरोक्त को वाद का निस्तरण वादीगण को आपके विरूद्ध एक पक्षीय रूप से सुनकर कर दिया जायेगा।

आज दिनांक 27.04.2026 को मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया।

आदेशानुसार-मुन्सरिम
न्यायालय सिविल जज (वरिष्ठ प्रभाग), बरेली।

कार्यालय नगर पंचायत बण्डा जनपद-शाहजहाँपुर

पत्रांक : 421/न.पं.ब./मु.न.स.यो./ई-निविदा/26-27 दिनांक : 29.04.2026

ई-निविदा सूचना

अधोहस्ताक्षरी के द्वारा मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/ अन्य सरकारी विभाग में कार्य की लागत की सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर पोर्टल पर दर्शाये गये कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकता है।

1. वेबसाईट पर बिड डाक्यूमेंट की उपलब्धता की तिथि 05.05.2026 सयम प्रातः 10:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय 22.05.2026 को 2:00 बजे अपरान्ह तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 22.05.2026 को 3:00 बजे अपरान्ह तक।
4. निविदा आमन्त्रणकर्ता को आईटीबी के क्लाज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी व ई-निविदा की शर्तों/नियमों के लिए कृपया वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर लाग इन करें, तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

(अजय सिंह) अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत बण्डा शाहाजहाँपुर
(मो. इसहाक) अध्यक्ष, नगर पंचायत बण्डा शाहाजहाँपुर

उ.प्र.आवास एवं विकास परिषद

IS 15700:2018

कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक 122, सिविल लाइन्स, बरेली।

सर्व साधारण को सूचना

परिषद की सिविल लाइन्स यो०सं०-4, बरेली में स्थित अ०आ०वर्ग भवन सं0-12 श्री सूरज पाल पुत्र श्री गिरवर राम को आवंटित किया गया था। श्री सूरज पाल पुत्र श्री गिरवर राम द्वारा अपने पक्ष में परिषद से विक्रय विलेख निष्पादित कराने के उपरान्त भवन का विक्रय श्रीमती रागिनी अग्रवाल पत्नी श्री राजेश अग्रवाल को कर दिया गया। श्रीमती रागिनी अग्रवाल पत्नी श्री राजेश अग्रवाल द्वारा अपने पक्ष में बिना अन्तरण कराये भवन का विक्रय श्री विनोद कुमार पाण्डेय पुत्र स्व० श्री भैरव दत्त पाण्डेय व श्रीमती मंजू पाण्डेय पत्नी श्री विनोद कुमार पाण्डेय को संयुक्त रूप से कर दिया गया। श्री विनोद कुमार पाण्डेय पुत्र स्व० श्री भैरव दत्त पाण्डेय व श्रीमती मंजू पाण्डेय पत्नी श्री विनोद कुमार पाण्डेय द्वारा भी अपने पक्ष में बिना अन्तरण कराये भवन का विक्रय श्री मानस खण्डेलवाल पुत्र श्री कृष्ण कुमार खण्डेलवाल को कर दिया गया। श्री मानस खण्डेलवाल पुत्र श्री कृष्ण कुमार खण्डेलवाल द्वारा उक्त भवन पर ऋण लेने हेतु बैंक ऑफ बडौदा, बरेली के पास बन्धक रखा था। श्री मानस खण्डेलवाल पुत्र श्री कृष्ण कुमार खण्डेलवाल द्वारा बैंक का ऋण न देने के कारण बैंक ऑफ बडौदा, बरेली द्वारा भवन की ई-नीलामी दिनांक 16.03.2026 को की गयी। जिसे श्री जितेन्द्र पसरीचा पुत्र श्री पृथ्वी पाल सिंह द्वारा ई-नीलामी में प्रतिभाग कर उक्त भवन को क्रय कर लिया गया। अब श्री जितेन्द्र पसरीचा द्वारा अवगत कराया गया है कि पूर्व विक्रेताओं का अता-पता नहीं है जिस कारण मैं उनके कोई भी प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत करने में असमर्थ हूं। इस हेतु जो भी कार्यवाही हो मैं करने को तैयार हूं तथा उक्त भवन को अपने पक्ष में अन्तरण कराने हेतु ऑनलाईन प्रार्थना पत्र के माध्यम से परिषद नियमानुसार प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुतं किये हैं।

अतः एतद्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि परिषद की सिविल लाइन्स यो०सं०-4, बरेली में स्थित अ०आ०वर्ग भवन सं0-12 का अन्तरण श्री जितेन्द्र पसरीचा पुत्र श्री पृथ्वी पाल सिंह के पक्ष में किया जाना है। अ०आ०वर्ग भवन सं0-12 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी व्यक्ति / ऋणदायी संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तथा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण श्री जितेन्द्र पसरीचा पुत्र श्री पृथ्वी पाल सिंह के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। **आज्ञा से सम्पत्ति प्रबन्धक**

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-बरेली।

कार्यालय का पता :-विकास भवन, बरेली।

(ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा)

पत्रांक :- 256 /ग्रा0अ0वि0/निविदा/2026-27/दिनांक :- 18.04.20206

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं प्रतिशत दर में श्रेणी ए0/बी0/सी0/डी0 में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यो के लिए निविदा डाल सकता है :-

1. तालिका के अनुसार कार्यो का विवरण :-

क0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे) (जीएसटी सहित)	धरोहर धनराशि (विड सिक्योरिटी) (रूपये मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सम्मिलित करते हुये)
1	2	3	4	5	6	7
01	बरेली	ग्राम शिवपुरी में सिरौली मार्ग पर स्थित श्री ब्रम्हदेव महाराज पर श्री कैलाश बाबा रामगंगा सेतु मीरगंज मार्ग के पास श्री श्री 1008 श्री कैलाश गिरि महाराज द्वार का निर्माण कार्य। (वि0नि0-मझगवां)	15.217	0.305	854.00	03 माह
02	बरेली	ग्राम अनिरूद्धपुर में सामुदायिक केन्द्र (सदभावना मण्डप) का निर्माण कार्य। (वि0नि0-मझगवां)	24.990	0.500	2354.00	03 माह

2. आनलाइन निविदा उपलब्धता का दिनांक : 02.05.2026
3. आनलाइन निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 01.06.2026 मध्याहन 12.00 वजे तक
4. आनलाइन निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 01.06.2026, अपरान्ह 12.30 वजे तक
5. अधोहस्ताक्षरी को आई वी टी क्लाज 9 के अनुसार अपरिहार्य परिस्थिति मे निविदा में आनलाइन संशोधन पत्र जारी करने का अधिकार प्राप्त है, जिसे किसी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा ,जिसकी जानकारी आनलाइन प्राप्त की जा सकेगी, अतएव समस्त निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि नियिमित रूप से निविदा पोर्टल पर जानकारी प्राप्त करते रहें।

अधिक जानकारी के लिये https://etender.up.nic.in लागिन करें एवं विड डाक्यूमेन्ट डाउनलोड करें।

UP-250589 दिनांक 28.04.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(विनय कुमार शर्मा) अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड-बरेली।
राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोनिवि बदायूं।

पत्रांक :-1091/निविदा/2025-26 दिनांक-20/04/2026

अल्पकालिक ई-निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बदायूँ के क्षेत्रान्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई-निविदा प्रतिशत दरो पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र साईट/पोर्टल पर दिनांक 01.05.2026 से दिनांक 08.05.2026 मध्यान्ह 12.00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी बिड दिनांक 08.05.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायगी।

क्रम सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0)	बिड सिक्युरिटी (लाख रू0)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	Reconstruction of Boundary wall around Type-V residential campus situated near District Judge residential premises at District Court	30.70	3.10	944	2 माह	ए0बी0सी0डी0 (भवन कार्य)
2	कार्य का नाम- प्रोजेक्ट अंलकार योजना के अन्तर्गत पी0एम0श्री0 राजकीय कन्या इण्टर कालेज, बदायूं की मरम्मत का कार्य।	19.50	2.00	944	3 माह	ए0बी0सी0डी0 (भवन कार्य)
3	कार्य का नाम- प्रोजेक्ट अलंकार योजनान्तर्गत पी0एम0 श्री राजकीय इंटर कालेज बदायूं की मरम्मत का कार्य।	1.90	0.20	678	2 माह	ए0बी0सी0डी0 (भवन कार्य)
4	जनपद बदायूं के कलेक्ट्रेट परिसर में बने वीडियोकान्फ्रेसिंग भवन में उपयोगार्थ पृथक से शौचालय का निर्माण कार्य।	1.70	0.20	678	2 माह	ए0बी0सी0डी0 (भवन कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

UP-250611 दिनांक 28.04.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(नरेश कुमार) अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बदायूँ

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-बरेली।

कार्यालय का पता :-विकास भवन, बरेली।

(ई-प्रोक्योरमेन्ट द्वितीय निविदा सूचना)

पत्रांक :-259/ग्रा0अ0वि0/निविदा/2026-27/दिनांक :- 18.04.2026

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं प्रतिशत दर में श्रेणी ए0/बी0/सी0/डी0 में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यो के लिए निविदा डाल सकता है :-

1. तालिका के अनुसार कार्यो का विवरण :-

क0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे) (जीएसटी सहित)	धरोहर धनराशि (विड सिक्योरिटी) (रूपये मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सम्मिलित करते हुये)
1	2	3	4	5	6	7
01	बरेली	ग्राम शिवपुरी में बारातघर की बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य (वि0नि0-मझगवा)	12.025	24100.00	854.00	03 माह

2. आनलाइन निविदा उपलब्धता का दिनांक : 02.05.2026
3. आनलाइन निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 18.05.2026 मध्याहन 12.00 वजे तक
4. आनलाइन निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 18.05.2026, अपरान्ह 12.30 वजे तक
5. अधोहस्ताक्षरी को आई वी टी क्लाज 9 के अनुसार अपरिहार्य परिस्थिति मे निविदा में आनलाइन संशोधन पत्र जारी करने का अधिकार प्राप्त है, जिसे किसी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा ,जिसकी जानकारी आनलाइन प्राप्त की जा सकेगी, अतएव समस्त निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि नियिमित रूप से निविदा पोर्टल पर जानकारी प्राप्त करते रहें।

अधिक जानकारी के लिये https://etender.up.nic.in लागिन करें एवं विड डाक्यूमेन्ट डाउनलोड करें।

UP-250588 दिनांक 28.04.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(विनय कुमार शर्मा) अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड-बरेली।
राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से

कार्यालय मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, बरेली

अल्पकालीन ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

पत्रांक : 36/मु.अभि./नि.वि./2025-26 दिनांक 29.04.26

ई-निविदा सूचना शासनादेश सं.-3890/नौ -5 -149सा/2019 नगर विकास अनुभाग-05 उ.प्र. शासन लखनऊ दिनांक 20 सितम्बर, 2019 के अनुपालन में ठेकेदारों से निर्माण कार्यो हेतु निविदायें टू बिड पद्धति (तकनीकी एवं वित्तीय) के माध्यम से निम्न प्रकार से आमंत्रित की जाती है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदाएं अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी। ई-निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई - प्रक्योरमेन्ट की वेबसाईट http://etender.up.nic.in व नगर निगम की बेवसाइट www.nagarnigambareilly.com पर देखी जा सकती है।

15वां वित्त आयोग के अन्तर्गत पुनः ई-निविदा आमंत्रित हेतु (क्रमांक सं. 01 से 06 तक)	
ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	30.04.2026 - (03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	30.04.2026 - (04:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	07.05.2026 - (03:00 PM)
ई-निविदा खोली जाने की तिथि/समय	07.05.2026 - (04:00 PM)
फाईनेंशियल ई-निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evaluation

कार्यो का विवरण, नियम व शर्ते नगर निगम बरेली के वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम, बरेली

कार्यालय सहायक अभियन्ता प्रथम उपखण्ड, बनबसा हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश के बनबसा जिला चम्पावत में वर्ष 2026-2027 (एक वर्ष) के लिये शारदा बैराज से मछली पकड़ने की नीलामी दिनांक 06.05.2026 को अपराहन 1.00 बजे सहायक अभियन्ता, प्रथम उपखण्ड, बनबसा के कार्यालय प्रांगण में अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई निर्माण खण्ड, लोहाघाट या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जायेगी। सबसे ऊंची बोली बोलने वाले को बोली की सम्पूर्ण धनराशि बोली समाप्त होने पर तुरन्त जमा करनी होगी। सम्पूर्ण धनराशि जमा न करने पर उनके द्वारा जमा जमानत राशि जप्त कर ली जायेगी। प्रत्येक बोली बोलने वाले को बोली बोलने से पूर्व नियमानुसार जमानत राशि की एफ0डी0आर0 जो अधिशासी अभियन्ता हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली के नाम बंधक होगी जमा करनी होगी। नीलामी स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार अधिशासी अभियन्ता, हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली को होगा। नीलामी से सम्बन्धित अन्य शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में देखी जा सकती है। इस तिथि को अवकाश होने पर नीलामी निर्धारित समय पर अगले कार्य दिवस में की जायेगी। नीलामी बोली में मात्र नीलामी बोलीकर्ता ही उपस्थित रहेगे। उक्त नीलामी वर्ष 2026-2027 (एक वर्ष) के लिए की जा रही है, एवं उच्चतम बोलीदाता को नीलामी के अधिकार विगत वर्ष की नीलामी अवधि के समाप्त होने के बाद दिये जायेगे।

कमांक	मछली की नीलामी का स्थल	धरोहर राशि	नीलामी की तिथि
1.	शारदा बैराज की मछली नीलामी	25,000.00	06.05.2026
2.	सिल्ट इजेक्टर की मछली नीलामी	1,000.00	06.05.2026
3.	नेपाल चैनल की मछली नीलामी	1,000.00	06.05.2026

UP-250587 दिनांक 28.04.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

सहायक अभियन्ता
प्रथम उपखण्ड, बनबसा
हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता बाढ़ खण्ड, पूरनपुर-पीलीभीत

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या-01/अधि0अभि0/2026-27,दिनांक-25.04.2026

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्री-क्वालीफिकेशन/टेक्निकल बिड व फाईनेनशिलय बिड, उत्तर प्रदेश सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग में निम्नलिखित तालिकानुसार वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक-02/05/2026 को 10:00 बजे से दिनांक-11/05/2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन ई-निविदा की प्री-क्वालीफिकेशन/टेक्निकल बिड दिनांक-11/05/2026 को अपरान्ह 12:00 बजे से मुख्य अभियन्ता(शारदा), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उ0प्र0 बरेली द्वारा गठित समिति द्वारा ऑनलाईन खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने या अवकाश होने अथवा तकनीकी, दिक्कतों की स्थिति में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेगी। बेबसाईट पर ई-प्रक्योरमेंट प्रपत्र दिनांक-02/05/2026 को 9.00 बजे से उपलब्ध होगा।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	कार्य की लागत जी0एस0 टी0 रहित (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (हजार में) (@ 2% paid online)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मल्य (रू0 मे) (@ paid Online) (Tender fee+ G.S.T+ stationary charge)	पंजीकृत श्रेणी
01	03	04	05	06	07	08
01	नेहरूनगर ड्रेन के कि0मी0 3.000 से किमी0 10.000 तक सफाई का कार्य।	13.75	27500.00	20 दिवस	225+41+500 = 766	सी एवं उच्च
02	आन्धााताल ड्रेन के कि0मी0 0.000 से किमी0 14.100 तक सफाई का कार्य।	26.92	53840.00	20 दिवस	300+54+500 = 854	बी एवं उच्च

नोट- जी0एस0टी0 नियमानुसार ठेकेदार को देय होगी।

1. यह ई-निविदा/बिड सूचना उ0प्र0 सरकार की वेबसाइट http://upgov.nic.in/ सूचना विभाग की वेबसाइट http://information.up.nic.in तथा सिंचाई विभाग की वेबसाइट http://idup.gov.in पर भी उपलब्ध है।
2. ई-निविदा/बिड की विस्तृत शर्ते निविदा/बिड प्रपत्र के साथ वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

UP-250649 दिनांक 28.04.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(आशुतोष कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
बाढ़ खण्ड पूरनपुर-पीलीभीत

कार्यालय सहायक अभियन्ता, प्रथम उपखण्ड, बनबसा हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सिंचाई विभाग हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली के प्रथम उपखण्ड, बनबसा में स्थित अमरूद बाग की फसल बहार वर्ष 2026-2027 एवं 2027-2028 (दो वर्ष) के लिए नीलामी उनके सम्मुख अंकित तिथि को समय 12.00 बजे प्रथम उपखण्ड, बनबसा कार्यालय में अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई निर्माण खण्ड, लोहाघाट या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष किया जायेगा। जो व्यक्ति बागात की फसल खरीदने के इच्छुक हो, वे कृपया निश्चित तिथि समय व स्थल पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते है। नीलामी हेतु निर्धारित की गई तिथि को अवकाश होने की दशा में नीलामी अगले कार्य दिवस में की जायेगी ।

क्रमांक	बाग का नाम	क्षेत्रफल (एकड़ में)	धरोहर धनराशि	नीलामी की तिथि	फलदार वृक्षों की किस्म एवं संख्या
1.	शारदा बाग	5	5000.00	06.05.2026	आम 240

नोटः-

1. उपरोक्त अंकित की गई वृक्षों की संख्या में कमी बेशी हो सकती है। खरीददार पूर्व में निरीक्षण कर मौके पर वृक्षों की संख्या एवं स्थिति सुनिश्चित कर लें एवं तदानुसार ही बोली लगायें। इस सम्बन्ध में विभाग का कोई उत्तदायित्व नहीं होगा।
2. प्रत्येक बोली बोलने वाले व्यक्ति को नीलामी प्रारम्भ होने से पूर्व उपरोक्तनुसार धरोहर धनराशि एफ0डी0आर0 के रूप में जो कि अधिशासी अभियंता, हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली के नाम बंधक होगी, प्रथम उपखण्ड, बनबसा के कार्यालय में जमा करके टोकन प्राप्त करना होगा। केवल टोकन धारक ही नीलामी में भाग ले सकेगे।
3. प्रथम उपखण्ड, बनबसा के कार्यालय में दिनांक 06.05.2026 को अपराहन 12:00 बजे तक टोकन प्राप्त किये जा सकेंगे। इस समय के उपरान्त कोई टोकन नहीं दिया जायेगा।
4. नीलामी में भाग लेने वाले प्रत्येक बोलीदाता को 10 रू0 का स्टाम्प पेपर पर नीलामी की शर्तें के स्वीकार होने की लिखित सहमति देनी होगी। जो कि विभाग में टोकन प्राप्त करते समय जमा करने होंगे।
5. नीलामी हेतु टोकन प्राप्त करने के लिए पहचान-पत्र भी प्रस्तुत करना होगा, तथा कार्यालय प्रांगण में नीलामी प्रक्रिया के दौरान टोकन प्राप्त नीलाम लेने वाले व्यक्ति ही उपस्थित रह सकेगे।
6. सर्वोच्च बोली बोलने वाले को नीलामी बोली की समस्त धनराशि तत्काल जमा करनी होगी एवं उस पर देय समस्त कर तथा स्टाम्प पेपर 15 दिवस के अन्दर जमा करने होंगे। तभी नीलामी की स्वीकृति प्रदान की जायेगी ऐसा न करने पर उसके द्वारा जमा धरोहर धनराशि राजकीय हित में जब्त कर ली जायेगी।
7. अधिशासी अभियन्ता, हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली को बिना कारण बताये नीलामी को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
8. नीलामी की अन्य शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।
9. धरोहर धनराशि के रूप में जमा एफ0डी0आर0 की धनराशि को नीलामी की धनराशि में शामिल नहीं किया जायेगा। जिस व्यक्ति के नाम नीलामी छूटेगी उसके द्वारा जमा धरोहर धनराशि जमानत के रूप में विभाग में रहेगी। जिसमें यदि ठेकेदार द्वारा बागों को कोई क्षति पहुचांयी जाती है, तो उसी धनराशि से बसूल की जायेगी। अन्यथा फसल समाप्त होने पर वापस कर दी जायेगी।
10. उक्त नीलामी वर्ष 2026-2027, 2027-2028 (दो वर्ष) के लिए की जा रही है, एवं उच्चतम बोलीदाता को नीलामी के अधिकार विगत वर्ष अमरूद बाग की फसल बहार की नीलामी अवधि के समाप्त होने के बाद दिये जायेगे।

UP-250585 दिनांक 28.04.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

सहायक अभियन्ता,
प्रथम उपखण्ड, बनबसा
हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली

गंगा एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण में गूंजा जय गंगा मैया

हरदोई की धरती बनी ऐतिहासिक उत्साह की साक्षी, भीषण गर्मी के बावजूद समारोह में उमड़ा जनसैलाब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/हरदोई

अमृत विचार: हरदोई की धरती बुधवार को उस समय ऐतिहासिक उत्साह की साक्षी बन गई, जब नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण समारोह में मंच पर पहुंचे। उनके आगमन के साथ ही पूरा पंडाल एक साथ खड़ा हो गया, मानो किसी संकेत का इंतजार हो और फिर अचानक वातावरण भारत माता की जय, जय श्रीराम, हर-हर गंगे और गंगा मैया की जय के नारों से गूंज उठा।

भीषण गर्मी के बावजूद हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों के जोश में कोई कमी नहीं थी। दूर-दराज के जिलों से आए लोग सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर डटे रहे थे। जैसे ही दोनों नेता मंच पर दिखाई दिए, भीड़ में लहर-सी दौड़ गई। 'मोदी-मोदी' और 'योगी-योगी' के नारे पूरे मैदान में गूंजते रहे, जिनकी प्रतिध्वनि मंच तक साफ सुनाई दे रही थी। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने भी इस आत्मीय स्वागत का जवाब मुस्कुराकर और हाथ जोड़कर दिया। कई बार उन्होंने हाथ हिलाकर अभिवादन किया, तो भीड़ और ज्यादा उत्साहित होकर नारे लगाने लगी। मंच पर मौजूद अन्य अतिथियों ने भी जनता का अभिवादन कर इस जनसमर्थन को नमन किया।

कार्यक्रम स्थल का दृश्य किसी बड़े उत्सव से कम नहीं था। हर दिशा में लोगों की भीड़, हाथों में मोबाइल फोन, और चेहरों पर उत्साह हर कोई इस ऐतिहासिक पल को अपने तरीके से कैद करना चाहता था। कई लोग मंच की ओर हाथ उठाकर अभिवादन कर रहे थे, तो कुछ अपने बच्चों को कंधे पर बैठाकर यह दृश्य दिखा रहे थे।

गंगा एक्सप्रेस-वे का यह लोकार्पण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभावनाओं का जीवंत प्रदर्शन बन गया। विकास और आस्था का ऐसा संगम कम ही देखने को मिलता है, जहां एक ओर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धि है तो दूसरी ओर गंगा मैया के प्रति गहरी श्रद्धा भी झलक रही थी। इस पूरे आयोजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि गंगा एक्सप्रेसवे केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि लोगों की आकांक्षाओं, उम्मीदों और विकास के सपनों से जुड़ा हुआ एक बड़ा प्रतीक बन चुका है।

जैसे-जैसे कार्यक्रम आगे बढ़ता

हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण समारोह के पंडाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी को देखने के लिए भारी संख्या में पहुंची लोगों की भीड़। अमृत विचार

प्रधानमंत्री मोदी ने देखा यूपी का 'ग्रोथ मैप'

- मुख्यमंत्री ने एक्सप्रेस-वे नेटवर्क की दी विस्तृत जानकारी, प्रधानमंत्री ने की सराहना
- यूपीडा की प्रदर्शनी में कनेक्टिविटी से समृद्धि तक का ब्लूप्रिंट दिखा

उत्तर प्रदेश के विकास संबंधी प्रदर्शनी को देखते प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार, लखनऊ/हरदोई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगा एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण अवसर पर उत्तर प्रदेश के विकास के भविष्य की झलक देखी। कार्यक्रम स्थल पर यूपीडा द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में प्रदेश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क, औद्योगिक संभावनाओं और सांस्कृतिक विरासत का समग्र प्रस्तुतीकरण किया गया।

योगी आदित्यनाथ ने स्वयं प्रधानमंत्री को एक्सप्रेसवे नेटवर्क की रणनीतिक उपयोगिता, कनेक्टिविटी और भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने इस व्यापक प्लानिंग को 'नए उत्तर प्रदेश' की आधारशिला बताते हुए इसकी सराहना की। प्रदर्शनी में प्रयागराज महाकुंभ संगम, महात्मा बुद्ध की प्रतिमा, मंदिरों की झांकियां और प्रतापगढ़ के पक्षी अभयारण्य जैसे दृश्य आकर्षण का केंद्र रहे। इससे यह संदेश गया कि विकास के साथ संस्कृति को भी समान महत्व दिया जा रहा है।प्रदर्शनी में गंगा एक्सप्रेस-वे से जुड़े 12 जिलों, कनेक्टिविटी और निर्माण प्रक्रिया को विस्तार से दिखाया गया। यह स्पष्ट किया गया कि यह परियोजना केवल यात्रा को आसान नहीं बनाएगी, बल्कि क्षेत्रीय संतुलित विकास को भी गति देगी।

तेजी से जमीन पर उतर रहीं बड़ी परियोजनाएं

- एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट और इंफ्रास्ट्रक्चर से बदली प्रदेश की पहचान
- 'कंप्लीट पैकेज मॉडल' के तहत तेजी से पूरी हो रहीं विकास की योजनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत वितार: योगी सरकार ने यह साबित किया है कि विकास का अर्थ केवल योजनाओं की घोषणा नहीं, बल्कि उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा करना है। राज्य में 'कंप्लीट पैकेज मॉडल' के तहत शिलान्यास से लेकर उद्घाटन तक हर परियोजना को तेजी से जमीन पर उतारा गया है।

गंगा एक्सप्रेस-वे इसका ताजा उदाहरण है, जिसका शिलान्यास 18 दिसंबर 2021 को हुआ और 29 अप्रैल 2026 को इसे जनता को समर्पित कर दिया गया। इसी तरह जेवर एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन भी रिकॉर्ड समय में किया गया, जिससे यूपी देश का पहला राज्य बन गया, जहां पांच अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट विकसित हो चुके हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे (2018–2021) और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे (2020–2022) जैसे प्रोजेक्ट समय से पूरे हुए। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का उद्घाटन जून 2025 में हुआ, जबकि लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे भी अंतिम चरण में है। इन परियोजनाओं के चलते देश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क में यूपी की हिस्सेदारी लगभग 60% तक पहुंच गई है। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट और यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के जरिए प्रदेश रक्षा उत्पादन में भी मजबूत भूमिका निभा रहा है। इन सभी उपलब्धियों ने उत्तर प्रदेश को 'बीमारू' राज्य की छवि से बाहर निकालकर तेजी से विकसित हो रहे राज्य के रूप में स्थापित किया है।

एयरपोर्ट और मेट्रो में बड़ी छलांग: 2017 से पहले जहां केवल दो एयरपोर्ट थे, वहीं अब प्रदेश 21 एयरपोर्ट के नेटवर्क की ओर बढ़ रहा है। अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और एक साथ पांच नए एयरपोर्ट का उद्घाटन इसकी मिसाल है। मेट्रो और रैपिड रेल परियोजनाओं में भी तेजी आई है- आगरा मेट्रो और मेरठ मेट्रो शुरू हो चुकी हैं, जबकि अन्य शहरों में विस्तार की योजना है।

योगी मॉडल की विशेषताएं

- शिलान्यास से उद्घाटन तक समयबद्ध कार्य
- तकनीक आधारित मॉनिटरिंग और जवाबदेही
- इंफ्रास्ट्रक्चर से निवेश और रोजगार को बढ़ावा
- पिछड़े क्षेत्रों तक विकास की पहुंच

न्यूज ब्रीफ

प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 9-10 मई को

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने प्रवक्ता भर्ती परीक्षा (विज्ञापन संख्या-02/2022) की तिथि घोषित कर दी है। 624 पदों के लिए लिखित परीक्षा 9 और 10 मई 2026 को आयोजित की जाएगी। इसमें 4,64,605 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा प्रदेश के 17 जिलों के 319 केंद्रों पर दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9 :30 से 11 :30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 :30 से 4 :30 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा आगरा, अलीगढ़, प्रयागराज, आजमगढ़, बरेली, बस्ती, बांदा, अयोध्या, गोरखपुर, झांसी, कानपुर नगर, लखनऊ, मेरठ, मीरजापुर, मुरादाबाद, सहारनपुर और वाराणसी में आयोजित होगी। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार के अनुसार, अभ्यर्थियों को परीक्षा जनपद की जानकारी 30 अप्रैल से आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। प्रवेश पत्र 6 मई से डाउनलोड किए जा सकेंगे।

पर्यटन विकास को कई परियोजनाएं मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में बिजनौर और बलरामपुर जिलों में पर्यटन विकास को गति देने के लिए कुल 16 .95 करोड़ रुपये की 15 परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। इन परियोजनाओं के तहत धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। बिजनौर में 9 .09 करोड़ रुपये की 8 परियोजनाएं मंजूर हुई हैं। इनमें संत रविदास मंदिर, उमा महेश आश्रम और झंडेवाला बाबा मंदिर के विकास कार्य शामिल हैं, जबकि ऐतिहासिक बिदुर कुटी के समेकित विकास के लिए 4 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं बलरामपुर में 7 .86 करोड़ रुपये की सात परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

राज्य वन सेवा संघ के अध्यक्ष बने जगदंबिका

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राज्य वन सेवा संघ की नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। अध्यक्ष पद पर जगदंबिका प्रसाद श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष पद पर ज्ञान सिंह और महामंत्री/कोषाध्यक्ष पद पर अनुराग तिवारी का चयन हुआ। संयुक्त सचिव के रूप में सतेंद्र तोमर तथा सदस्य के रूप में आर्शी मलिक, चंदन चौधरी और विनीत कुमार सिंह को चुना गया है। ओम प्रकाश सिंह (सेवानिवृत्त डीएफओ) को संरक्षक नामित किया गया है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने बताया कि लंबे समय से महाधिवेशन न होने और पूर्व पदाधिकारियों के सेवानिवृत्त हो जाने से कार्यकारिणी सक्रिय नहीं थी, जिससे संगठनात्मक गतिविधियां प्रभावित हो रही थीं।

एटीएस न होने पर अब जिले में ही फिटनेस जांच

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के वाहन स्वामियों को राहत देते हुए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ) ने नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत जिन जिलों में ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) स्थापित नहीं हैं या निर्माणाधीन हैं, वहां अब वाहनों का फिटनेस प्रमाण पत्र संबंधित जिले में ही परिवहन विभाग के अधिकारी जारी कर सकेंगे।

यह निर्णय परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के अनुरोध पर लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब तक ऐसे जिलों के वाहन स्वामियों को फिटनेस जांच के लिए दूसरे जिलों में स्थित एटीएस तक जाना पड़ता था। नई व्यवस्था लागू होने से यह सुविधा अपने ही जनपद में उपलब्ध हो सकेगी।

प्रदेश में वर्तमान में 26 जिलों में 31 एटीएस संचालित हैं, जहां वाहनों की फिटनेस जांच की जा रही है। वहीं 17 नवंबर 2025 से जिन जिलों में एटीएस निर्माणाधीन हैं, वहां के वाहनों की जांच नजदीकी जिलों में कराई जा रही थी।

परिवहन मंत्री के अनुसार, प्रदेश के 40 जिलों में एटीएस निर्माण कार्य प्रगति पर है और इन्हें तय समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर निंदा प्रस्ताव लाने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विधानमंडल का विशेष सत्र आज हंगामे के आसार
- पक्ष-विपक्ष आमने-सामने, महिला विधायकों की भूमिका अहम

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश विधानमंडल का एक दिवसीय विशेष सत्र गुरुवार को हंगामेदार रहने के आसार हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़े संशोधन विधेयक के लोकसभा में गिरने के मुद्दे पर योगी सरकार सदन में निंदा प्रस्ताव लाने की तैयारी में है, जबकि विपक्ष इसके खिलाफ जोरदार विरोध की रणनीति बना चुका है।

सूत्रों के अनुसार, सुबह 11 बजे सत्र शुरू होने से पहले भाजपा गठबंधन के विधायकों और मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी विधायक दल की बैठकें होंगी, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी। भाजपा ने इस सत्र में महिला सशक्तीकरण को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए महिला मंत्रियों और विधायकों को अग्रिम भूमिका देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से महिलाओं के लिए किए गए कार्यों और योजनाओं को सदन में प्रमुखता से रखा जाएगा।

निंदा प्रस्ताव पर टकराव तय

सरकार का मानना है कि संशोधन विधेयक को गिराना विपक्ष की महिला विरोधी सोच को दर्शाता है और इसी आधार पर निंदा प्रस्ताव पारित कराने की तैयारी है। वहीं मुख्य विपक्षी दल सपा ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया है कि सरकार स्वयं महिला आरक्षण लागू करने में देरी कर रही है। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सदन में सरकार को घेरने की तैयारी में है।

कई मुद्दों पर होगी बहस

सत्र के दौरान महिला आरक्षण के क्रियान्वयन, परिसीमन और प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों पर तीखी बहस होने की संभावना है। दोनों पक्षों की महिला विधायक इस बहस में प्रमुख भूमिका निभाएंगी, जिससे सदन में राजनीतिक गर्माहट और बढ़ने के आसार हैं।

सपा का 'अति निंदा प्रस्ताव'

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विशेष सत्र से पहले 'अति निंदा प्रस्ताव' जारी कर सियासी हलचल बढ़ा दी। उन्होंने केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया। अखिलेश ने कहा कि भाजपा परिसीमन के जरिए चुनावी लाभ लेना चाहती है, जबकि विपक्ष ने महिला आरक्षण का समर्थन किया है।

विधान परिषद में भी होगी चर्चा

विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को विधान परिषद की कार्य परामर्शदात्री समिति की बैठक में गुरुवार के एजेंडे पर चर्चा की गई। बैठक में 'नारी सशक्तिकरण' विषय पर नियम-59(9) के तहत लोकहित में अनवरत चर्चा का प्रस्ताव पारित किया गया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

सियासी सरगर्मियों के बीच आज का विशेष सत्र न केवल महिला आरक्षण के मुद्दे पर बहस का मंच बनेगा, बल्कि पक्ष-विपक्ष के बीच राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का भी केंद्र रहेगा।

ईंधन अधिभार में 1.52 फीसदी कटौती

- बिजली उपभोक्ताओं को राहत, मई में 118 करोड़ रुपये का मिलेगा लाभ

अमृत विचार, लखनऊ: मई माह में प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को ईंधन अधिभार शुल्क में राहत मिलेगी। अधिभार में 1.52 प्रतिशत की कटौती की गई है, जिससे उपभोक्ताओं को करीब 118 करोड़ रुपये का लाभ होगा।

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि परिषद उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए लगातार प्रयासरत है और अनुचित वसूली के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि फरवरी माह में 10 प्रतिशत अधिक वसूली और औसत बिलिंग दर के आधार पर किए गए बिलों के मुद्दे पर परिषद अपनी लड़ाई जारी रखेगी। परिषद का उद्देश्य उपभोक्ताओं को न्याय दिलाना और किसी भी प्रकार की अनुचित वसूली को रोकना है।

परिषद के अनुसार, प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 51 हजार करोड़ रुपये से अधिक का सरप्लस बकाया है। ऐसे में मांग की गई है कि इसी अधिशेष के आधार पर उपभोक्ताओं को राहत दी जाए। साथ ही, यह भी सुझाव दिया गया है कि यदि भविष्य में ईंधन अधिभार बढ़ाने की स्थिति बनती है, तो अतिरिक्त बोझ सीधे उपभोक्ताओं पर न डालकर अधिशेष राशि से समायोजित किया जाए। परिषद ने नियामक आयोग से मौजूदा फॉर्मूले की समीक्षा कर उसे उपभोक्ता हित में संशोधित करने की मांग भी की है, ताकि अनावश्यक बढ़ोतरी पर रोक लगाई जा सके।

अंश निर्धारण में बहराइच बना मॉडल

- मुख्यमंत्री योगी के राजस्व सुधार अभियान को मिली गति

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में भूमि संबंधी कार्यों को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए चल रहे प्रदेश सरकार के अंश निर्धारण अभियान में बहराइच जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। निर्धारित समय सीमा के भीतर 99.6 प्रतिशत मामलों का निस्तारण कर एक नई मिसाल कायम की है।

सरकार की प्राथमिकता वाले इस अभियान के तहत बहराइच जिला प्रशासन ने गांव-गांव जाकर अंश निर्धारण की प्रक्रिया को गति दी। राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों ने किसानों एवं भूमिधरों के बीच विवादित हिस्सों का सत्यापन कर रिकॉर्ड को अपडेट किया, जिससे वर्षों से लंबित मामलों का समाधान संभव हो सका। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि नियमित समीक्षा, जिम्मेदारी तय करने और समयबद्ध लक्ष्य निर्धारण के कारण यह उपलब्धि हासिल हुई। बहराइच का यह मॉडल अन्य जिलों में भी लागू किए जाने की दिशा में देखा जा रहा है, जिससे पूरे प्रदेश में भूमि रिकॉर्ड को अधिक पारदर्शी और विवादमुक्त बनाया जा सके।

उन्नाव: सड़क हादसे में एक ही परिवार 6 की मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

- मुख्यमंत्री ने घटना पर जताया दुख, अधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचार: उन्नाव के बिहार थानांतर्गत बक्सर-सुमेरपुर मार्ग पर बुधवार सुबह ओवर टेक के दौरान हुए सड़क हादसे में बोलेरो सवार एक ही परिवार की चार महिलाओं सहित छह लोगों की जान चली गई। वहीं दंपति समेत चार लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताते हुए घायलों के बेहतर उपचार के आदेश जिला प्रशासन को दिए हैं।

मौरावां थानाक्षेत्र के अकोहरी गांव के मजरा पठई निवासी सूरज पुत्र नरेंद्र सिंह मां गीता, पत्नी भारती, चाची बिटान, बहन ज्योति, सुनीता, पड़ोसी अर्चना, भांजे आनंद व भांजी गौरी के साथ तीन वर्षीय बेटे शुभ का मुंडन कराने मां चंद्रिका देवी धाम बक्सर गए थे। जहां से सभी बुधवार को बोलेरो से लौट रहे थे। जिसे सूरज के गांव का निवासी रामधनी चला रहा था। तभी बिहार थानांतर्गत सुमेरपुर मार्ग पर ओवरटेक के दौरान पहले डंपर फिर ट्रक की टक्कर हुई और दोनों वाहन सड़क किनारे खंती में पलट गए। इससे बोलेरो में फंसे लोगों में चीखपुकार मच गई।

बिहार व बारासगवर थानाक्षेत्र की पुलिस ने वाहन को कटर से कटवाकर घायलों को अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टर ने गीता, बिटान, ज्योति, सुनीता, अर्चना व रामधनी को मृत घोषित कर दिया। वहीं सूरज, भारती, आनंद व गौरी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। डीएम घनश्याम मीना, क्षेत्रीय विधायक अनिल सिंह व एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव सहित अन्य अफसरों ने दुखी परिजनों को ढांढस बंधाया। सीओ मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि शवों के पोस्टमार्टम कराए जा रहे हैं। ओवरटेक के दौरान हादसा होने की बात सामने आई है। घटना की जांच की जा रही है।

चार आवासीय योजनाओं के लिए भूमि खरीद को मंजूरी

आवास विकास की बोर्ड बैठक में 4173.65 करोड़ रुपये का बजट पास, अयोध्या के लिए सबसे ज्यादा धनराशि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रमुख सचिव आवास पी. गुरुप्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित उप्र. आवास एवं विकास परिषद की 275वीं बोर्ड बैठक में मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4173.66 करोड़ रुपये का बजट पास कर दिया गया।

सबसे ज्यादा बजट जमीन खरीद और नई आवासीय योजनाओं के लिए रखा गया है। भूमि अर्जन के लिए 1927.15 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अकेले अयोध्या योजना के लिए 1037.89 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। बजट में कुल 4048.65 करोड़ रुपए खर्च का प्रावधान किया गया है। इसमें निर्माण, विकास और अवस्थापना कार्यों पर 702.62 करोड़ रुपए, डिपॉजिट कार्यों पर 750.27 करोड़ रुपए और भूमि अर्जन पर 1927.15 करोड़ रुपए खर्च होंगे। बैठक में आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह, अपर आवास आयुक्त एवं सचिव डॉ. नीरज शुक्ला, वित्त नियंत्रक महेंद्र पांडे, मुख्य वास्तुविद नियोजक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संपत्ति की बिक्री से होगी सबसे ज्यादा कमाई : परिषद ने नए वित्तीय वर्ष में कुल 4173.65 करोड़ रुपए की आय का अनुमान लगाया है। इसमें सबसे ज्यादा 2004.66 करोड़ रुपए संपत्तियों की बिक्री से मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा डिपॉजिट कार्यों से 682.06 करोड़ रुपए की आय का अनुमान है।

पेंशन से होगी कटौती : 2017 में आगरा में तैनाती के दौरान अधीक्षण अभियंता डीएस गुप्ता पर 9 करोड़ के अवस्थापना निधि के टेंडर में अनियमितता पाए जाने पर 2018 में सेवानिवृत्त होने के बाद जांच के आदेश दिए गए थे। जांच में दोषी पाये जाने पर बोर्ड ने उनकी पेंशन से आजीवन 5 प्रतिशत कटौती का निर्णय लिया। इसके अलावा दूसरे मामले में लखनऊ में तैनात रहे अधिशासी अभियंता गौतम कुमार पर इंदिरा नगर स्थित व्यावसायिक भूखंड संख्या 7/5 के ऑफर में विलंब करने का दोषी पाया गया, जिससे परिषद को आर्थिक क्षति हुई। परिषद ने भूखंड का आवंटन निरस्त करके कब्जा प्राप्त करने के निर्देश दिए थे। जिस पर बोर्ड ने उनकी पेंशन से आजीवन 10 प्रतिशत की कटौती करने का निर्णय लिया है।

मऊ में 1391 करोड़ से होगी जमीन खरीद

मऊ जिले की गोरखपुर मार्ग भूमि विकास एवं गृहस्थान योजना के लिए भी पांच गांवों की जमीन खरीद को मंजूरी दी गई। सहरोज, रेवरीडीह, मोहम्मदपुर सहरोज, मेघई सहरोज और डांडीखास गांवों में जमीन खरीद पर करीब 1391 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

काशीद्वार योजना में खरीदी जाएगी जमीन

वाराणसी की काशीद्वार भूमि विकास एवं गृहस्थान योजना के लिए 10 गांवों की जमीन आपसी समझौते से खरीदने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल गई। इन गांवों में पिंडरा, पिंडराई, समोगरा, बहुतरा, कैथोली, पुरारघुनाथपुर, बसनी, चकइन्दर, जदूपुर और बेलवा शामिल हैं। उप आवास आयुक्त पल्लवी मिश्रा ने बताया कि योजना का कुल क्षेत्रफल 374 हेक्टेयर है। पहले चरण में 270 हेक्टेयर भूमि पर परिषद अधिनियम 1965 की धारा-31(1) के तहत कार्रवाई को मंजूरी दी गई है। वन विभाग, मंदिर, मजार और अन्य निर्माण वाले हिस्सों को इससे बाहर रखा गया है।

वाराणसी की बाईपास योजना को हरी झंडी

बोर्ड बैठक में वाराणसी की प्रस्तावित जीटी रोड बाईपास भूमि विकास एवं गृहस्थान "पूरक" योजना के लिए 4 .6870 हेक्टेयर जमीन अर्जित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। उप आवास आयुक्त चंदन पटेल ने बताया कि यह जमीन योजना के अप्रोच रोड के लिए जरूरी है।

7000 खाली फ्लैट की कीमत कम कर बेचेगा आवास विकास

लखनऊ, अमृत विचार : शहर में अपना आशियाना बनाने की चाहत रखने वालों के लिए खुशी का मौका है। आवास विकास फ्लैट और जमीनों के दाम अभी नहीं बढ़ाएगा। इसके लिए कमेटी बनाई गई है, जो एक हफ्ते में निर्णय लेगी। आवास विकास की बोर्ड बैठक में यह निर्णय लिया गया। अपर आवास आयुक्त एवं सचिव डॉ. नीरज शुक्ला ने बताया कि एकमुश्त 60 दिन में भुगतान करने पर फ्लैट पर छूट की योजना समाप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि शासन की आदर्श कॉस्टिंग गाइडलाइन 2025 के तहत प्रदेश में लगभग 7000 खाली फ्लैट की कीमत कम की जाएगी।

अमृत विचार

गुरुवार, 30 अप्रैल 2026

कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता। माफ करना शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है।
–महात्मा गांधी

उड़ान पर संकट

भारत में विमानन ईंधन- एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में हालिया उछाल ने पूरे नागरिक उड्डयन क्षेत्र को असहज स्थिति में ला खड़ा किया है। फरवरी में इसके दाम साढ़े 91 हजार रुपये के आसपास प्रति किलो लीटर थे, वहीं अप्रैल तक यह दो लाख रुपये के पार पहुंच गया। सवाल यह है कि क्या यह वृद्धि अस्थायी है और क्या एयरलाइंस इसे बिना यात्रियों पर बोझ डाले समायोजित कर सकती हैं?

वास्तविकता यह है कि एटीएफ किसी भी एयरलाइन की परिचालन लागत का सबसे बड़ा घटक है। सामान्य परिस्थितियों में इसका हिस्सा 40 फीसद के आसपास रहता है, लेकिन मौजूदा उछाल ने इसे 60 प्रतिशत से ऊपर पहुंचा दिया है। ऐसे मेंफेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस द्वारा 'परिचालन बंद होने' की चेतावनी महज दबाव की राजनीति नहीं, आर्थिक यथार्थ भी है। बिना किराया बढ़ाए लागत समायोजन लगभग असंभव है। ठीक है कि सरकार ने अतीत में विमानन क्षेत्र को राहत दी है— कभी एटीएफ पर करों में कमी, तो कभी डायनेमिक प्राइसिंग और सीट-आधारित किराया वसूली की छूट देकर, परंतु इस बार स्थिति अधिक जटिल है। यदि सरकार करों में बड़ी कटौती करे या उत्पाद शुल्क घटाए तो राजस्व पर सीधा असर पड़ेगा। अनुमानतः एक प्रतिशत उत्पाद शुल्क में कमी से ही हजारों करोड़ रुपये का वार्षिक नुकसान हो सकता है, जो पहले से दबाव में चल रहे राजकोष के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। यदि एयरलाइंस को पूरी छूट दी जाती है कि वे टिकट कीमतें बढ़ाएं, तो 'हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा कर सके' यह सपना टूट जाएगा। पिछले एक दशक में मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोग बड़ी संख्या में उड़ान भरने लगे हैं। किराये में तीव्र वृद्धि इस सामाजिक-आर्थिक बदलाव को उलट सकती है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के किराए के अलग-अलग मूल्य निर्धारण तर्कसंगत होने के बावजूद मौजूदा संकट में जब एयरलाइंस समान मूल्य निर्धारण या अधिक लचीलापन चाहती हैं, ताकि घाटे की भरपाई हो सके तो इस पर सोचना चाहिए। घाटे की भरपाई के लिए एयरलाइंस यात्रियों की सुविधाओं में कटौती करेंगी या सुरक्षा से समझौता करेंगी, यह आशंका सैद्धांतिक रूप से मौजूद है, पर व्यवहार में सुरक्षा मानकों को ढीला करना संभव नहीं, क्योंकि विमानन कंपनियां अंतर्राष्ट्रीय नियमों और भारत के डीजीसीए के सख्त नियंत्रण में है। कंपनियां सेवाओं जैसे भोजन, बैगेज या लाउंज सुविधाओं में कटौती कर सकती हैं। इस परिस्थिति में सरकार और उद्योग के बीच संतुलित दृष्टिकोण परम आवश्यक है। अल्पकाल में राज्य सरकारों द्वारा करों में अस्थायी कमी, केंद्र द्वारा सीमित उत्पाद शुल्क राहत और एयरलाइंस द्वारा आंशिक किराया समायोजन बढ़े बोझ को साझा कर सकते हैं। बाद में एटीएफ को जीएसटी के दायरे में लाकर कीमतों में स्थिरता लाई जा सकती है।

चुनावों के बाद कीमतों में वृद्धि वैश्विक तेल बाजार की दिशा पर निर्भर करेगा। यदि कच्चे तेल के दाम ऊंचे रहते हैं, तो ईंधन और किराए दोनों पर दबाव बना रहेगा। फिलहाल संकट केवल एयरलाइंस का नहीं, बल्कि पूरे आर्थिक तंत्र का है। ऐसे में समाधान भी एकतरफा नहीं, बल्कि साझेदारी में ही निकलेगा— ताकि उड़ानें भी जारी रहें और यात्रियों का भरोसा भी कायम रहे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से हो रहा है याददाश्त का क्षरण

डॉ. शिवम् भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

तकनीक ने मनुष्य को तमाम सहूलियतें दी हैं और धीरे-धीरे उसे अपने ऊपर निर्भर भी बनाया है। पहिए से लेकर इंटरनेट तक हर आविष्कार ने श्रम घटाया, गति बढ़ाई और जीवन को सरल बनाया। यही उसकी उपलब्धि है, लेकिन जब सुविधा, क्षमता का विस्तार करने के बजाय उसका विकल्प बनने लगे, तब वही प्रगति एक अनचाहे संकट का रूप भी लेने लगती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेज़ी से बढ़ते उपयोग के बीच यह प्रश्न अब टालना कठिन है- क्या हम सुविधा के बदले अपनी सोचने की आदत छोड़ते जा रहे हैं?

बहुत समय नहीं बीता, जब फोन नंबर याद रखना सामान्य जीवन-कौशल था। मोबाइल ने यह जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली और स्मरण-शक्ति का वह अभ्यास धीरे-धीरे समाप्त हो गया। यह परिवर्तन उपयोगी था, लेकिन इसके साथ एक मानसिक अनुशासन भी छूट गया। आज वही प्रक्रिया अधिक गहरे स्तर पर काम कर रही है। इस बार स्मृति नहीं, बल्कि समझ, तर्क और निर्णय की क्षमता प्रभावित हो रही है। दफ्तरों, विद्यालयों-विश्वविद्यालयों और निजी जीवन में एआई की उपस्थिति अब अपवाद नहीं, सामान्य स्थिति है। लेखन, अनुवाद, विश्लेषण और निर्णय-सहायता-मशीनें हर स्तर पर सक्रिय हैं। इससे कार्यकुशलता बढ़ी है, लेकिन उसी अनुपात में मनुष्य समस्या-समाधान की प्रक्रिया से बाहर होता जा रहा है। निष्कर्ष तक पहुंचना आसान हुआ है, निष्कर्ष तक पहुंचने की बौद्धिक यात्रा अनावश्यक लगने लगी है।

यहीं 'कॉग्निटिव ऑफलोडिंग' और 'कॉग्निटिव एट्रॉफी' की प्रक्रिया शुरू होती है। जब व्यक्ति लगातार मशीनों पर निर्भर रहता है, तो वह आलोचनात्मक सोच में कम श्रम लगाता है। धीरे-धीरे यह प्रवृत्ति आदत बन जाती है और आदतें ही अंततः बौद्धिक क्षमता की सीमा तय करती हैं। यह सुविधा नहीं, सोचने की जिम्मेदारी का क्रमिक स्थानांतरण है। यह बदलाव अमूर्त नहीं है बल्कि हमारी रोज़मर्रा की आदतों में दर्ज है। दिशा-निर्धारण के लिए जीपीएस पर निर्भरता ने स्थानिक स्मृति को कमजोर किया है। साधारण गणना के लिए कैलकुलेटर, सामान्य लेखन के लिए एआई और तमाम आसान-जटिल प्रश्नों के लिए तैयार उत्तर- ये सब मिलकर ऐसी मानसिक संरचना बना रहे हैं, जिसमें उत्तर मिल जाता है, पर उत्तर तक पहुंचने की प्रक्रिया छूट जाती है और जब प्रक्रिया छूटती है, तो केवल परिणाम नहीं, आत्मविश्वास भी मशीन के हवाले होने लगता है।

समस्या तकनीक में नहीं, उसके सामने आत्मसमर्पण में है। उपकरण तब तक उपयोगी हैं, जब तक वे मानव क्षमता को बढ़ाते हैं, जैसे ही वे उसका स्थान लेने लगते हैं, वे उसे निष्क्रिय करने लगते हैं। एआई का वास्तविक संकट इसी बिंदु पर है- वह सोचने की जगह उपलब्ध कराता है और मनुष्य धीरे-धीरे उस स्थान को खाली छोड़ने लगता है। सोचना केवल निष्कर्ष तक पहुंचना नहीं है। यह वह प्रक्रिया है जो विवेक, तर्क और निर्णय-क्षमता को गढ़ती है। कठिन प्रश्नों से जूझना, असहमति को समझना और त्रुटियों से सीखना— यही बौद्धिक परिपक्वता का आधार है। यदि यह पूरा श्रम मशीनों को सौंप दिया जाए, तो परिणाम तो मिल सकता है, पर वह क्षमता नहीं बनती जो जटिल परिस्थितियों में मार्गदर्शन करती है।

एआई की सीमाएं इस जोखिम को और गंभीर बनाती हैं। यह उपलब्ध डेटा और पैटर्न पर आधारित है, जिनमें पूर्वाग्रह और त्रुटियां निहित हो सकती हैं। इसके बावजूद यह अपने उत्तरों को जिस आत्मविश्वास से प्रस्तुत करता है, वह भ्रम पैदा कर सकता है। यदि उपयोगकर्ता के पास स्वतंत्र समझ नहीं है, तो वह सही और गलत के बीच अंतर नहीं कर पाएगा। इस बिंदु पर सुविधा निर्भरता में बदल जाती है और निर्भरता निर्णय-असमर्थता में।

एआई के लाभ स्पष्ट हैं- उत्पादकता में वृद्धि, ज्ञान तक आसान पहुंच और जटिल कार्यों का सरलीकरण, लेकिन स्पष्टता ही पर्याप्त नहीं होती, विवेक भी चाहिए। प्रश्न तकनीक का नहीं, उसके उपयोग का है। क्या वह मनुष्य को अधिक सक्षम बना रही है, या अधिक आश्रित? यहीं से संस्थानों की जिम्मेदारी शुरू होती है। शिक्षा-प्रणाली यदि केवल परिणाम देने वाली तकनीकों को बढ़ावा देगी, तो वह सोचने की प्रक्रिया को हाशिए पर धकेल देगी। कार्य स्थल यदि केवल गति को महत्व देंगे, तो विश्लेषण और विवेक कमजोर होंगे और यदि नीति-निर्माता इस बदलाव को केवल नवाचार के उत्सव के रूप में देखेंगे, तो उसके सामाजिक परिणाम अनदेखे रह जाएंगे।

इसलिए एक स्पष्ट बौद्धिक अनुशासन आवश्यक है- पहले तर्क, फिर तकनीक; पहले विश्लेषण, फिर स्वचालन; पहले सत्यापन, फिर प्रसार। तकनीक सहायक हो सकती है, लेकिन समझ का विकल्प नहीं। अंततः यह प्रश्न व्यक्तिगत भी है और सामूहिक भी। क्या हम सुविधा के कारण अपनी बौद्धिक जिम्मेदारी से बच रहे हैं? यदि ऐसा है, तो यह आदत नहीं, बौद्धिक चरित्र का परिवर्तन है। तकनीक का विस्तार अनिवार्य है, लेकिन विचारों का संकुचन नहीं। यदि सुविधा सोच का स्थान लेने लगे, तो यह प्रगति नहीं— विवेक की आउटसोर्सिंग है।

अब चुनौती केवल संतुलन की नहीं, सजगता की है। एआई के साथ हमारा संबंध यह तय करेगा कि वह हमारी क्षमताओं का विस्तार बनेगा या उनका विकल्प। आवश्यक है कि निर्णय की अंतिम जिम्मेदारी मनुष्य के पास ही रहे- जहां तर्क, अनुभव और नैतिक विवेक मिलकर दिशा तय करते हैं। यदि यह केंद्र कमजोर पड़ता है, तो तकनीक की दक्षता भी हमें सही मार्ग नहीं दे पाएगी। जरूरी है कि मनुष्य तकनीक का उपयोग करे, पर उसके आगे न झुके, क्योंकि जिस दिन विचार का श्रम अनावश्यक लगने लगेगा, उसी दिन विवेक भी अनावश्यक प्रतीत होगा और जब विवेक ही हाशिए पर चला जाए, तो प्रगति का कोई भी दावा अंततः खोखला रह जाएगा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

एआई के तेजी से बढ़ते उपयोग के बीच यह प्रश्न अब टालना कठिन है कि क्या हम सुविधा के बदले अपनी सोचने की आदत छोड़ते जा रहे हैं? अब निष्कर्ष तक पहुंचने की बौद्धिक यात्रा अनावश्यक लगने लगी है।

सोशल फोरम

नाव वाली निन्ह

निन्ह-बिन्ह में हमारी नाव की चालक एक बालिका थी। वैसे चेहरे और बनावट से वियतनाम की अधिकांश महिलाएं बालिका ही लगती हैं। नदी किनारे से बीच में आते ही वह पांव से नाव चलाने लगी। पहले तो हमें लगा कि हमें प्रभावित करने के लिए करतब दिखा रही है, लेकिन आसपास देखा तो सभी नाविक पांव से ही नाव चला रहे थे।

अनूप शुक्ल
लेखक

बालिका ने टूटी-फूटी अंग्रेजी में बताया कि आने-जाने का छह किलोमीटर का रास्ता है, नदी में नाव चलाने का। दो घंटे लगातार पांव से नाव चलाती रही। बताया- 'यहां ऐसे ही चलाते हैं नाव। एक्सरसाइज हो जाती है। थक जाने पर कभी-कभी हाथ से भी चप्पू चला लेते हैं।'

बातचीत शुरू होने पर अपने बारे में उसने विस्तार से बताया। नाम जितनी बार बताया हमने उतनी बार जो समझा वह सही नहीं था। हारकर हम मोबाइल की शरण में गए। उसने अपने मोबाइल में लिखकर अपना नाम बताया- Linh. इसके बाद पूरी नाव चलाने के दौरान बातचीत होती रही। बातचीत में भाषा बाधा आने पर वह मुंह से मोबाइल में बोलकर उसको हमारे सामने कर देती। उसमें उसकी कहीं बात अंग्रेजी में अनुवादित होकर हमारे सामने आ जाती।

Linh ने बताया कि वह बारह साल की उम्र से नाव चला रही है। अठारह साल हो गए नदी में नाव चलाते हुए। इस बीच स्कूल की पढ़ाई भी पूरी की उसने। पति उसका एक रेस्टोरेंट में सफाई का काम करता है। दो बच्चे हैं एक चार साल का दूसरा दो साल का। पति-पत्नी दोनों काम करते हैं तो घर में बच्चों की देखभाल Linh की सास करती हैं। माता-पिता गांव वाले घर में रहते हैं। दोनों कढ़ाई और वाशिंग का काम करते हैं। पिता की उमर 65 साल की है।

Linh से बातचीत करके पता चला कि निन्ह-बिन्ह में क़रीब 1500 नाव चलती हैं। प्रतिदिन दो से तीन फेरे लग जाते हैं नाव के। बरसात में भी लोग आते रहते हैं। नाव उसकी अपनी ख़ुद की है। हमने पूछा- 'कितने की ली नाव?' उसने अपने हाथ बड़ा करके और मुंह पूरा खोलकर बताया- 'बहुत मंहगी है नाव।' हमने भी आगे नहीं पूछा।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वियतनाम में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी दुनिया में सबसे अधिक दरों में से एक है, जो लगभग 68% से 75% के बीच है। 15 वर्ष से अधिक आयु की लगभग 70% से अधिक वियतनामी महिलाएं आर्थिक रूप से सक्रिय हैं।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

भारत-न्यूजीलैंड समझौता नए अवसरों का नया युग

भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक आर्थिक करार नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों के बीच गहरे होते भरोसे, सहयोग और भविष्य की साझा संभावनाओं का प्रतीक भी है। इस समझौते के जरिए न सिर्फ व्यापारिक रिश्तों को नई गति मिलेगी, बल्कि किसानों, व्यापारियों, छात्रों और नौकरीपेशा युवाओं के लिए भी नए दरवाजे खुलेंगे। यह डील ऐसे समय में सामने आई है, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों से गुजर रही है और देशों के बीच मजबूत साझेदारी की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है।

इस समझौते पर भारत की ओर से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले ने हस्ताक्षर किए, जबकि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसे दोनों देशों के लिए ऐतिहासिक बताया। यह समझौता अब न्यूजीलैंड की संसद में अनुमोदन के बाद पूरी तरह लागू होगा, लेकिन इसके संभावित प्रभाव अभी से चर्चा का केंद्र बन चुके हैं।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

एफटीए के तहत न्यूजीलैंड भारतीय निर्यात पर लगभग सभी टैरिफ समाप्त कर देगा, जिससे भारतीय उत्पाद वहां सस्ते और अधिक प्रतिस्पर्धी बन जाएंगे। इसके जवाब में भारत भी न्यूजीलैंड से आने वाले लगभग 95 प्रतिशत उत्पादों पर शुल्क में भारी कमी करेगा। इस तरह यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित और व्यापक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले पांच वर्षों में दोनों देशों ने व्यापार को पांच अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जो वर्तमान स्तर की तुलना में एक बड़ा उछाल होगा।

इस समझौते का सबसे बड़ा लाभ भारत के उन क्षेत्रों को मिलेगा जो निर्यात पर निर्भर हैं। रेडीमेड गारमेंट्स, चमड़ा, जूते, समुद्री उत्पाद, आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और हस्तशिल्प जैसे सेक्टर न्यूजीलैंड के बाजार में बिना शुल्क के प्रवेश कर सकेंगे। इससे भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ेगी और देश के एमएसएमई सेक्टर को मजबूती मिलेगी। छोटे और मध्यम उद्योग, जो अक्सर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाते हैं, उन्हें इस डील के जरिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अपनी पहचान बनाने का मौका मिलेगा।

किसानों के लिए भी यह समझौता राहत लेकर आया है, हालांकि भारत ने डेयरी, कॉफी, मसाले, खाद्य तेल और कुछ अन्य संवेदनशील कृषि उत्पादों को इस समझौते से बाहर रखा है, ताकि घरेलू किसानों को नुकसान न हो। यह एक संतुलित रणनीति है, जिससे जहां एक ओर व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर किसानों के हितों की भी रक्षा होगी। दूसरी तरफ, भारत को न्यूजीलैंड से लकड़ी, कोकिंग कोल और धातु स्क्रैप जैसे औद्योगिक कच्चे माल पर ड्यूटी-फ्री पहुंच मिलेगी। इससे भारतीय उद्योगों की उत्पादन लागत कम होगी और विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती मिलेगी।

यह समझौता केवल वस्तुओं के व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवा क्षेत्र और मानव संसाधन के आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देता है। भारतीय युवाओं के लिए यह एक बड़ा अवसर बनकर सामने आया है। इस डील के तहत हजारों भारतीय पेशेवरों को न्यूजीलैंड में काम करने के लिए अस्थायी वीजा मिलेगा। आईटी विशेषज्ञ, इंजीनियर, डॉक्टर, नर्स, योग प्रशिक्षक, शेफ और संगीत शिक्षक जैसे पेशों के लिए नए अवसर खुलेंगे। इससे न केवल युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय अनुभव मिलेगा, बल्कि भारत के सेवा क्षेत्र के निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

प्रसंगवश

शहरों का ढांचा बुनने वाले फिर भी हाशिए पर खड़े

भोर की पहली किरण जब शहर की नींद पर धीरे से दस्तक देती है, उसी समय किसी निर्माण स्थल पर हथौड़े की चोटें नए कल की नींव रखने लगती हैं। यह ध्वनि केवल पत्थर नहीं तराशती, बल्कि उस भविष्य को गढ़ती हैं, जिसे हम विकास के नाम से पहचानते हैं। धूल से सने, छालों से भरे ये हाथ ही वे अदृश्य निर्माता हैं, जिनकी मेहनत से कांच जैसी ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कों की रेखाएं और उड़ान भरते एयरपोर्ट खड़े होते हैं। सुबह पांच बजे चाय की भाप के बीच वे अपने बच्चों के सपनों को संवारते हैं, जबकि स्वयं शहर की रोशनी से दूर, तिरपाल के साए में रातें काटते हैं। उनकी थकान ही उनकी ताकत है— जीने की, बनाने की और टूटे सपनों को फिर से खड़ा करने की अदम्य जिद।

ये मजदूर जिसे हम 'अनस्किल्ड' कहकर खारिज करते हैं, दरअसल सबसे जरूरी स्किल रखते हैं— वो स्किल जो मशीनें अभी सीख नहीं पाईं। ये लोग बिना तकनीक के भी प्रकृति के संकेत पहचान लेते हैं,

कृति जैन
लेखिका

सीमित संसाधनों में समाधान खोज लेते हैं और छोटी-सी सजगता से बड़े जोखिम टाल देते हैं। शहरों की ऊंचाइयां इन्हीं के परिश्रम से आकार लेती हैं, फिर भी वे व्यवस्था के किनारों पर ही खड़े रह जाते हैं। कोई तपती सड़क पर डिलीवरी करता है, कोई आग की लपटों में वेल्डिंग कर भविष्य गढ़ता है, तो कोई दूसरों के घरों में सेवा देकर जीवन को सहारा देता है। उनकी पहचान फिर भी केवल 'मजदूर' तक सिमटी रहती है। वास्तव में वे समाज की रीढ़ हैं— जिनके बिना आधुनिकता का ढांचा ढह सकता है, और अगर ये हाथ थम जाएं तो स्मार्ट सिटी का सपना भी बिखर जाएगा।

विकास की ऊंचाइयों पर खड़ा आज का भारत, उन्हीं श्रमिक हाथों की नींव पर टिका है, जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि अनौपचारिक क्षेत्र लगभग 12.81 करोड़ श्रमिकों को रोजगार देता है, जबकि निर्माण क्षेत्र में 90 प्रतिशत से अधिक कार्यबल असंगठित है। करीब 15 करोड़ प्रवासी मजदूर अर्थव्यवस्था को गति दे रहे हैं और अनौपचारिक क्षेत्र कुल जीडीपी का लगभग 50 प्रतिशत योगदान करता है। ई-श्रम पोर्टल पर 31 करोड़ से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं। ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि उन अनगिनत कहानियों की गवाही हैं, जहां पेट भरने के लिए कोई बिहार से दिल्ली, कोई उत्तर प्रदेश से मुंबई पहुंचता है। उनकी निःशब्द मेहनत ही देश की प्रगति का असली आधार है।

मजदूरों का संघर्ष अब केवल वेतन या कार्य-घंटों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सम्मान, सुरक्षा और सुरक्षित भविष्य की लड़ाई बन चुका है। गिग अर्थव्यवस्था में काम करने वाले लाखों युवा तपती धूप और ठंडी रातों में सेवाएं देते हैं, फिर भी उन्हें पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलती। महिलाएं घरेलू कार्य से लेकर निर्माण स्थलों तक अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं, लेकिन समान अवसर और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अभी भी गंभीर कमी है।

हमें ऐसे समाज की आवश्यकता है, जहां मेहनत को किसी वर्ग या दर्जे से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक मूल्य और गरिमा के आधार पर देखा जाए। जहां कोई बच्चा अपने पिता को मजदूर कहकर शर्मिंदा न हो, बल्कि पूरे गर्व से उनका सम्मान करे। नीतियां ऐसी हों कि एआई मजदूरों का सशक्त सहायक बने, उन्हें ऑनलाइन कौशल प्रशिक्षण, वास्तविक समय सुरक्षा निगरानी और न्यायसंगत आय की सुनिश्चितता दे। निर्माण स्थलों पर एआई-सहायता प्राप्त आधुनिक उपकरण श्रम का बोझ भले हल्का करें, लेकिन आत्मसम्मान और गौरव को कभी कम न करें। जब तक उनकी मुस्कान विकास की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बनती, तब तक हर उपलब्धि अधूरी ही रहेगी। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

आमने

दिल्ली में बिहार का युवक मारा गया है, कोई ऐसी बात होगी तो इसकी जांच की जाएगी। जांच के बाद अगर कोई दोषी होगा, तो उस पर आवश्यक कार्रवाई होगी। इसमें कौन बड़ी बात है, मार दिया तो मार दिया, कोई ऐसे ही जानबूझकर कोई किसी को नहीं मार देता है।

–जीतन राम मांझी
केंद्रीय मंत्री

सामने

दिल्ली में जो घटना हुई है, वो बहुत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। जीतन राम मांझी ने जो कहा है, जो बयान दिया, 'मार दिया तो मार दिया, मरते रहते हैं' हमने वो बयान देखा है। इस तरह का घटिया बयान देने के लिए जीतन राम मांझी को बिहार के लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

–तेजस्वी यादव
राजद नेता

'आप' के लिए आत्ममंथन का समय

जयदेव राठी
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

आम आदमी पार्टी की बिखरती झाड़ू अब सिर्फ विपक्षी दलों को दोष देकर नहीं बांधी जा सकती। 24 अप्रैल 2026 को दिल्ली में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस ने पार्टी की आंतरिक स्थिति को पूरी तरह उजागर कर दिया। राघव चड्ढा के नेतृत्व में सात राज्यसभा सांसदों ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया और भाजपा में विलय की घोषणा कर दी। यह विद्रोह कोई अचानक घटना नहीं है। यह लंबे समय से चली आ रही आंतरिक कलह, सिद्धांतों से समझौते और एक व्यक्ति केंद्रित सत्ता की परिणति है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और केजरीवाल ने इसे 'पंजाब के स्वाभिमान पर चोट' और 'गद्दारी' करार दिया है, लेकिन सच्चाई यह है कि समस्या बाहरी नहीं, बल्कि पार्टी के अंदरूनी ढांचे में गहरी जड़ें जमाए हुए है। केजरीवाल को अब विपक्ष को कोसने के बजाय अपने अंदर झांकना चाहिए। वह पार्टी जो 2012 में अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकली थी, आज उसी भ्रष्टाचार के आरोपों में घिर गई है, जिसके खिलाफ उसने जन-आंदोलन छेड़ा था। सादगी, पारदर्शिता और आम आदमी के सिद्धांतों पर पार्टी बनी थी।

सात सांसदों के इस्तीफे के पीछे के कारण स्पष्ट हैं। राघव चड्ढा को हाल ही में राज्यसभा में डिप्टी लीडर के पद से हटा दिया गया था। उन्होंने पार्टी पर आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार अब 'अनचेक' हो गया है और व्यक्तिगत स्वार्थ हावी है। स्वाति मालीवाल, जो दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रहीं और केजरीवाल की करीबी मानी जाती थीं, ने भी 'अनचेक भ्रष्टाचार' का सीधा जिक्र किया। इससे पहले उन्होंने केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार पर हमले का आरोप लगाकर पार्टी की छवि को झटका दिया था।

हरभजन सिंह, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी, सभी ने सामूहिक रूप से यही कहा कि पार्टी मूल मिशन से भटक गई है। यह पहला विद्रोह नहीं है। आप की स्थापना के बाद से ही सिद्धांतों की हत्या, आंतरिक लोकतंत्र की कमी और केजरीवाल की तानाशाही शैली के आरोप लगते रहे हैं। 2014 में ही पार्टी के संस्थापक सदस्य शाजिया इल्मी ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने खुलकर कहा कि पार्टी में 'आंतरिक लोकतंत्र की कमी' है, फैसले एक छोटे समूह द्वारा लिए जा रहे हैं और आलोचना को दबाया जा रहा है। इल्मी, जो पार्टी की शुरुआती चेहरा और प्रवक्ता थीं, बाद में भाजपा में शामिल हो गईं। उसी समय कैप्टन जीआर गोपीनाथ जैसे अन्य संस्थापक सदस्य भी निराश होकर चले गए और उन्होंने पार्टी की रणनीतियों पर सवाल उठाए।

2015 में पार्टी को सबसे बड़ा झटका लगा जब दो संस्थापक सदस्य योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण को 'गंभीर अनुशासनहीनता और एंटी-पार्टी गतिविधि' के आरोप में निष्कासित कर दिया गया। यादव और भूषण ने केजरीवाल पर एकतरफा फैसले लेने, आंतरिक लोकतंत्र की हत्या और टिकट वितरण में भाई-भतीजावाद का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि 'आप अब एक खाप पंचायत की तरह चल रही है, जहां एक छोटा समूह और तानाशाह सारे सपनों को तोड़ रहा है।' उनके साथ आनंद कुमार और अजीत झा को भी बाहर कर दिया गया। 2017-18 का दौर आया, जब एक के बाद एक विद्रोह हुए। कुमार विश्वास, 2018 के आसपास पार्टी से दूरी बनाने लगे। उन्होंने पारदर्शिता की कमी, खासकर राज्यसभा नामांकनों में अनियमितताओं का आरोप लगाया और कहा कि नेतृत्व अब सिद्धांतों से समझौता कर रहा है। 2018 में ही पत्रकार से राजनेता बने अशुतोष ने इस्तीफा दे दिया। उसी साल अलका लांबा को पार्टी ने इस्तीफा देने को कहा। लांबा ने इसे 'एंटी-पार्टी एक्टिविटी' करार दिया। बाद में अल्का लांबा कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गईं। कपिल मिश्रा, जो केजरीवाल सरकार में मंत्री थे, 2017 में ही बागी हो गए। उन्होंने केजरीवाल पर भ्रष्टाचार का सीधा आरोप लगाया। कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन से करोड़ों रुपये नकद लेने का दावा किया। मिश्रा को कैबिनेट से हटा दिया गया और बाद में वे 2019 में भाजपा में शामिल हो गए।

एचएस फूलका, अशोक खेतान और कई अन्य दिल्ली इकाई के नेता भी इसी दौर में चले गए, आंतरिक लोकतंत्र की कमी और व्यक्तिगत स्वार्थ को वजह बताते हुए। आप पार्टी छोड़ चुके, नवीन जयहिंद ने भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। पंजाब में भी 2022 विधानसभा चुनाव से पहले कम से कम 11 विधायकों ने या तो इस्तीफा दे दिया या अयोग्य ठहराए गए। हर बार असहमति को 'गद्दारी' या 'विपक्षी साजिश' बताकर दबाया गया, लेकिन समस्या जड़ में थी- केजरीवाल की एकल सत्ता और फैसलों की एकतरफा प्रक्रिया।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

पिछले कुछ सालों में आम आदमी पार्टी से जिस तरह लोग गए हैं, अब उस पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पार्टी के लिए यह आत्ममंथन का समय है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

वर्ड स्मिथ

Good शब्द की उत्पत्ति

'Good' शब्द की कहानी भाषा के विकास के साथ जुड़ी एक रोचक यात्रा है। आज हम जिस 'good' का इस्तेमाल 'अच्छा' या 'उत्तम' के अर्थ में करते हैं, उसकी जड़ें हजारों साल पुरानी हैं। यह शब्द सबसे पहले प्राचीन अंग्रेजी (Old English) में 'god' के रूप में प्रचलित था। उस समय इसका अर्थ सिर्फ 'अच्छा' नहीं, बल्कि 'सही, नैतिक और उपयुक्त' भी होता था।

'god' शब्द जर्मनिक भाषा परिवार से आया है, जिसमें जर्मन, डच और स्कैंडिनेवियाई भाषाएं शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि जर्मन भाषा में आज भी 'gut' शब्द इस्तेमाल होता है, जिसका अर्थ भी 'अच्छा' ही है। इससे पता चलता है कि 'good' का मूल अर्थ और भाव सदियों से लगभग एक जैसा ही बना हुआ है। समय के साथ जब अंग्रेजी भाषा में बदलाव आए खासकर मिडिल इंग्लिश (Middle English) के दौर में तो 'god' की स्पेलिंग बदलकर 'good' हो गई। इस दौरान उच्चारण में भी थोड़ा परिवर्तन आया, लेकिन अर्थ वही रहा। 'Good' शब्द का उपयोग धीरे-धीरे और व्यापक हो गया। यह सिर्फ किसी वस्तु या व्यक्ति की गुणवत्ता बताने के लिए ही नहीं, बल्कि भावनाओं, व्यवहार और नैतिकता को व्यक्त करने के लिए भी इस्तेमाल होने लगा। जैसे 'good person', 'good work' या 'feel good'। इस तरह 'good' शब्द केवल एक साधारण विशेषण नहीं, बल्कि भाषा और संस्कृति के विकास की एक जीवंत मिसाल है, जो हमें यह दिखाता है कि शब्द समय के साथ बदलते हुए भी अपने मूल भाव को बनाए रखते हैं।

नोटिस बोर्ड

परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 4 मई

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने जून 2026 सत्रांत परीक्षा के लिए अहम तिथियां घोषित की हैं। क्षेत्रीय समन्वयक के अनुसार, सभी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को असाइनमेंट 2 मई तक अध्ययन केंद्रों पर जमा करने होंगे। परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया 5 अप्रैल से जारी है, जिसकी अंतिम तिथि 4 मई निर्धारित की गई है। अनुत्तीर्ण या अनुपस्थित छात्र भी इस अवधि में आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद फॉर्म भरने पर 1200 रुपये विलंब शुल्क लगेगा, जबकि परीक्षा शुल्क 150 रुपये प्रति प्रश्नपत्र तय किया गया है।

रोजगार मेला का आयोजन

कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग की ओर से 5 मई को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान श्रीनगर गढ़वाल में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला सुबह 11 बजे शुरू होगा। क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज मोटर्स समेत 10-12 कंपनियां शामिल होंगी। करीब 700-800 पदों पर भर्ती की संभावना है। हाईस्कूल से लेकर आईटीआई, डिप्लोमा और स्नातक योग्य अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। उम्मीदवार आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर निर्धारित समय पर उपस्थित हों।

कैम्पस

क्रिएटिव युवाओं के लिए सुनहरा भविष्य

फैशन स्टाइलिंग

आज के दौर में फैशन केवल कपड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह एक तेजी से बढ़ती हुई क्रिएटिव इंडस्ट्री बन चुका है, जहां स्टाइल, पर्सनालिटी और प्रेजेंटेशन का खास महत्व है। सोशल मीडिया, फिल्म इंडस्ट्री और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव ने फैशन स्टाइलिंग को एक ग्लैमरस और डिमांडिंग करियर बना दिया है। आपको नए-नए लुक्स एक्सपेरिमेंट करना, ट्रेंड्स को समझना और लोगों की पर्सनालिटी को बेहतर बनाना पसंद है, तो फैशन स्टाइलिंग कोर्स आपके लिए एक शानदार विकल्प साबित हो सकता है।

प्रियंका शुक्ला
फैशन एक्सपर्ट

क्या है फैशन स्टाइलिंग

फैशन स्टाइलिंग एक ऐसी कला है, जिसमें किसी व्यक्ति, मॉडल, सेलिब्रिटी या ब्रांड के लिए परफेक्ट लुक तैयार किया जाता है। इसमें कपड़ों के साथ-साथ एक्सेसरीज, फुटवियर, हेयरस्टाइल और मेकअप का सही संयोजन शामिल होता है। एक स्टाइलिस्ट को यह समझना होता है कि किसी खास मौके, थीम या इवेंट के अनुसार कौन-सा लुक सबसे बेहतर रहेगा। आज के समय में फैशन स्टाइलिंग का उपयोग फिल्मों, टीवी शो, वेब सीरीज, फोटोशूट, फैशन शो और सोशल मीडिया कंटेंट में बड़े स्तर पर किया जाता है। यही कारण है कि इस फील्ड में प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है।

क्या-क्या सिखाया जाता है कोर्स में

फैशन स्टाइलिंग कोर्स सिर्फ कपड़े चुनने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यक्ति की पूरी पर्सनालिटी को निखारने पर आधारित होता है। इस कोर्स में आपको कई महत्वपूर्ण स्किल्स सिखाई जाती हैं, जैसे-

- लेटेस्ट फैशन ट्रेंड्स और फोरकास्टिंग की समझ
- कलर थ्योरी और सही कलर कॉम्बिनेशन
- बॉडी टाइप और स्किन टोन के अनुसार स्टाइलिंग
- फोटोशूट, एड शूट और रैंप के लिए स्टाइलिंग टेक्निक्स
- एक्सेसरीज और लेयरिंग का सही उपयोग
- बेसिक मेकअप और हेयर स्टाइलिंग
- वार्डरोब मैनेजमेंट और ब्रांड स्टाइलिंग

इसके अलावा, कई इंस्टीट्यूट्स में इंडस्ट्री एक्सपोजर, इंटर्नशिप और लाइव प्रोजेक्ट्स भी करवाए जाते हैं, जिससे छात्रों को रियल वर्ल्ड का अनुभव मिलता है। भारत में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (NIFT), पर्ल एकेडमी और अन्य फैशन स्कूल्स इस कोर्स को प्रोफेशनल तरीके से सिखाते हैं।

करियर ऑप्शन

फैशन स्टाइलिंग कोर्स करने के बाद आपके सामने करियर के कई रास्ते खुल जाते हैं। आप अपनी रुचि और स्किल्स के अनुसार अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर सकते हैं-

- पर्सनल स्टाइलिस्ट (सेलिब्रिटी या क्लाइंट के लिए)
- फैशन कंसल्टेंट
- फोटोशूट या एड फिल्म स्टाइलिस्ट
- टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में कॉस्ट्यूम स्टाइलिस्ट
- ई-कॉमर्स या ब्रांड्स के लिए स्टाइलिंग एक्सपर्ट
- फैशन ब्लॉगर, कंटेंट क्रिएटर या इन्फ्लुएंसर
- आज इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने भी इस फील्ड में नए अवसर पैदा किए हैं, जहां आप अपनी पहचान खुद बना सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

सिर्फ कोर्स करना ही काफी नहीं होता, बल्कि इस इंडस्ट्री में सफल होने के लिए कुछ जरूरी स्किल्स भी चाहिए-

- क्रिएटिविटी और यूनिक सोच
- ट्रेंड्स को समझने और अपनाने की क्षमता
- कम्युनिकेशन और नेटवर्किंग स्किल्स
- टाइम मैनेजमेंट और प्रोजेक्ट हैंडलिंग
- डिटेल्स पर ध्यान देने की आदत

सैलरी

फैशन स्टाइलिंग में शुरुआती सैलरी आमतौर पर 15,000 से 30,000 रुपये प्रति माह तक हो सकती है। जैसे-जैसे आपका अनुभव और पोर्टफोलियो मजबूत होता जाता है, आपकी कमाई भी तेजी से बढ़ती है। कुछ अनुभवी स्टाइलिस्ट्स लाखों रुपये तक कमा लेते हैं। फ्रीलांसिंग इस फील्ड का सबसे आकर्षक हिस्सा है, जहां आप एक प्रोजेक्ट के लिए हजारों से लेकर लाखों रुपये तक चार्ज कर सकते हैं। खासकर जब आप बड़े ब्रांड्स, इन्फ्लुएंसर्स या सेलिब्रिटीज के साथ काम करते हैं, तो आपकी कमाई कई गुना बढ़ सकती है।

फैशन स्टाइलिंग एक ऐसा करियर है, जो न सिर्फ क्रिएटिव संतुष्टि देता है, बल्कि आपको ग्लैमर और पहचान भी दिलाता है। अगर आपके अंदर फैशन के प्रति जुनून, नई चीजें सीखने की इच्छा और लोगों को स्टाइलिश बनाने का टैलेंट है, तो यह फील्ड आपके लिए बेहतरीन अवसरों से भरा हुआ है।

किस्सा कैंपस का

कॉलेज ने दी मुझे मेरी आवाज

1990-91 का वह दौर बदलाव का समय था। इंटरमीडिएट की परीक्षा पास करने के बाद जब मैंने कानपुर के प्रतिष्ठित पीपीएन महाविद्यालय में बीए प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया, तो मन में उत्साह भी था और थोड़ी घबराहट भी। अब तक की शिक्षा लड़कों के स्कूल में हुई थी, जहां एक अनुशासन की सीमा थी, लेकिन कॉलेज का पहला दिन एक पूरी तरह से अलग दुनिया का अहसास करा रहा था। जैसे ही मैंने कॉलेज के भारी गेट से अंदर कदम रखा, नजारा बिल्कुल नया था। पहली बार मैं एक ऐसी जगह था, जहां सह-शिक्षा (Co-education) थी। लड़कों और लड़कियों को एक साथ कैंपस में देखना और कॉलेज की वह बेफिक्र आज़ादी शुरुआत में थोड़ी अजीब लगी। ठीक 9:00 बजे मेरी पहली क्लास हिंदी की थी। वह 45 मिनट की क्लास आज भी याद है, जहां प्रोफेसर के शब्दों से ज्यादा मेरा ध्यान खिड़की के बाहर दिखते कॉलेज के विशाल मैदान और नई दुनिया पर था। माहौल का रंग और मन में उठती हलचल धीरे-धीरे मैं कॉलेज के माहौल में ढलने लगा।

अनूप अवस्थी
कानपुर

पढ़ाई के साथ-साथ फुर्सत के पलों में मेरा ठिकाना 'छात्र संघ भवन' बनने लगा। यहां बैठकर छात्रों की बातें सुनना और कैंपस की राजनीति को समझना मेरी दिनचर्या का हिस्सा हो गया, लेकिन इसी बीच मैंने कुछ ऐसा महसूस किया, जो मुझे भीतर तक खटकने लगा। कॉलेज के शांत और शैक्षिक माहौल में कुछ बाहरी तत्व और अराजक लड़के अनावश्यक हस्तक्षेप कर रहे थे। कैंपस में उनकी मौजूदगी और व्यवहार साधारण छात्रों के लिए असुविधाजनक था। वहीं से मेरे भीतर एक बदलाव आया। मैंने तय किया कि मैं केवल एक छात्र बनकर नहीं रहूंगा, बल्कि इस संस्थान की गरिमा की रक्षा करूंगा। मैंने मन बना लिया- मैं छात्र संघ का चुनाव लड़ूंगा। कॉलेज परिसर से असामाजिक तत्वों को बाहर करना और बाहरी लड़कों के प्रवेश पर सख्ती से रोक लगाना। जैसे-जैसे दिन बीते, मेरी इस मुहिम से अन्य छात्र भी जुड़ने लगे। दोस्तों का कारवां बढ़ता गया और मेरी पहचान एक जुझारू छात्र नेता के रूप में होने लगी।

मैंने छात्र संघ के उपाध्यक्ष पद के लिए ताल ठोंकी। चुनाव प्रचार का वह शोर, पोस्टर और साथियों का जोश अद्भुत था। जब परिणाम आए, तो मैं सफल नहीं हो पाया, लेकिन उस हार में भी एक बड़ी जीत छिपी थी। मेरी मुहिम ने कॉलेज प्रशासन और प्राचार्य एन. के. सक्सेना जी का ध्यान खींचा। सक्सेना जी ने मेरे विजन को समझा और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने में मेरा भरपूर सहयोग किया। परिणाम यह हुआ कि वह असामाजिक तत्व धीरे-धीरे कैंपस से गायब होने लगे। पीपीएन कॉलेज में बिताए वे तीन वर्ष महज किताबी शिक्षा के नहीं थे। उन तीन सालों ने मुझे सिखाया कि स्कूल और कॉलेज में बहुत बड़ा अंतर है। स्कूल आपको नियम सिखाता है, लेकिन कॉलेज आपको उन नियमों को लागू करना और समाज की विसंगतियों से लड़ना सिखाता है। 90 के दशक की वह यादें आज भी जहन में ताजा हैं। वह हिंदी की क्लास, छात्र संघ की सीढ़ियां और वह संकल्प जिसने मुझे एक साधारण छात्र से एक जिम्मेदार नागरिक और जनसेवक की राह पर आगे बढ़ाया। पीपीएन कॉलेज ने मुझे मेरी आवाज दी।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में न्यायमूर्ति लीसा गिल ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली है। शपथ ग्रहण समारोह आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में आयोजित किया गया था। राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने 25 अप्रैल को जस्टिस गिल को शपथ दिलाई। जस्टिस गिल ने जस्टिस धीरज सिंह ठाकुर की जगह ली है, जो 24 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो गए।
- हाल ही में भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता नई दिल्ली के भारत मंडपम में हस्ताक्षरित किया गया। इस समझौते पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री माननीय टॉड मैक्ले ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते को दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम के रूप में देखा जा सकता है। इसका उद्देश्य व्यापार बाधाओं को दूर करना, बाजार तक पहुंच में सुधार करना और दीर्घकालिक आर्थिक अवसर पैदा करना है।
- हाल ही में भारत ने एक बड़े आर्थिक बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है, क्योंकि नीति आयोग ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के लिए एक नई दो-चरणों वाली रणनीति पेश की है। डीपीआई का यह नया चरण 2047 तक देश को $30 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखता है। इस रोडमैप का शीर्षक 'DPI@2047: The Roadmap to Prosperity' है, जो यह बताता है कि कैसे डिजिटल सिस्टम अलग-अलग क्षेत्रों में समावेशी विकास, इनोवेशन और उत्पादकता को बढ़ावा देंगे। इस विजन का लक्ष्य प्रति व्यक्ति आय को $18,000 तक पहुंचाना भी है, जो बड़े पैमाने पर आर्थिक सशक्तिकरण का संकेत देता है।
- हाल ही में भारत के क्रिकेट दिग्गज विराट कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में 9000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने यह उपलब्धि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले गए मैच के दौरान हासिल की।

जॉब अलर्ट

भारतीय रिजर्व बैंक सेवा बोर्ड

- पद का नाम-ग्रेड 'B' (DR) में अधिकारी (परिवीक्षा पर) – सामान्य / DEPR / DSIM कैडर
- सेवा-सामान्य कैडर / DEPR कैडर / DSIM कैडर
- कुल रिक्तियां-60 (PwBD पदों सहित)
- वेतनमान -शुरुआती मूल वेतन 78,450/- प्रति माह, 78450-4050(9)-114900-EB-4050(2)-123000-4650(4)-141600 (16 वर्ष) के वेतनमान में, सकल परिलब्धियां लगभग 1,54,936/- प्रति माह (HRA के बिना)
- वेबसाइट -www.rbi.org.in

LIC Housing Finance Limited

- पद का नाम-जूनियर असिस्टेंट
- कुल रिक्तियां-180 पद
- रोजगार का प्रकार-नियमित / स्थायी
- राष्ट्रीयता भारतीय
- आवेदन की अंतिम तिथि-30 अप्रैल 2026
- वेबसाइट-www.lichousing.com

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

- पद का नाम- अप्रेंटिस (अप्रेंटिस अधिनियम, 1961 के तहत नियुक्ति) विभाग मानव संसाधन वर्टिकल, जनशक्ति नियोजन और भर्ती प्रभाग
- कुल पद-1865 (जिसमें 98 PWD शामिल हैं) वजीफा Rs. 15,000/- (ग्रामीण/अर्ध-शहरी) | Rs. 18,000/- (शहरी) | Rs. 20,000/- (मेट्रो) प्रति माह
- प्रशिक्षण की अवधि-अनुबंध की तारीख से एक वर्ष
- आवेदन का तरीका- केवल ऑनलाइन (BFSI SSC पोर्टल के माध्यम से)
- चयन का तरीका- ऑनलाइन परीक्षा (100 अंक, 60 मिनट) + स्थानीय भाषा की प्रवीणता परीक्षा
- वेबसाइट- www.unionbankofindia.co.in

PGIMER चंडीगढ़

- पद-सीनियर रेजिडेंट, सीनियर मेडिकल ऑफिसर, सीनियर/जूनियर डेमोंस्ट्रेटर
- कुल पद-134 पद (PGIMER में 119 + संगरूर में 15)
- आवेदन करने की अंतिम तारीख-11 मई 2026
- CBT की तारीख-22 मई 2026
- वेबसाइट-www.pgimer.edu.in

स्कूल की चौखट पर खड़ा बाजार, भीतर सिमटती शिक्षा

निजी विद्यालयों में एनसीईआरटी पुस्तकों के अनुपालन का सवाल अब महज पाठ्य सामग्री का विवाद नहीं रहा, बल्कि यह देश की शिक्षा व्यवस्था के चरित्र की परीक्षा बन चुका है। जब एक ओर कानून स्पष्ट दिशा देता हो और दूसरी ओर संस्थान स्वार्थवश उससे भटकें, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि नैतिक विचलन का संकेत होता है। अप्रैल 2026 में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा केंद्र, सीबीएसई और सभी राज्यों को जारी नोटिस ने इस विडंबना को उजागर किया है। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या शिक्षा का अधिकार कानून केवल औपचारिक घोषणा बनकर रह गया है या उसे लागू करने की प्रतिबद्धता ही क्षीण हो गई है। यह पूरा घटनाक्रम बताता है कि शिक्षा में समानता का मूल सिद्धांत निरंतर दबाव और उपेक्षा के बीच संघर्ष कर रहा है।

आर के जैन
प्रोफेसर

शिक्षा का अधिकार कानून 2009 की धारा 29 ने स्पष्ट रूप से यह प्रावधान किया था कि प्रारंभिक शिक्षा (कक्षा 1 से 8) में पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का निर्धारण एनसीईआरटी या संबंधित एससीईआरटी द्वारा किया जाएगा। इसी सोच के तहत एनसीईआरटी और एससीईआरटी को पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों के निर्धारण का अधिकार सौंपा गया। इन संस्थाओं द्वारा तैयार पुस्तकें न केवल शैक्षणिक रूप से संतुलित और विश्वसनीय होती हैं, बल्कि आम परिवारों के लिए किफायती भी रहती हैं। इसके विपरीत, निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें इस मूल उद्देश्य को कमजोर करती हैं। जब एक ही कक्षा की पुस्तकों पर हजारों रुपये खर्च होने लगें, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या शिक्षा अब अधिकार से ज्यादा एक लाभकारी व्यापार में बदलती जा रही है।

निजी विद्यालयों में महंगी पुस्तकों को अनिवार्य बनाना कोई आकस्मिक भूल नहीं, बल्कि एक सुव्यवस्थित आर्थिक तंत्र की ओर संकेत करता है। कई स्थानों पर स्कूल और प्रकाशक मिलकर ऐसा गठजोड़ रचते हैं, जिसमें शिक्षा का उद्देश्य पीछे छूट जाता है और मुनाफा केंद्र में आ जाता है। अभिभावकों को "उच्च गुणवत्ता" और "अधिक उपयोगी सामग्री" का हवाला देकर इन पुस्तकों को खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है, जबकि इन दावों की ठोस पुष्टि प्रायः नहीं होती। इस पूरी प्रक्रिया में अभिभावकों की विवशता का व्यवस्थित दोहन होता है और वे विरोध करने में असहाय महसूस करते हैं। ऐसी प्रवृत्ति शिक्षा के नैतिक आधार को कमजोर करती है और संस्थागत विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है।

सबसे चिंताजनक परिणाम एक तेजी से गहराते शिक्षा-विभाजन के रूप में सामने आता है। जहां सरकारी विद्यालयों के बच्चे सस्ती, मानकीकृत और समान पुस्तकों से पढ़ते हैं, वहीं निजी स्कूलों के छात्र महंगी और अलग सामग्री पर निर्भर होते हैं, जिससे उनके ज्ञान का आधार ही भिन्न बन जाता है। यही अंतर आगे चलकर अवसरों की खाई को और चौड़ा कर देता है। मध्यम और निम्न वर्गीय परिवार पहले से ही शिक्षा पर बढ़ते खर्चों का दबाव झेल रहे हैं, ऐसे में किताबों का अतिरिक्त आर्थिक बोझ उनके लिए बेहद असहनीय हो जाता है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को नहीं बढ़ाती, बल्कि समाज में गहराते असंतुलन और विभाजन को भी और मजबूत करती है।

इस पूरे परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की पहल एक महत्वपूर्ण और समयोचित हस्तक्षेप के रूप में सामने आती है, जिसने शिक्षा के अधिकार को मानवाधिकार के व्यापक दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता को और स्पष्ट किया है। अनावश्यक तथा भारी-भरकम पुस्तकों का बढ़ता बोझ बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जो राष्ट्रीय स्कूल बैग पॉलिसी-2020 की मूल भावना के विपरीत है। यदि राज्य सरकारें और संबंधित संस्थाएं अब भी इस मुद्दे पर उदासीन बनी रहती हैं, तो यह केवल प्रशासनिक अक्षमता नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्वों की स्पष्ट उपेक्षा मानी जाएगी। इसलिए इस विषय को अब सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ठोस और प्रभावी कदम उठाना अनिवार्य हो गया है।

समान पाठ्य सामग्री सिर्फ शैक्षणिक जरूरत नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और अवसर की समानता का एक अहम स्तंभ है। अब सरकार और समाज दोनों के सामने यह स्पष्ट विकल्प है कि शिक्षा को बराबरी का सेतु बनाया जाए या उसे विभाजन की खाई में बदलने दिया जाए।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	77,496.36	24,177.65
बढ़त	609.45	181.95
प्रतिशत में	0.79	0.76

सोना 1,52,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,44,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार ,30 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन :-तुलसी 2535, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि . 2695, रविन्द्रा 2480, फॉर्चुन 13kg 2375, जय जवान 2080, सचिन 2300, सूरज 2080, अवसर 2125, उजाला 2070, गृहणी 13 kg 2130, क्लासिक (kg) 2440, मोर 2285, चक्र टिन 2505, ब्लू 2380, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2490

किराना :- निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल :-(प्रति कु0)- डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400

दाल दलहन :- मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी :- द्वारकेश 4300, बहेड़ी 4280, सितारगंज 4250

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम- सोना पक्के आभूषण 151700, सोना गिन्नी 147700, चांदी (पक्की) 2430 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

फेडरल बैंक का शुद्ध लाभ 22 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़कर 1,341 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,091 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। फेडरल बैंक ने बताया कि उसे आयकर रिफंड पर ब्याज के रूप में 456 करोड़ रुपये का एकमुश्त लाभ मिला है।

गंगा एक्सप्रेस-वे से 12 जिलों में आर्थिक क्रांति की नींव

मेरठ से प्रयागराज तक बनेगा एकीकृत आर्थिक नेटवर्क, मैन्युफैक्चरिंग, एग्री-बेस्ड इंडस्ट्री और टेक्सटाइल को मिलेगा बढ़ावा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: गंगा एक्सप्रेस-वे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज जैसे 12 जिलों को जोड़ते हुए व्यापक आर्थिक परिवर्तन की आधारशिला रख रहा है। अलग-अलग क्षेत्रों की आर्थिक विशेषताओं के अनुरूप नए अवसर उभर रहे हैं।

मेरठ-हापुड़ में मैन्युफैक्चरिंग और स्पोर्ट्स गुड्स, बुलंदशहर-अमरोहा में फूड प्रोसेसिंग व डेयरी, शाहजहांपुर-हरदोई में एग्री-बेस्ड इंडस्ट्री, उन्नाव-रायबरेली में टेक्सटाइल व एमएसएमई और प्रयागराज में लॉजिस्टिक्स व टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। इस तरह यह एक्सप्रेस-वे विभिन्न आर्थिक गतिविधियों को जोड़कर एक इंटरकनेक्टेड नेटवर्क तैयार करता है। गंगा एक्सप्रेस-वे को केवल सड़क परियोजना नहीं, बल्कि

- **दो मुख्य टोल प्लाजा, 19 रैंप टोल 9 जनसुविधा परिसर, 960 मीटर लंबे गंगा ब्रिज और 720 मीटर रामगंगा ब्रिज हैं इसकी मजबूती**

इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट कॉरिडोर के रूप में डिजाइन किया गया है। दो मुख्य टोल प्लाजा, 19 रैंप टोल, 9 जनसुविधा परिसर, 960 मीटर लंबे गंगा ब्रिज और 720 मीटर रामगंगा ब्रिज जैसी संरचनाएं इसे मजबूत बनाती हैं। 120 मीटर का राइट ऑफ वे भविष्य के विस्तार और औद्योगिक विकास के लिए पर्याप्त स्थान देता है।

आठ घंटे में पूरा यूपी पार कर जाएंगे यात्री

मुख्यमंत्री योगी की प्रतिबद्धता और सक्रिय निगरानी रही निर्णायक

इस पूरे प्रोजेक्ट की गति बनाए रखने में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रिय निगरानी और प्रतिबद्धता निर्णायक रही। उन्होंने नियमित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठकों के माध्यम से हर चरण की प्रगति पर नजर रखी, जबकि उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) की सक्रिय भूमिका ने जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन को गति दी। ड्रोन सर्वे, डिजिटल ट्रैकिंग और रियल-टाइम मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की गई। परिणामस्वरूप, यह मेगा प्रोजेक्ट न केवल चुनौतियों को पार करता हुआ आगे बढ़ा, बल्कि तय समयसीमा में पूरा होकर प्रभावी प्रशासन और मजबूत नेतृत्व का उदाहरण भी बना।

गाड़ियां ही नहीं, दौड़ेंगे सपने और अवसर

गंगा एक्सप्रेस-वे सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के आर्थिक भविष्य की नई धुरी बनकर उभर रहा है। यहां अब केवल गाड़ियां ही नहीं, बल्कि निवेश, उद्योग, सपने और अवसर भी दौड़ेंगे। यह प्रोजेक्ट पश्चिमी यूपी की औद्योगिक क्षमता को पूर्वांचल के कृषि और श्रम आधारित क्षेत्रों से जोड़ता है। इससे उत्पादन, आपूर्ति और बाजार के बीच दूरी कम होगी और प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी की ओर ...

उत्तर प्रदेश के एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था लक्ष्य में यह एक्सप्रेस-वे 'इकोनॉमिक मल्टीप्लायर' की भूमिका निभाएगा। बेहतर कनेक्टिविटी से निवेश बढ़ेगा, उद्योग स्थापित होंगे, रोजगार सृजित होंगे और आय में वृद्धि होगी। इस तरह गंगा एक्सप्रेस-वे प्रदेश को इंफ्रास्ट्रक्चर-ड्रिवन ग्रोथ मॉडल की ओर ले जाकर आर्थिक नेतृत्व की नई दिशा देगा।

निवेश का हाईवे, रोजगार का इंजन

एक्सप्रेस-वे के किनारे विकसित हो रहे इंडस्ट्रियल और लॉजिस्टिक्स हब इसे निवेश का प्रमुख केंद्र बना रहे हैं। वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज, एमएसएमई, फूड प्रोसेसिंग और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग जैसे सेक्टर तेजी से विकसित होंगे। इससे लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे और स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में अवसर मिलेंगे।

भारत-केन्या ने की अपनी मुद्राओं में व्यापार पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। अफ्रीका क्षेत्र में भारत के एक महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार के रूप में उभर रहे केन्या के साथ नैरोबी में हुई एक बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग की समीक्षा की है। दोनों देशों ने इसे और विस्तृत एवं मजबूत बनाने के अलावा अपनी मुद्राओं में व्यापार करने की संभावनाओं पर भी पर चर्चा की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार भारत-केन्या संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की 27-28 अप्रैल को नैरोबी में हुई दसवीं बैठक में दोनों पक्षों ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार निपटान को बढ़ावा देने की संभावना को स्वीकार किया है। यह उल्लेख किया गया कि केन्याई बैंकों ने भारतीय बैंकों के साथ विशेष रुपये पर आधारित वोस्त्रो खाते (एसआरवीए) खोले हैं, और इस व्यवस्था का अधिक उपयोग द्विपक्षीय लेनदेन को सुगम बना सकता है।

वाहन और दूरसंचार शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी, सेंसेक्स 609 अंक उछला

मुंबई,एजेंसी

एशियाई बाजारों में मजबूती और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों, वाहन एवं दूरसंचार शेयरों में लिवाली के बीच बुधवार को घरेलू बाजार चढ़कर बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 609 अंक चढ़कर बंद हुआ जबकि एनएसई निफ्टी में 182 अंक की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 609.45 अंक यानी 0.79 फीसदी उछलकर 77,496.36 अंक अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,095.6 अंक तक चढ़ गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी 181.95 अंक यानी 0.76 प्रतिशत बढ़कर 24,177.65 अंक पर पहुंच गया।

प्रमुख वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी का शेयर सकारात्मक नतीजों के बाद 2.82 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 14,679.5 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड वार्षिक शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का सूचकांक कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुए।

बढ़त के साथ बंद हुए शेयर :- आईटीसी लिमिटेड, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा।

नुकसान में रहे शेयर :- इंटरग्लोब एविएशन, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में गिरावट देखी गई।

स्मालकैप 0.75% चढ़ा, मिडकैप 0.49% फिसला

छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.75 प्रतिशत चढ़ गया जबकि मझोली कंपनियों के मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.49 प्रतिशत की गिरावट आई। क्षेत्रवार सूचकांकों में दैनिक उपभोग के सामान (एफएमसीजी) खंड में सर्वाधिक 1.57 प्रतिशत की तेजी रही जबकि रियल्टी खंड में 1.42 प्रतिशत, दूरसंचार खंड में 1.28 प्रतिशत और ऊर्जा खंड में 1.14 प्रतिशत की बढ़त रही।

- वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 114.4 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।
- विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 2,103.74 करोड़ की बिकवाली व घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,712.01 करोड़ की खरीदारी की।

रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि बाजार में तेजी के पीछे तिमाही नतीजों से जुड़ी उम्मीद और चुनिंदा प्रमुख कंपनियों में खरीदारी प्रमुख कारण रहे। हालांकि कच्चे तेल के दाम 110 डॉलर प्रति बैरल के पार चले जाने से तेजी पर लगाम रही। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा-कमजोर वैश्विक संकेतों और कच्चे तेल के ऊंचे दाम के बावजूद निवेशकों ने गिरावट का फायदा उठाकर खरीदारी की।

सोना 1,500 रुपये टूटा, चांदी में बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमत में 1,500 रुपये की गिरावट आई और यह 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। यह गिरावट मुनाफावसूली के कारण हुई, क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर के बारे में फैसले से पहले कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमतों में मामूली बढ़त दर्ज की गई। यह 500 रुपये बढ़कर 2,44,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। 99.9 % शुद्धता वाला सोना 1,500 रुपये यानी एक प्रतिशत गिरकर 1,52,800 रुपये (सभी करों सहित) प्रति 10 ग्राम रह गया।

प्राकृतिक आपदा में बैंक कर्जदारों को खुद दे सकेंगे राहत, आरबीआई ने दी मंजूरी

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत उपायों पर संशोधित दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि बैंक अब उधारकर्ताओं के अनुरोध का इंतजार किए बिना ही उन्हें राहत दे सकेंगे। नए नियम एक जुलाई, 2026 से लागू हो जाएंगे।

केंद्रीय बैंक ने अपने निर्देश में कहा है कि कर्जदाताओं को सभी पात्र उधारकर्ताओं को अपने स्तर पर ही राहत देने की अनुमति होगी। हालांकि ग्राहक चाहें तो प्राकृतिक आपदा घोषित होने के 135 दिनों के भीतर इससे बाहर निकल सकते हैं।

नए दिशा-निर्देश वाणिज्यिक बैंकों, लघु वित्त बैंकों, सहकारी बैंकों, एनबीएफसी और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों पर लागू होंगे।

आरबीआई के मुताबिक, आपदा प्रभावित क्षेत्रों में बैंक अस्थायी परिसरों से शाखाएं चला सकेंगे और सैटेलाइट ऑफिस, एक्सटेंशन काउंटर या मोबाइल बैंकिंग के जरिए सेवाएं बहाल कर सकेंगे। एटीएम सेवाओं को जल्द चालू करने और नकदी जरूरतों के लिए वैकल्पिक इंतजाम करने के भी निर्देश दिए गए हैं। बैंक अपने विवेक से एक वर्ष तक शुल्क और अन्य मदों में छूट या कटौती कर सकते हैं।

राहत केवल उन खातों को मिलेगी जो स्टैंडर्ड श्रेणी में हैं और आपदा के समय 30 दिन से अधिक बकाया में नहीं थे।आरबीआई ने यह भी कहा कि अगर आपदा के बाद कोई खाता गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) हो जाता है, तो समाधान योजना लागू होने पर उसे फिर से 'स्टैंडर्ड' श्रेणी में अद्यतन किया जा सकेगा।

टाटा मोटर्स ने एक वर्ष में दाखिल किए 144 पेटेंट आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में 144 पेटेंट आवेदन दाखिल किए। यह एक वर्ष में अब तक की सर्वाधिक संख्या है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि ये आवेदन वाहन सुरक्षा को अच्छा बनाने, विश्वसनीयता बढ़ाने, ग्राहकों की कुल लागत को कम करने और यात्रियों के आराम को बेहतर बनाने जैसे रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हैं। टाटा मोटर्स के उपाध्यक्ष एवं इंजीनियरिंग प्रमुख अनिरुद्ध कुलकर्णी ने कहा कि 2025-26 में दाखिल पेटेंट आवेदनों की रिकॉर्ड संख्या हमारी इंजीनियरिंग टीम के जुनून, रचनात्मकता और तकनीकी उत्कृष्टता का प्रमाण है। आगे भी हम अपनी क्षमताओं का उपयोग ग्राहकों, समाज और देश के दीर्घकालिक हितों के लिए करते रहेंगे।

सरकार ने हब-एंड-स्पोक मॉडल पर अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के संचालन का एसओपी जारी किया

नई दिल्ली,एजेंसी। नागर विमानन मंत्रालय ने विमानों के संचालन का हब-एंड-स्पोक (एचएंडएस) मॉडल लागू करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है, जिससे यात्रियों के लिए घरेलू से अंतरराष्ट्रीय यात्रा के बीच जुड़ना अधिक सुगम होगा। इस मॉडल के तहत छोटे हवाई अड्डों यानी स्पोक से यात्री बड़े हवाईअड्डों यानी हब के जरिए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक पहुंच सकेंगे। सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया जून से वाराणसी से इस विमानन मॉडल पर आधारित परीक्षण शुरू कर सकती है। इसमें यात्री पहले दिल्ली और फिर वहां से लंदन के लिए उड़ान भरेंगे। मंत्रालय की तरफ से 27 अप्रैल को जारी एसओपी के अनुसार, यात्रियों का आव्रजन और सीमा शुल्क मंजूरी यात्रा की शुरुआत वाले हवाई अड्डे और अंतिम गंतव्य पर होगा जबकि हब एयरपोर्ट पर उनका सामान बाहर निकाले बगैर सीधे अगली उड़ान में भेज दिया जाएगा।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

बंगाल चुनाव: भांगर में मतदान के दौरान तनाव आईएसएफ ने धमकाने के लगाए आरोप

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में बुधवार को दूसरे चरण के मतदान के दौरान दक्षिण 24 परगना के भांगर और उसके आसपास के इलाकों में तनाव का माहौल रहा, जहां इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) ने तृणमूल कांग्रेस पर मतदान एजेंटों को डराने और मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का मतदान जारी रहने के बीच, कम से कम सात विधानसभा क्षेत्रों में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के अधिकारियों को तैनात किया गया है।

पुलिस ने 26 अप्रैल को भांगर में तृणमूल कार्यकर्ता बताये जा रहे एक व्यक्ति के घर से देसी बम बरामद किए थे। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर एनआईए ने राज्य में 79 देसी बमों की बरामदगी की जांच के लिए मामला दर्ज किया। भांगर और कैनिंग पूर्व क्षेत्र के कई इलाकों से सुबह से ही अशांति की खबरें आ रही थीं। संवेदनशील क्षेत्रों में केंद्रीय बलों, राज्य पुलिस और एनआईए टीम की तैनाती की गई।

अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी (दाएं) और उनके बेटे त्रिशांजीत मतदान करने के बाद।

आरजी कर पीड़िता की मां का तृणमूल ने किया विरोध

कोलकाता। पानीहाटी सीट से भाजपा उम्मीदवार एवं आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले की पीड़िता की मां रत्ना देवनाथ को उत्तर 24 परगना जिले में स्थित एक मतदान केंद्र पर जाने के दौरान तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। देवनाथ ने आरोप लगाया कि मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोप को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ हुई बहस के बाद सत्तारूढ़ दल के समर्थकों ने उन्हें बूथ परिसर से बाहर निकलने से रोक दिया।, केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों ने उन्हें वहां से निकलने में मदद की। उन्होंने केंद्रीय बलों से उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया।

तृणमूल सांसद ने केंद्रीय बलों पर लगाया नागरिकों पर लाठीचार्ज का आरोप

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष ने बुधवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान दक्षिण 24 परगना जिले में एक मतदान केंद्र के पास केंद्रीय सुरक्षा बलों ने महिलाओं और एक बच्चे सहित नागरिकों पर लाठीचार्ज किया। घोष ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सुरक्षा बलों पर अविश्वसनीय हिंसा का आरोप लगाया। दावा किया कि महिलाओं पर लाठीचार्ज करने के बाद अर्धसैनिक बल के जवानों ने एक बच्चे को घायल कर दिया। घोष ने कहा कि यह अस्वीकार्य है। निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयास के आरोपों के बाद सुरक्षा बलों ने फाल्टा के बेलसिंह इलाके में एक बूथ के बाहर एक समूह पर लाठीचार्ज किया, जिसमें पुरुष और महिलाएं शामिल थीं।

कैमरे की नजर में पश्चिम बंगाल चुनाव

बुधवार को पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण का मतदान हुआ। देखिए झलकियां....

कोलकाता में अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर में एक बूथ का निरीक्षण करने पहुंचीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

कोलकाता के भवानीपुर में एक बूथ पर भाजपा प्रत्याशी शुभेंदु अधिकारी।

मतदान के बाद उंगली पर स्याही का चिह्न दिखाती महिला।

सेंट मैरी चर्च एंड स्कूल के बूथ पर मतदान को पहुंची मिशनरीज ऑफ चैरिटी की नन, उनकी जांच करते केंद्रीय बल के जवान।

मतदान के लिए ला मार्टिनियर स्कूल फॉर बॉयज़ के मतदान केंद्र पर कतार में खड़े इस्कॉन के साधुओं की जांच करता जवान।

एक मतदान केंद्र पर वोट डालकर बाहर आती वृद्ध महिला।

सभी फोटो : शुभंकर चक्रवर्ती

इन क्षेत्रों में दोबारा होगा मतदान: मुख्य निर्वाचन अधिकारी

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि राज्य के उन क्षेत्रों में दोबारा मतदान कराया जाएगा, जहाँ से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के साथ छेड़छाड़ की रिपोर्टें मिली हैं। कहा कि जहाँ कहीं भी मशीन के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आई हैं, चाहे वह टेप चिपकाकर की गई हो या किसी अन्य तरीके से, हम वहां फिर से मतदान करवाएंगे।

एक ही क्षेत्र में पहुंचे ममता-शुभेंदु अधिकारी, कसे तंज

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी बुधवार सुबह भवानीपुर के चक्रबेड़िया स्थित एक ही मतदान केंद्र से संबंधित क्षेत्र में पहुंचे और बिना किसी सीधे संवाद या औपचारिक अभिवादन के एक-दूसरे पर तंज कसते नजर आए। यह स्थिति मुख्यमंत्री के राजनीतिक गढ़ में जारी प्रतिष्ठा की लड़ाई को रेखांकित करती है। बनर्जी चक्रबेड़िया के वार्ड नंबर 70 में स्थानीय तृणमूल नेताओं को कथित तौर पर डराने-धमकाने की शिकायत मिलने के बाद मतदान केंद्र के बाहर बैठी

हुई थीं, तभी अधिकारी भी वहां पहुंचे। हालांकि, दोनों आमने-सामने नहीं आए। बनर्जी जब पार्टी कार्यालय के बरामदे में बैठी थीं, तभी अधिकारी केंद्रीय बलों के कर्मियों की एक बड़ी टुकड़ी के साथ ठीक सामने वाली सड़क पर पहुंचे और मुख्यमंत्री पर हमला बोलते हुए दावा किया कि उन्हें (ममता बनर्जी) को एहसास हो गया है कि 'एक भी वोट' उनके पक्ष में नहीं आ रहा है। बनर्जी भाजपा पर केंद्रीय बलों, पुलिस पर्यवेक्षकों और चुनाव अधिकारियों के जरिए चुनाव में धांधली करने की कोशिश करने का आरोप लगाया जबकि अधिकारी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे हताशा का संकेत बताया।

बंगाल चुनाव में केंद्रीय बल भाजपा की मदद कर रहे: ममता बनर्जी

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों के लिए तैनात केंद्रीय बल भाजपा के पक्ष में काम कर रहे हैं और दावा किया कि राज्य में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से नहीं कराए जा रहे हैं। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के मित्रा इंस्टीट्यूशन स्कूल में मतदान करने के बाद ममता बनर्जी ने केंद्रीय बलों पर तीखा हमला बोला। बनर्जी ने आरोप लगाया कि उनके पार्टी कार्यकर्ताओं और पोलिंग एजेंटों को डराया-धमकाया जा रहा है और उन्हें मतदान केंद्रों से बाहर निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बलों द्वारा किए जा रहे अत्याचार अभूतपूर्व हैं। जो कुछ हो रहा है वह किसी भी तरह से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं है।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों को उनके संवैधानिक कर्तव्य निभाने के बजाय पक्षपातपूर्ण राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने भाजपा का नाम लिए बिना कहा कि केंद्रीय बलों को देश की सीमाओं की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन इसके बजाय वे एक विशेष पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। बनर्जी ने दावा किया कि तृणमूल कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि उन्होंने हमारे कई कार्यकर्ताओं पर हमला किया है और हमारे मतदान एजेंटों को बूथ छोड़ने के लिए मजबूर किया है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इससे पहले भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों का दौरा किया था, जिनमें चेतला, पद्मपुकुर और चक्रबेरिया इलाके शामिल हैं। यह दौरा स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेताओं से कथित धमकी और अनियमितताओं की शिकायतें मिलने के बाद किया गया।

वर्ल्ड ब्रीफ

जवाबी कार्रवाई: ब्रिटेन ने रूसी राजनयिक को निष्कासित किया

लंदन। ब्रिटेन ने मॉस्को द्वारा हाल में एक ब्रिटिश अधिकारी के निष्कासन और उसके बाद चलाए गए अभियान के जवाब में बुधवार को एक रूसी राजनयिक को निष्कासित कर दिया। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय ने कहा कि उसने रूसी राजदूत को लंदन स्थित अपने कार्यालय में तलब कर जवाबी कार्रवाई की जानकारी दी। इससे मॉस्को और पश्चिमी देशों के बीच बढ़ते तनाव का पता चलता है। विदेश कार्यालय ने कहा, यह व्यवहार पूरी तरह अस्वीकार्य है, और हम अपने राजनयिक कर्मचारियों के उत्पीड़न या उन्हें धमकी दिए जाने को बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह कदम तब उठाया गया जब पिछले महीने रूस ने जासूसी के आरोपों पर ब्रिटिश राजनयिक को निष्कासित कर दिया था।

लंदन में यहूदियों पर चाकू से हमला आतंकी घटना : पुलिस

लंदन। लंदन पुलिस ने यहूदियों की बड़ी आबादी वाले एक इलाके में बुधवार को समुदाय से जुड़े दो पुरुषों पर चाकू से किए गए हमले को आतंकवादी घटना करार दिया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हमारे यहूदी समुदाय पर हमले ब्रिटेन पर हमले के समान हैं। लंदन पुलिस ने कहा कि इस बात की जांच की जा रही है कि क्या बुधवार के हमले में विशेष रूप से यहूदी समुदाय को निशाना बनाया गया। पुलिस ने बताया कि गोल्डर्स ग्रीन इलाके में 34 साल और 76 साल के दो यहूदी पुरुष चाकू से किए गए हमले में घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, संदेह के आधार पर 45 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति पर अदालत में चलेगा अभियोग

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और उनके सचिव समन एकनायके पर 1.66 करोड़ श्रीलंकाई रुपये के सरकारी धन के दुरुपयोग के मामले में अभियोग चलाया जाएगा। पूर्व राष्ट्रपति और एकनायके पर आरोप है कि वर्ष 2023 में विक्रमसिंघे की पत्नी के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए ब्रिटेन स्थित एक विश्वविद्यालय की यात्रा पर सरकारी धन खर्च किया गया था। विक्रमसिंघे ने 2022 से 2024 तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। उन्होंने तर्क दिया कि यह वॉल्वरहैम्प्टन विश्वविद्यालय का एक आधिकारिक निमंत्रण था।

ईरान युद्ध में खुद ही चौतरफा घिरा अमेरिका, ट्रंप की बढ़ने लगीं मुश्किलें

तय समयसीमा में युद्ध समाप्त न करने पर अमेरिकी कानून मांग सकता है जवाब

कैनबरा, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने ईरान के खिलाफ जारी युद्ध को समाप्त करने की समयसीमा तेजी से नजदीक आ रही है। इस समयसीमा को पार करना अमेरिकी कानून का उल्लंघन माना जाएगा। लिहाजा इसके बाद ट्रंप की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। ट्रंप के लिए हालात इसलिए ज्यादा दुष्कर माने जा रहे हैं क्योंकि मध्यावधि चुनाव में केवल छह महीने शेष बचे हैं और कांग्रेस में उनका बहुमत भी बेहद कम है।

अमेरिकी कानून वॉर पावर्स रिजोल्यूशन 1973 के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति कांग्रेस की अनुमति के बिना 60 दिनों तक युद्ध छेड़ सकते हैं। इसके बाद कांग्रेस को युद्ध की मंजूरी देनी होती है वर्ना राष्ट्रपति को सैन्य कार्रवाई समाप्त करनी पड़ती है। फिलहाल अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम लागू है, लेकिन ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी बनाए रखने के लिए तैनात अमेरिकी नौसैनिक बलों और जहाजों पर यह कानून लागू होगा। ऐसे में इन सवालों का जवाब तलाश पाना मुश्किल साबित हो रहा है कि 60 दिनों की समयसीमा समाप्त होने के बाद भी ट्रंप पीछे हटने से इन्कार करते हैं तो क्या होगा। माना जा रहा है कि ईरान संघर्ष में यह कानून रिपब्लिकन सांसदों को इस युद्ध को समाप्त करने का माध्यम प्रदान कर सकता है। इस कानून की दो धाराओं के तहत युद्ध समाप्त करने की समयसीमा लागू होती है।

बुधवार को ट्रंप ने ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय के साथ राजकीय रात्रिभोज किया।

अर्थव्यवस्था पर आंच... तेल महंगाई के कारण अमेरिकी शेयर बाजार गिरकर न्यूनतम स्तर पर

वाशिंगटन। ईरान के साथ चल रहे युद्ध के कारण तेल की कीमतों में आए एक और उछाल ने मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट को रिकॉर्ड स्तर से नीचे धकेल दिया। शेयर बाजार सूचकांक 'एस एंड पी 500'' अपने नवीनतम सर्वकालिक उच्च स्तर से 0.5 प्रतिशत गिर गया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज सूचकांक 25 अंक यानी 0.1 प्रतिशत लुढ़का, नैस्डैक कंपोजिट सूचकांक रिकॉर्ड स्तर से 0.9 प्रतिशत नीचे आ गया। जून अनुबंध के लिए ब्रेंट क्रूड तेल 2.8 प्रतिशत बढ़कर 111.26 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ, जबकि जुलाई अनुबंध में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 104.40 डॉलर पर पहुंच गया। एएए रेटिंग के अनुसार, गैसोलिन की औसत कीमत बढ़कर 4.18 डॉलर गैलन हो गई है जो 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि गैस की ऊंची कीमतें अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं और उपभोक्ता अपने खर्च में कटौती कर सकते हैं, जिससे समग्र जीडीपी वृद्धि को खतरा हो सकता है।

रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की होगी हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी में पेशी

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को ईरान के खिलाफ युद्ध की शुरुआत के बाद पहली बार सांसदों के कड़े सवालों का सामना करना होगा। यह सुनवाई हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के समक्ष आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रशासन के 2027 के सैन्य बजट प्रस्ताव पर चर्चा होगी। यदि यह प्रस्ताव पारित हुआ तो सैन्य खर्च बढ़कर 1.5 ट्रिलियन डॉलर के ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर पहुंच जाएगा। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि यह युद्ध कांग्रेस की मंजूरी के बिना शुरू किया गया था और कइयों ने इसे अनावश्यक बताते हुए इसकी आलोचना भी की है। उम्मीद जताई जा रही है कि हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन अधिक ड्रोन, मिसाइल रक्षा प्रणाली और युद्धपोतों की आवश्यकता पर जोर देंगे। रक्षा मंत्री ने अब तक युद्ध के बारे में सांसदों के सार्वजनिक सवालों से दूरी बनाए रखी है, हालांकि उन्होंने केन के साथ मिलकर टेलीविजन पर ब्रीफिंग दी है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों द्वारा ईरान युद्ध की बढ़ती लागत, अमेरिकी गोला-बारूद की भारी कमी और एक स्कूल पर बमबारी जैसे मुद्दों को उठाने की संभावना है, जिसमें बच्चों की मौत हुई थी। इसके अलावा, कुछ सांसद सैन्य तैयारी पर भी सवाल उठा सकते हैं।

ऐतिहासिक यात्रा पूरी करने के बाद प्रक्षेपण स्थल पर लौटा नासा का आर्टेमिस-2 यान

केप केनवरल। चार अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा के चारों ओर ले जाने वाला अंतरिक्ष यान उस स्थान पर वापस पहुंच गया है, जहां से उसकी यह ऐतिहासिक यात्रा शुरू हुई थी। नासा का आर्टेमिस-2 कैप्सूल मंगलवार को फ्लोरिडा स्थित कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र लौट आया, जहां से लगभग एक महीने पहले उसने आधी सदी से अधिक समय में मनुष्य की पहली चंद्र यात्रा के लिए उड़ान भरी थी।

ओरियन कैप्सूल 10 अप्रैल को प्रशांत महासागर में सफलतापूर्वक उतरा था, जिसके बाद उसे सैन डिएगो से ट्रक के जरिए केप केनवरल लाया गया। इंजीनियर अगले वर्ष आर्टेमिस-3 मिशन के दौरान पृथ्वी की कक्षा में यानों को जोड़ने (डॉकिंग) के परीक्षण की तैयारी के लिए कैप्सूल की हीट शील्ड सहित सभी प्रणालियों की विस्तार से जांच करेंगे।

कैप्सूल के इलेक्ट्रॉनिक बॉक्स हटाकर दोबारा उपयोग में लाए जाएंगे, साथ ही अनुसंधान उपकरण भी निकाले जाएंगे। अमेरिका-कनाडा के चालक दल द्वारा 'इंटीग्रिटी' नाम दिया गया यह कैप्सूल अंतरिक्ष यात्रियों को अब तक मानव द्वारा तय की गई सबसे अधिक दूरी तक अंतरिक्ष में ले गया।

आर्टेमिस-3 : चंद्रमा पर 2028 में पड़ेंगे इंसानी कदम

आर्टेमिस-2 से पहले आखिरी बार 1972 में अंतरिक्ष यात्री अपोलो 17 मिशन में चंद्रमा तक गए थे। आर्टेमिस-3 के लिए नया कैप्सूल और नया चालक दल होगा। वे पृथ्वी की कक्षा में रहकर स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन द्वारा विकसित किए जा रहे चंद्र लैंडर के साथ डॉकिंग अभ्यास करेंगे। इसके बाद 2028 तक दो नए अंतरिक्ष यात्रियों के चंद्रमा पर उतरने का मार्ग प्रशस्त होगा।

फिलिस्तीन के पूर्व राजदूत को लेबनान ने हिरासत में लिया

बेरुत। लेबनान प्रशासन ने फिलिस्तीन के पूर्व राजदूत को उसके देश में पहुंचने के कुछ ही देर बाद भ्रष्टाचार के आरोप में हिरासत में ले लिया।

अधिकारियों ने बताया कि पूर्व राजदूत अशरफ डब्बूर को मंगलवार देर रात बेरूत के रफिक हरीरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया। इन अधिकारियों में दो न्यायिक क्षेत्र एवं सुरक्षा क्षेत्र के अधिकारी हैं तथा उन्होंने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी।

केजरीवाल को आबकारी मामले में जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

- बरी किए जाने के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई 4 मई को
- जस्टिस स्वर्णकांता के कोर्ट में पेश न होने का कर चुके हैं एलान

दिल्ली हाईकोर्ट ने आबकारी नीति मामले में पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को बरी करने संबंधी अधीनस्थ अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर सुनवाई के लिए चार मई की तारीख निर्धारित की है। आम आदमी पार्टी के नेता न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा के समक्ष चल रही सुनवाई में शामिल न होने का एलान कर चुके हैं। जस्टिस स्वर्णकांता ने उन्हें अपना जवाब दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया है।

न्यायमूर्ति शर्मा ने 20 अप्रैल को मामले से खुद को अलग करने संबंधी केजरीवाल और सिसोदिया की याचिकाओं को खारिज कर दिया था जिसके बाद दोनों नेताओं ने इस सप्ताह की शुरुआत में न्यायमूर्ति शर्मा को एक पत्र लिखकर कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से या किसी वकील के माध्यम से उनके समक्ष पेश नहीं होंगे। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि अदालत को अब तक अधीनस्थ अदालत के सभी रिकॉर्ड प्राप्त नहीं हुए हैं जिनमें अधीनस्थ अदालत द्वारा पारित पिछले कुछ आदेश भी शामिल हैं और उन्होंने सीबीआई की याचिका पर सुनवाई चार मई तक के लिए स्थगित कर दी।

न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि हम रिकॉर्ड मंगवाएंगे और सोमवार से सुनवाई शुरू करेंगे। इसके साथ निर्देश दिया कि रिकॉर्ड कल तक मंगवा लिया जाए। अदालत ने यह भी गौर किया कि कई पक्षों ने अपने-अपने जवाब दाखिल कर दिए हैं लेकिन बरी किए गए कुछ आरोपियों ने अब तक ऐसा नहीं किया है। अदालत ने कहा, उन्हें जवाब दाखिल करने का एक और आखिरी मौका दिया जा रहा है।

टिप्पणी हटाने की ईडी की याचिका पर भी सुनवाई

अदालत ने ईडी की उस याचिका पर सुनवाई के लिए भी चार मई की तारीख तय की है जिसमें अधीनस्थ अदालत के फैसले में ईडी के खिलाफ की गई कुछ टिप्पणियों को हटाने का अनुरोध किया गया है। अधीनस्थ अदालत ने 27 फरवरी को केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को आबकारी नीति मामले में बरी कर दिया और अपने फैसले में कहा कि यह मामला न्यायिक जांच में पूरी तरह से खरा नहीं उतरता और पूरी तरह से निराधार है।

अमेरिकी सैनिकों का अरब सागर में वाणिज्यिक जहाज पर हमला

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी मरीन सैनिकों ने इस शक के कारण अरब सागर में एक वाणिज्यिक जहाज पर धावा बोल दिया कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नाकाबंदी तोड़कर ईरान जा रहा था। एम/वी ब्लू स्टार 3 नाम के इस जहाज की तलाशी ली गई और बाद में यह पुष्टि होने के बाद उसे छोड़ दिया गया कि वह किसी ईरानी बंदरगाह की ओर नहीं जा रहा था।

अमेरिकी सेंट्रल कमान ने मंगलवार को एक्स पर लिखा कि सुबह अरब सागर में अमेरिकी मरीन सैनिकों ने एम/वी ब्लू स्टार 3 नामक एक वाणिज्यिक जहाज पर धावा बोल कर कार्रवाई की। सैनिकों ने जहाज की तलाशी लेने और इस बात की पुष्टि होने पर कि जहाज किसी ईरानी बंदरगाह पर नहीं रुकेगा, उसे जाने दिया। समुद्री यातायात निगरानी वेबसाइट के अनुसार एम/वी ब्लू स्टार 3 कोमोरोस के ध्वज के तहत चलने वाला एक कंटेनर जहाज है और यह ओमान के सोहार बंदरगाह की ओर जा रहा था। सेंट्रल कमान ने बताया कि नाकाबंदी का पालन सुनिश्चित करने के लिए 39 जहाजों का मार्ग बदला गया है। ईरान के खिलाफ 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल युद्ध शुरू होने के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर जहाजों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार प्रभावित हुआ है और लंबे समय तक आर्थिक नुकसान की आशंका बढ़ गई है।इस नाकाबंदी के कारण क्षेत्र के विभिन्न बंदरगाहों पर कई जहाज लंगर डाले हुए हैं।

- ईरान की ओर जाने का था शक पुष्टि न होने के बाद छोड़ा

नाकेबंदी पर भड़का ईरान, कहा- समुद्री डकैतों जैसा रवैया दिखा रहा अमेरिका

न्यूयॉर्क। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका की कड़ी आलोचना करते हुए अमेरिका पर समुद्री डकैती को अंजाम देने और खास समुद्री क्षेत्र को बंधक बनाने का आरोप लगाया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावनी ने होर्मुज में ईरान के अपने कदमों का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिकी नीतियां अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर रही हैं। जलमार्गों की सुरक्षा और संरक्षण पर सुरक्षा परिषद की एक खुली बहस में इरावनी ने अमेरिकी नीति के खिलाफ ईरान के कड़े रुख को स्पष्ट किया। उन्होंने हालिया अमेरिकी कार्रवाइयों को अंतरराष्ट्रीय कानून और क्षेत्रीय स्थिरता पर सीधा हमला बताते हुए घोषणा की कि अमेरिका समुद्री डकैतों और आतंकवादियों की तरह व्यवहार कर रहा है। ईरानी राजदूत ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने 28 फरवरी से ईरान के खिलाफ एक गैरकानूनी समुद्री नाकाबंदी लागू कर दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में ईरानी वाणिज्यिक जहाजों को जब्त किया और चालक दल के सदस्यों को हिरासत में लिया, जो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत समुद्री डकैती है।

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में की अमेरिका की आलोचना

दिल्ली हाईकोर्ट: वर्चुअल सुनवाई के दौरान चले अश्लील वीडियो, रुकी कार्यवाही

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हो रही सुनवाई उस समय बाधित हो गई जब एक प्रतिभागी ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अश्लील वीडियो चला दिया। ऐसा ही वाकया कुछ और अदालतों में भी हुआ। सिर्फ मुख्य न्यायाधीश की अदालत में ही इस कारण तीन बार कार्यवाही बाधित हुई।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ के समक्ष इस घटना का उल्लेख करते हुए घटना की रिकॉर्डिंग के प्रसारण को रोकने के लिए कार्रवाई की मांग की। चेतन शर्मा ने कहा कि इस तरह की घटनाएं न्यायालय की पवित्रता और समग्र सत्यनिष्ठा को नुकसान पहुंचाती हैं। उन्होंने कहा, मुझे पता चला है कि दोपहर के भोजन से पहले के सत्र में एक नहीं बल्कि कई अदालतों में इस तरह की असहज करने वाली एक या उससे ज्यादा घटनाएं हुई हैं।

मुख्य न्यायाधीश उपाध्याय ने कहा कि इस मामले में रजिस्ट्रार जनरल को प्रशासनिक रूप से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उच्च न्यायालय के नियमों के तहत अदालती कार्यवाही की रिकॉर्डिंग प्रतिबंधित है और यदि कोई अनधिकृत सामग्री प्रसारित हो रही है, तो अधिकारी उसका पता लगाएंगे। मुख्य न्यायाधीश की अदालत में एक प्रतिभागी के अश्लील वीडियो चलाने से वर्चुअल कार्यवाही दोपहर के भोजन से पहले के सत्र में तीन बार बाधित हुई। इसी बीच, पीछे से एक आवाज आई कि मीटिंग हैक हो गई है। इस ऑडियो में कहा जा रहा है, मीटिंग तुरंत बंद करें। आप हैक हो गए हैं। मीटिंग बंद करें। मीटिंग अभी खत्म नहीं हुई है। प्रत्येक घटना के बाद वर्चुअल मीटिंग कुछ समय के लिए रोक दी गई।

- मुख्य न्यायाधीश ने दिए रिकॉर्डिंग का प्रसारण रोकने के निर्देश

बाली में एयर इंडिया के पायलट की दिल का दौरा पड़ने से मौत

नई दिल्ली। एयर इंडिया के एक पायलट की बुधवार को इंडोनेशिया के बाली में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वह वहां विश्राम अवकाश पर थे।

एयरलाइन के एक अधिकारी के अनुसार, 40 वर्षीय यह फर्स्ट ऑफिसर मंगलवार को दिल्ली से बाली की उड़ान लेकर वहां पहुंचे थे। वह बाली में चालक दल के निर्धारित विश्राम पर थे, तभी उन्होंने अपने होटल में बेचैनी और अस्वस्थता की शिकायत की। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां पता चला कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा है। चिकित्सा दल के प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। बताया गया कि पायलट ने कुछ महीने पहले ही सभी अनिवार्य चिकित्सा जांच करवाई थीं।

नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड के दोषी की जमानत मंजूर

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2013 में महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति (एमएएनएस) के संस्थापक नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए शरद कलस्कर की जमानत याचिका बुधवार को मंजूर कर ली। न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति आरआर भोंसले की पीठ ने यह याचिका स्वीकार की।

इससे पहले विशेष अदालत ने 10 मई 2024 को कलस्कर को सजा सुनाई थी। कलस्कर ने इसे चुनौती दी थी और अपील पर अंतिम सुनवाई होने तक अंतरिम जमानत की मांग की थी। दाभोलकर ने अंधविश्वासों, पाखंडी बाबाओं, तांत्रिकों के खिलाफ मुहिम छेड़ी थी। इसके कारण उन्हें दक्षिणपंथी संगठनों के गुस्से का सामना करना पड़ा था। बीस अगस्त 2013 को पुणे में सुबह की सैर के दौरान उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनकी हत्या तर्कवादियों की हाईप्रोफाइल हत्याओं की श्रृंखला में पहली वारदात थी, जिसमें फरवरी 2015 में कोल्हापुर में गोविंद पानसरे, अगस्त 2015 में धारवाड़ में कन्नड़ विद्वान एमएम कलबुर्गी और सितंबर 2017 में बेंगलुरु में पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या शामिल है।

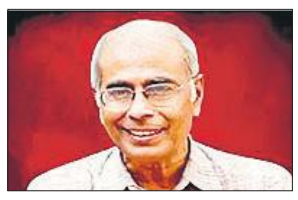

- बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला, विशेष अदालत सुना चुकी है सजा

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज तकनीकी कार्यों में बड़ी सफलता मिलेगी। गैजेट्स पर धन खर्च हो सकता है। किसी उलझे हुए मामले में मध्यस्थता करनी पड़ सकती है।

वृष – आज पुराने कर्जों को चुकाने के लिए का दिन सही है। विदेश से जुड़े कार्यों में गति आएगी। घर में किसी मांगलिक आयोजन की चर्चा होगी।

मिथुन – आज आपकी कल्पना शक्ति बढ़ी रहेगी। किसी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचें। संतान की सेहत में सुधार होगा।

कर्क – आज करियर में बड़ा बदलाव कर सकते हैं। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी ईमानदारी सम्मान दिलाएगी।

सिंह – आज आप दूसरों की मदद के लिए आगे आएंगे। यात्रा से व्यापारिक लाभ के योग हैं। मार्केटिंग के लोगों को बड़ा टार्गेट मिल सकता है।

कन्या – आज गुप्त धन या बीमा से लाभ होने की संभावना है। किसी पुरानी कड़वाहट को भुलाकर नए सिरे से रिश्तों की शुरुआत करेंगे।

तुला – आज का दिन व्यापार में साझदारी के लिए निर्णायक साबित होगा। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा।

वृश्चिक – आज कानूनी अड़चनें दूर होंगी। व्यर्थ की चिंता छोड़कर काम पर ध्यान केंद्रित करें। नौकरी में सहकर्मियों का व्यवहार सहयोगात्मक रहेगा।

धनु – आज प्रेम संबंधों में नया मोड़ आएगा। छात्रों को किसी प्रतियोगिता में सफलता मिल सकती है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी।

मकर – आज प्रॉपर्टी के क्रय-विक्रय से बड़ा मुनाफा होगा। सुख-साधनों में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में पदोन्नति मिल सकती है।

कुंभ – आज साहस और पराक्रम के बल पर कठिन लक्ष्य हासिल करेंगे। संचार माध्यमों से कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

मीन – आज बैंक और फाइनेंस से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। घर में किसी अतिथि का आगमन हो सकता है।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

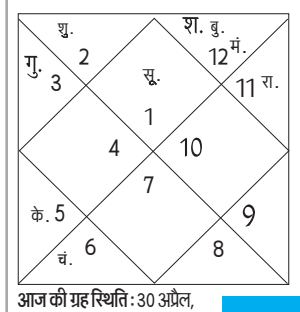

आज की ग्रह स्थिति : 30 अप्रैल, गुरुवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 21.12 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

दिशाशूल-दक्षिण, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-चित्रा 1 मई 02.16 तक तत्पश्चात स्वाती।

सुडोकू - 134 का हल

3	2	5	4	8	1	9	6	7
1	7	4	9	3	6	2	5	8
6	9	8	5	2	7	4	1	3
2	3	7	8	6	5	1	9	4
4	8	1	2	7	9	6	3	5
5	6	9	1	4	3	8	7	2
7	4	3	6	9	2	5	8	1
9	5	2	3	1	8	7	4	6
8	1	6	7	5	4	3	2	9

सुडोकू -135

	1			3			8	
4						6		
5		2			1		3	
		1					6	
		3				7		
	6		2	7		1		
	4	5	8					
		9						6
	2	7					1	

लिंगानुपात में हुआ सुधार शिक्षा और रोजगार में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने देश में जन्म के समय लिंगानुपात में सुधार होने का दावा किया है। मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक लिंगानुपात 2017-19 में 904 था जो 2021-23 में बढ़कर 917 हो गया है।

मंत्रालय ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 'भारत में महिलाएं और पुरुष 2025 : चयनित संकेतक एवं आंकड़े' शीर्षक से अपनी 27वीं रिपोर्ट में महिला और पुरुषों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का आकलन प्रस्तुत किया है। 'डेटा फॉर डेवलपमेंट' रिपोर्ट राष्ट्रीय विचार-विमर्श सम्मेलन के दौरान बुधवार को जारी की गई। रिपोर्ट के अनुसार, 2008 से 2023 के बीच शिशु मृत्यु दर में लगातार

- केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट

कमी आई है और शिक्षा के क्षेत्र में प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक लैंगिक समानता प्राप्त हो चुकी है। उच्च शिक्षा में महिलाओं का सकल नामांकन अनुपात 2021-22 के 28.5 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 30.2 प्रतिशत हो गया है।

रोजगार क्षेत्र में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में श्रम बल भागीदारी दर बढ़ी है। ग्रामीण महिलाओं में यह दर 2022 से 2025 के बीच 37.5 प्रतिशत से बढ़कर 45.9 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट कहती है कि 2017 से 2025 के बीच प्रबंधकीय पदों पर महिलाओं की भागीदारी 102.54 प्रतिशत बढ़ी है, पुरुषों में यह वृद्धि 73.80 प्रतिशत रही है।

उत्तर भारत का कोई नास्तिक सबरीमाला में प्रवेश के अधिकार के लिए कैसे कर सकता है दावा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सवाल किया कि उत्तर भारत का कोई नास्तिक व्यक्ति सबरीमाला मंदिर में प्रवेश के अधिकार का दावा कैसे कर सकता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि मंदिरों में प्रवेश के अधिकार पर फैसला करते हुए यह भी देखना होगा कि यह अधिकार कोई श्रद्धालु मांग रहा है या गैर श्रद्धालु। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह टिप्पणी धार्मिक स्थलों पर महिलाओं से भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान की।

न्यायालय के 2018 के फैसले का समर्थन कर रहीं दो महिलाओं बिंदु अम्मिनी और कनकदुर्गा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने कहा कि याचिकाकर्ताओं में से एक अनुसूचित जाति की महिला है और उसे मंदिर जाने से रोकना संविधान के अनुच्छेद 17 (अस्पृश्यता उन्मूलन) का उल्लंघन होगा। सितंबर 2018 में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 4:1 के बहुमत से 10 से 50 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के सबरीमाला मंदिर में प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी और सदियों पुरानी इस प्रथा को अवैध और असंवैधानिक बताया था। जयसिंह ने कहा, आज हमें बताया जा रहा है कि जातिगत व्यवस्था से परे हिंदू सबरीमाला में प्रवेश कर सकते हैं, लेकिन महिलाएं नहीं।

- सबरीमाला मंदिर में महिलाओं से भेदभाव मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम टिप्पणी

पीठ ने कहा कि महिला को अनुसूचित जाति से होने के कारण नहीं रोका गया था, बल्कि इसलिए रोका गया क्योंकि वह 10 से 50 वर्ष आयु वर्ग की थी। जयसिंह ने कहा कि सबरीमाला मंदिर में महिलाओं का बहिष्कार उनके जीवन के सबसे सृजनशील काल यानी 10 से 50 वर्ष की आयु के बीच लागू होता है। आप मुझे आधा जीवन जीने को नहीं कह सकते। इससे गंभीर पृथक्करण होगा।

उन्होंने कहा कि मंदिर में पूजा संविधान के अनुच्छेद 25(1) के तहत मौलिक अधिकार है। उन्होंने तर्क दिया कि 2018 का फैसला आने के बाद दोनों महिलाएं मंदिर गई थीं, लेकिन वे बाहर आईं तो कुछ संघ नेताओं ने शुद्धिकरण की बात की। जयसिंह ने कहा, यही दो महिलाएं थीं जो दर्शन करने में सफल हुईं। तब से कोई और महिला मंदिर में जाने में सफल नहीं हुई क्योंकि राज्य सरकार ने ऊपर जाने के लिए कोई भी सुरक्षा देने से इन्कार कर दिया।

मुझे नहीं लगता कि हमें कोई खास रणनीतिक बदलाव करने की जरूरत है। मुझे लगता है कि हम जिस तरह से खेल रहे हैं उससे हम काफी सहज हैं। जाहिर है क्रिकेट को किसी दूसरे ही अंदाज में खेलने को लेकर काफी चर्चा हो रही है।
–पार्थिव पटेल, गुजरात के सहायक कोच

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार ,30 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

गुजरात टाइटंस

बनाम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

समय - शाम 7:30 बजे

क्लासेन-अभिषेक की विस्फोटक पारियों से सनराजर्स ने लगाया जीत का पंजा

आईपीएल-2026 : रिकेल्टन की नाबाद शतकीय पारी मुंबई के काम न आई

मुंबई, एजेंसी

अभिषेक शर्मा, ट्रेविड हेड और हेनरिक क्लासेन के तूफानी अर्धशतक से सनराइजर्स हैदराबाद ने सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन के शतक पर पानी फेरते हुए मुंबई इंडियंस को छह विकेट से हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत से सनराइजर्स की टीम नौ मैच में 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई की टीम आठ मैच में चार अंक के साथ नौवें स्थान पर है।

मुंबई के 244 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने हेड (76 रन, 30 गेंद, आठ छक्के, चार चौके) और अभिषेक शर्मा (45 रन, 24 गेंद, तीन छक्के, चार चौके) के बीच पहले विकेट की 8.4 ओवर में 129 रन की साझेदारी के बाद हेनरिक क्लासेन (नाबाद 65 रन, 30 गेंद, चार छक्के, सात चौके) के अर्धशतक से 18.4 ओवर में चार विकेट पर 249 रन बनाकर जीत दर्ज की। क्लासेन ने नितीश कुमार रेड्डी (21) के साथ चौथे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी भी की। सलील अरोड़ा ने अंत में 10 गेंद में दो चौकों और तीन छक्कों से नाबाद 30 रन बनाए। रिकेल्टन ने इससे पहले अपने करियर और मुंबई के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान 55 गेंद में आठ छक्कों और 10 चौकों से नाबाद 123 रन बनाए जिससे मुंबई इंडियन्स ने पांच विकेट पर 243 रन का स्कोर खड़ा किया। रिकेल्टन ने विल जैक्स (46) के साथ पहले विकेट के लिए 93, नमन धीर (22) के साथ तीसरे विकेट के लिए 55 और कप्तान हार्दिक पंड्या (31) के साथ चौथे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी भी की। सनराइजर्स की ओर से प्रफुल्ल हिंगे सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 54 रन देकर दो विकेट चटकाए जबकि इशान मलिंगा ने 29, नितीश कुमार रेड्डी ने 31 और साकिब हसन ने 39 रन देकर एक-एक विकेट हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे सनराइजर्स को अभिषेक और हेड ने तेजतर्रार शुरुआत दिलाई। अभिषेक ने ट्रेंट बोल्ट और जसप्रीत बुमराह पर छक्के मारे। हेड हालांकि भाग्यशाली रहे जब बोल्ट की गेंद पर नमन उनका कैच लपकने में नाकाम रहे और गेंद छह रन के लिए चली गई। उन्होंने इसी ओवर में दो और छक्के मारे। नमन ने इसके बाद अल्लाह गजनफर की गेंद पर बैकवर्ड प्वाइंट पर हेड को दूसरा जीवनदान दिया। हेड ने इसका फायदा उठाते हुए बुमराह की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा जबकि अभिषेक ने भी इस स्टार तेज गेंदबाज पर छक्का जड़ा। सनराइजर्स ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 92 रन बनाए। नमन ने सातवें ओवर में अश्वनी कुमार की गेंद पर तीसरी बार हेड का कैच टपकाया और छक्के के साथ 20 गेंद में बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का अर्धशतक पूरा हुआ। इसी ओवर में टीम के रनों का शतक भी पूरा हुआ।

रन लेते ट्रैविस हेड (दाएं) और अभिषेक शर्मा। एजेंसी

मुंबई इंडियंस

243/5 (20 ओवर)

विल जैक्स का इशान बो नितीश	46
रेयान रिकेल्टन नाबाद	123
सूर्यकुमार यादव अभिषेक बो मलिंगा	05
नमन धीर का दुबे बो हिंगे	22
हार्दिक पंड्या का क्लासेन बो साकिब	31
तिलक वर्मा का क्लासेन बो हिंगे	07
रोबिन मिंज नाबाद	01

अतिरिक्त: 08, विकेट पतन : 1-93, 2-110, 3-165, 4-221, 5-232

गेंदबाजी: कमिंस 4-0-39-0, हिंगे 4-0-54-2, मलिंगा 4-0-29-1, दुबे 3-0-50-0, साकिब 3-0-39-1, नितीश 2-0-31-1

सनराइजर्स हैदराबाद

249/4 (18.4 ओवर)

अभिषेक शर्मा का बोल्ट बो गजनफर	45
ट्रेविस हेड का जैक्स बो पंड्या	76
ईशान किशन बो गजनफर	00
हेनरिक क्लासेन नाबाद	65
नितीश कुमार रेड्डी का सूर्यकुमार बो बोल्ट	21
सलील अरोड़ा नाबाद	30

अतिरिक्त:12, **विकेट पतन**: 1-129, 2-129, 3-133, 4-213

गेंदबाजी: बोल्ट 4-0-41-1, बुमराह 4-0-54-0, जैक्स 1-0-19-0, गजनफर 4-0-51-2, अश्वनी 2-0-41-0, पंड्या 3.4-0-39-1

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -425 रन
- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-414 रन
- वैभव सूर्यवंशी राजस्थान-400 रन

पर्पल कैप

- इशान मलिंगा हैदराबाद-15 विकेट
- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु-14 विकेट
- जोफ्रा आर्चर राजस्थान-14 विकेट

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	8	6	1	1	13	1.043
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	8	6	2	0	12	1.919
3.	सनराइज़र्स हैदराबाद	9	6	3	0	12	0.832
4.	राजस्थान रॉयल्स	9	6	3	0	12	0.617
5.	गुजरात टाइटंस	8	4	4	0	8	-0.475
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	8	3	5	0	6	-0.121
7.	दिल्ली कैपिटल्स	8	3	5	0	6	-1.060
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	8	2	5	1	5	-0.751
9.	मुंबई इंडियंस	8	2	6	0	4	-0.784
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	4	-1.106

युवी पाजी के साथ प्रशिक्षण ने मेरा नजरिया बदल दिया : अभिषेक शर्मा

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा ने युवराज सिंह को अपनी सोच को सही दिशा देने का श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि बचपन के अपने आदर्श के साथ ट्रेनिंग करने से उन्हें टॉप लेवल के हाई-प्रेशर क्रिकेट के लिए तैयार होने में मदद मिली। 25 साल के अभिषेक मौजूदा आईपीएल सीजन में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने आठ मैचों में 380 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। अभिषेक ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान युवराज के साथ करीब से काम करना उनके विकास का एक अहम मोड़ साबित हुआ। युवी पाजी के साथ ट्रेनिंग करना मेरे लिए एक बहुत बड़ा पल था। मैं बचपन से ही उन्हें अपना आदर्श मानता था। वह मेरे हीरो थे। उन्होंने शुरुआत में मुझे कुछ सलाह दी थी, लेकिन हमारे पास साथ बिताने के लिए ज़्यादा समय नहीं था। फिर लॉकडाउन लग गया। मुझे लगता है कि युवी पाजी ने इसे कुछ खिलाड़ियों के साथ करीब से काम करने के एक मौके के तौर पर देखा। अभिषेक ने जियोस्टार को बताया मैं खुशकिस्मत था कि मैं उन खिलाड़ियों में से एक था। जब हमारा कैंप शुरू हुआ, तो उन्होंने कुछ ऐसा कहा जिसने सचमुच मेरा नज़रिया बदल दिया। उन्होंने मुझसे कहा कि हम जिस तरह की ट्रेनिंग और सोच पर काम कर रहे हैं, वह सिर्फ़ घरेलू क्रिकेट या आईपीएल के लिए नहीं है, और न ही सिर्फ़ भारत के लिए कुछ मैच खेलने के लिए है। उन्होंने कहा कि वह मुझे मानसिक तौर पर भारत के लिए बड़े मैच जीतने, यादगार पारियां खेलने और जब सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो, तब गेंद से कमाल दिखाने के लिए तैयार कर रहे हैं। उन्होंने क्रिकेट में अपने शुरुआती दिनों के बारे में भी बात की और बताया कि कैसे उनके परिवार ने इस खेल में उनकी दिलचस्पी जगाने में अहम भूमिका निभाई।

हाईलाइट

बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप में नहीं खेलकर गलती की : शाकिब

मुंबई। पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन ने इस साल की शुरुआत में भारत में हुए टी20 विश्व कप से बांग्लादेश के बाहर रहने को एक बड़ी गलती करार किया और उम्मीद जताई है कि अगर दोनों टीम कुछ सीरीज खेलती हैं तो उनके बीच क्रिकेट के रिश्ते बेहतर हो सकते हैं। बांग्लादेश ने अपने तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स से बाहर किए जाने के बाद टी20 विश्व कप के लिए भारत का दौरा नहीं किया था जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका ने मिलकर की थी। जिसके बाद बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया गया। शाकिब ने ईयूटी20 बेल्जियम की जर्सी लांच के मौके पर बुधवार को यहां पत्रकारों से कहा मुझे लगता है कि यह एक बड़ा नुकसान था। उन्होंने कहा बांग्लादेश क्रिकेट के लिहाज से यह एक बहुत बड़ी चूक थी क्योंकि एक देश के तौर पर हमें अपने खिलाड़ियों को विश्व कप में खेलते हुए और उन मैचों में हिस्सा लेते हुए देखना बहुत पसंद है।

विनेश फोगाट की कुश्ती में वापसी

नई दिल्ली। विनेश फोगाट कुश्ती में वापसी करते हुए अपना वेट क्लास बदलेंगी। वह गोंडा, उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट 2026 में 57किग्रा वर्ग में हिस्सा लेंगी। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता पेरिस 2024 ओलंपिक्स के बाद उनकी पहली उपस्थिति होगी, और जापान में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले आगामी एशियाई खेलों के लिए क्वालिफिकेशन का रास्ता भी बनेगी। 31 वर्षीय भारतीय पहलवान ने पेरिस 2024 ओलंपिक्स में गोल्ड मेडल मुकाबले के लिए तय वज़न (वेट) पूरा न कर पाने के एक दिन बाद ही संन्यास की घोषणा कर दी थी।

गेंदबाज लगातार कर रहे सही प्रदर्शन : जहीर

मुंबई। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने आईपीएल 2026 में बल्लेबाजों के आक्रामक खेल के बावजूद गेंदबाजों के लगातार बेहतर प्रदर्शन का श्रेय उनकी आक्रामक सोच और सही रणनीतियों को दिया। बल्लेबाजों के आक्रामक प्रदर्शन के बीच अकील हुसैन (17 रन पर चार विकेट), मोहसिन खान (23 रन पर पांच विकेट), जोश हेजलवुड (12 रन पर चार विकेट) और भुवनेश्वर कुमार (पांच रन पर तीन विकेट) जैसे गेंदबाजों ने पिछले एक हफ्ते में अपनी मजबूत छाप छोड़ी है। जहीर ने ईयू टी20 बेल्जियम की जर्सी के अनावरण के मौके पर संवाददाताओं से कहा, मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में गेंदबाज अब वापसी कर रहे हैं।

पेरिस सेंट जर्मेन ने सेमीफाइनल का पहला चरण 5-4 से जीता

चैंपियंस लीग

पेरिस, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के पहले चरण में बायर्न म्यूनिख पर 5-4 से रोमांचक जीत हासिल की। चैंपियंस लीग के किसी सेमीफाइनल मुकाबले में यह सर्वाधिक गोल का नया रिकॉर्ड है। सेमीफाइनल का दूसरा चरण अगले सप्ताह खेला जाएगा।

बायर्न की तरफ से हैरी केन ने 17वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन पीएसजी ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही 5-2 की बढ़त बना ली, जिसमें तेजतर्रार विंगर ख्विचा क्वारात्सखेलिया (24वें और 56वें मिनट) और औस्मान डेम्बेले (45वें और 58वें मिनट) ने दो-दो गोल किए। पीएसजी के लिए जोआओ नेवेस ने भी 33वें मिनट में गोल किया था। बायर्न की तरफ से केन के अलावा माइकल ओलिस (41वें), डेयोत उपामाकानो (65वें) और लुई डियाज (68वें मिनट) ने गोल दागे।

पीएसजी के खिलाफ गोल करते बायर्न के लुई डियाज। एजेंसी

नया नियम : मुंह ढककर बहस करने पर खिलाड़ी को मिल सकता है लाल कार्ड

वैंकूवर। चैंपियंस लीग मैच के दौरान विनीसियस जूनियर के खिलाफ की गई कथित नस्लीय टिप्पणी को गंभीरता से लेते हुए अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल संघ बोर्ड (आईएफएबी) ने एक नए नियम को मंजूरी दी है जिससे खिलाड़ियों को दूसरे खिलाड़ी से मौखिक बहस करते समय मुंह ढकने पर लाल कार्ड से दंडित किया जाएगा। ब्रिटिश कोलंबिया के वैंकूवर में मंगलवार को हुई बैठक में आईएफएबी ने सर्वसम्मति से इस नियम को मंजूरी दी। यह नियम 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप फुटबॉल में लागू होगा।

बेंगलुरु के सामने गुजरात की होगी कड़ी परीक्षा

अहमदाबाद, एजेंसी

निरंतरता हासिल करने के लिए बेताब गुजरात टाइटंस को गुरुवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में शानदार फॉर्म में चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अब जबकि टूर्नामेंट का आधा चरण पूरा हो चुका है तब गुजरात टाइटंस की टीम आठ मैचों में चार जीत और चार हार के साथ अंक तालिका में आगे बढ़ने के लिए संघर्ष कर रही है। दूसरी तरफ मौजूदा चैंपियन आरसीबी शानदार फॉर्म में है और उसने आठ मैचों में से छह में जीत दर्ज की है। आरसीबी अभी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है।

आरसीबी की तरफ से उसके तेज गेंदबाजों भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने मिलकर कहर बरपाया है। जहां भुवनेश्वर ने अपनी शानदार स्विंग से पुराने दिनों की याद दिला दी है, वहीं हेजलवुड ने टेस्ट मैच के स्तर की गेंदों से बल्लेबाजों को परेशान किया है। वह बल्ले के बाहरी किनारे को लक्ष्य बनाकर गेंदबाजी कर रहे हैं। इसके अलावा बीच के ओवरों में क्रुणाल पंड्या का सामना करना भी बड़ी चुनौती है क्योंकि उनकी गेंदबाजी में काफी विविधता है। गुजरात टाइटंस की टीम शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अधिक निर्भर है। उसके चोटी के तीन बल्लेबाजों साई सुदर्शन, कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर ने एक बार फिर अधिकतर रन बनाए हैं।

अभ्यास सत्र के दौरान गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल। एजेंसी

घरेलू मैदान पर दबदबा नहीं बना पाया टाइटंस

गुजरात टाइटंस की टीम अभी तक अपने घरेलू मैदान पर दबदबा बनाने में नाकाम रही है। उसने मोटेरा में खेले गए तीन मैचों में से दो मैच गंवाए हैं। आरसीबी इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है, लेकिन सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है। इंग्लैंड के अपने साथी खिलाड़ी फिल साल्ट की चोट के कारण पिछले दो मैच में खेलने वाले जैकब बेथेल कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। यह प्रतिभाशाली बल्लेबाज गुरुवार को विराट कोहली के साथ पारी का आगाज करते हुए अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होगा। बेथेल ने टी20 विश्व कप के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था और वह किसी भी समय अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा सकते हैं।

- भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड की गेंदबाजी से रहना होगा सावधान

टीम

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अनुज रावत, कुलवंत खेजरोलिया, राहुल तेवतिया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, अभिनंदन सिंह, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, सात्विक देसवाल।

आई मुसीबत | राजस्थान रॉयल्स के कप्तान पर गैरकानूनी कार्य का आरोप, पहली बार दोषी पाए जाने पर एक साल तक हो सकती कैद

ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट पीने पर विवादों से घिरे रियान पराग

नई दिल्ली, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में 'वेपिंग' (ई-सिगरेट का इस्तेमाल करना) करते हुए टीवी कैमरों में कैद होने के बाद विवादों में घिर गए हैं। भारत सरकार ने 2019 में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसमें इसका उत्पादन, बिक्री और वितरण शामिल था। इस संबंध में कानून के अनुसार पहली बार अपराध करने पर दोषी को एक साल तक की कैद हो सकती है या/और उस पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया सकता है।

आईपीएल के मौजूदा सत्र में रन बनाने के लिए जूझ रहे पराग

पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के सीधा प्रसारण के दौरान ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट का सेवन करते हुए देखे गए। कैमरे में कैद हुई इस घटना पर सोशल मीडिया पर तुरंत ही प्रतिक्रिया होने लगी। पराग ने अपनी टीम की जीत में 16 गेंदों में 29 रन बनाए थे। इस प्रतियोगिता के संचालन से जुड़े आईपीएल और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों ने इसे सोशल मीडिया और टीवी कैमरों की निगरानी के युग में बेहद लापरवाही वाला कृत्य करार दिया। आईपीएल के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कई खिलाड़ी ई-सिगरेट का सेवन करते हैं, लेकिन वे ड्रेसिंग रूम में ऐसा नहीं करते। इतने सारे कैमरों के बीच ऐसा करना बेहद जोखिम और लापरवाही भरा है। पराग को खुलेआम ई-सिगरेट पीते हुए पकड़े जाने के बाद बीसीसीआई को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। राजस्थान रॉयल्स टीम का कोई भी अधिकारी इस मामले पर टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं था।

आईपीएल के मौजूदा सत्र में यह पहला अवसर नहीं है जबकि राजस्थान किसी विवाद में पड़ा। इससे पहले इसी महीने की शुरुआत में टीम मैनेजर रोमी भिंडर पर डगआउट में फोन का इस्तेमाल करने कारण नियमों का उल्लंघन करने के लिए एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। आईपीएल के एक अन्य सूत्र ने पीटीआई को बताया कि मौजूदा टूर्नामेंट से पहले मुंबई में कप्तानों की बैठक में ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों की निजता का मुद्दा उठाया गया था। कुछ कप्तानों ने सीधा प्रसारण के दौरान ड्रेसिंग रूम की ओर कैमरे घुमाए जाने पर आपत्ति जताई थी। सूत्र ने कहा यह ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट के इस्तेमाल से सीधे तौर पर संबंधित नहीं था। यह मोटे तौर पर खिलाड़ियों की निजता से जुड़ा था। कई बार खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में पूरे कपड़े नहीं पहने होते हैं या वे कैमरों से बचना चाहते हैं।

क्या है नियम

ई-सिगरेट निषेध अधिनियम (पीईसीए) 2019 के अनुसार कोई भी व्यक्ति प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ई-सिगरेट का उत्पादन या निर्माण या आयात या निर्यात या परिवहन या बिक्री या वितरण नहीं करेगा और ई-सिगरेट का विज्ञापन नहीं करेगा या किसी ऐसे विज्ञापन में भाग नहीं लेगा जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ई-सिगरेट के उपयोग को बढ़ावा देता हो। जॉन हॉपकिंस मेडिसिन के अनुसार ई-सिगरेट का इस्तेमाल करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, हालांकि यह सिगरेट पीने जितना हानिकारक नहीं हो सकता है। उसके अनुसार निकोटिन नियमित सिगरेट और ई-सिगरेट का मुख्य घटक है और इससे लत लग जाती है।

आयुष और प्रणय जीते, पर भारत थॉमस कप फाइनल में चीन से हारा

होर्सेंस (डेनमार्क), एजेंसी

आयुष शेट्टी और एच एस प्रणय ने बुधवार को यहां जबरदस्त वापसी करते हुए जीत दर्ज की लेकिन भारत थॉमस कप फाइनल के अंतिम ग्रुप ए मुकाबले में चीन से 2-3 से हार गया।

2022 के चैंपियन भारत ने पहले ही क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली थी। लेकिन लक्ष्य सेन और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी के करीबी मुकाबले में हारने से भारत बैकफुट पर आ गया था जिससे चीन को 2-0 से बढ़त मिल गई थी।

दबाव भरे हालात में आयुष ने शानदार प्रदर्शन किया और एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए वेंग होंग यांग को दूसरे एकल में

आयुष शेट्टी।

17-21, 21-13, 21-15 से हराकर अंतर कम किया। दूसरे युगल मैच में हरिहरन अमसकारुनन और एमआर अर्जुन की जोड़ी को ही जी टिंग और रेन जियांग यू से 17-21, 13-21 से हार मिली जिससे चीन ने 3-1 की अजेय बढ़त बना ली। इसके बाद प्रणय ने तीसरे एकल में एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए लू गुआंग जू को 20-22, 21-19, 21-11 से हराया और हार के अंतर को और कम किया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य को दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी ली शि फेंग से कड़ा संघर्ष करने के बावजूद तीन गेम तक चले मुकाबले में शिकस्त झेलनी पड़ी। लक्ष्य ने पिछले महीने 'ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप' में ली को हराया था। वह बुधवार को निर्णायक गेम में उसी फॉर्म को दोहरा नहीं पाए और 19-21, 21-8, 12-21 से पराजित हो गए। भारत को सात्विक और चिराग की दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी से मुकाबले को बराबर करने की उम्मीद थी। लेकिन पांच मैच प्वाइंट बचाने के बावजूद यह जोड़ी मौकों को भुनाने में नाकाम रही।